राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 शरद पवार के खिलाफ अपशद बर्दाश्त नहीं, अजित पवार की.....

महायुति से अलग सुर छेड़ रहे अजित, योगी के बटेंगे तो कटेंगे से बनाई दूरी 12

वर्ष : 15 | अंक : 203 | नई दिल्ली, शनिवार, 09 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को घेरा, मुठभेड़ जारी

श्रीनगर। कश्मीर के सोपोर इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गुरुवार को मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सोपोर के पानीपोरा इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने संयुक्त अभियान शुरू किया। जब सुरक्षा बल छिपे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंचे, तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी थी। माना जा रहा है कि दो-तीन आतंकवादियों का एक समूह फंसा हुआ है। आतंकवादियों द्वारा किए गए कई हमलों के बाद हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। पिछले 48 घंटे में दो आतंकवादी मारे गए, एक कुपवाड़ा जिले के लोलाब इलाके में और दूसरा बांदीपोरा जिले के केटसन के जंगलों में। गत 20 अक्टूबर को गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक बुनियादी ढांचा परियोजना कंपनी के श्रमिक शिविर पर हमला करके आतंकवादियों ने सात लोगों की हत्या कर दी थी। इसके बाद 24 अक्टूबर को बारामूला जिले के गुलमर्ग के बूटा पाथरी इलाके में आतंकवादियों ने सेना के एक वाहन पर हमला कर तीन सैनिकों और दो असैन्य पोर्टरों की हत्या कर दी थी।

औरंगाबाद में छठ व्रतियों से भरा ऑटो कुए में गिरा, एक की मौत

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद में एक बड़ा हादसा हो गया है जहां छठ व्रतियों से भरा एक ऑटो कुआ मे गिरने से एक की मौके पर मौत हो गई है और 6 लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। यह घटना देव थाना क्षेत्र के चानपुर गांव के पास की है। सभी घायलों को इलाज हेतु सदर हॉस्पिटल औरंगाबाद भेज दिया गया है जहां से उनको आगे रेफर कर दिया गया है। सभी छठ व्रती अपने बच्चे को मुडना करने के लिए भगवान भास्कर की नगरी देव आ रहे थे। इसी बीच चैनपुर गांव के पास एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर कुए में गिर गया। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से तुरंत कुए में गिरे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू किया गया और जिला प्रशासन ने मौके पर पहुंच कुए से ऑटो को बाहर निकाला। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत मौके पर ही हो गई। उसका शव एनडीआरएफ के टीम के द्वारा कुए से बाहर निकाला गया।

भ्रष्टाचार एक बीमारी, जड़ से खत्म किया जाना जरूरी: मुर्मु

राष्ट्रपति ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह को किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली/ एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भ्रष्टाचार को एक बड़ी बीमारी करार देते हुए कहा कि इसे जड़ से खत्म किया जाना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अनेक पहल की हैं। इस संदर्भ में उन्होंने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना, ई मार्केटप्लेस और आर्थिक अपराधी अधिनियम जैसी पहलों का उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वास किसी भी समाज की नींव होता है जबकि भ्रष्टाचार समाज में विश्वास को कम करता है। केंद्रीय सतर्कता आयुक्त पी. के श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि सरकार की भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के शीघ्र निपटारे के लिए कई उपाय किये गये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सतर्कता आयोग ने कर्मचारियों की क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं को भी सरल बनाया जा रहा है। कहा कि भारतीय समाज में ईमानदारी और अनुशासन को जीवन का आदर्श माना जाता है। लगभग 2300 साल पहले मेगस्थनीज ने भारतीय लोगों के बारे में लिखा था कि वे अनुशासनहीनता को नापसंद करते हैं और कानून का पालन करते हैं। उनके जीवन में सादगी और तपस्या सन्निहित है। फाहियान ने हमारे पूर्वजों के बारे में इसी तरह का उल्लेख किया है। इस संदर्भ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की इस वर्ष की विषय वस्तु राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईमानदारी की संस्कृति बहुत उपयुक्त है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्वास सामाजिक जीवन की नींव है। यह एकता का स्रोत है। सरकार के काम और कल्याणकारी योजनाओं में जनता का विश्वास शासन की शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार न केवल आर्थिक प्रगति में बाधा है, बल्कि यह समाज में विश्वास को भी कम करता है। यह लोगों में भाईचारे की भावना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है। इसका देश की एकता और अखंडता पर भी व्यापक प्रभाव पड़ता है। हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर हम देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लेते हैं। यह केवल एक रस्म तक सीमित नहीं है। यह गंभीरता से लिया जाने वाला संकल्प है। इसे पूरा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि नैतिकता भारतीय समाज का आदर्श है। जब कुछ लोग वस्तुओं, धन या संपत्ति के संचय को अच्छे जीवन का मानक मानने लगते हैं, तो वे इस आदर्श से भटक जाते हैं और भ्रष्ट गतिविधियों का सहारा लेते हैं। बुनियादी जरूरतों को पूरा करके आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने में ही वास्तविक खुशी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टोलरेंस की नीति भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर देगी।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भ्रष्ट व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित कानूनी कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। कार्रवाई में देरी या कमजोर कार्रवाई से अनैतिक व्यक्तियों को बढ़ावा मिलता है, लेकिन यह भी आवश्यक है कि हर कार्य और व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से न देखा जाए।

पीएम ने महाराष्ट्र में चुनावी सभा में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर साधा निशाना

दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं करा सकती : मोदी

प्रात :किरण

धुले/ एजेंसी । जम्मू-कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 को लेकर मचे कोहराम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के धुले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में केवल बाबा साहेब अंबेडकर का ही संविधान चलेगा। दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी ब्लॉक वालों को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, वो कश्मीर को लेकर फिर से नई साजिशें करने लगे हैं। दो- तीन दिन पहले आपने टीवी में देखा होगा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में क्या कुछ हुआ। कांग्रेस-एनसी गठबंधन ने वहां फिर से आर्टिकल 370 लागू करने का प्रस्ताव पारित किया है। क्या ये देश स्वीकार करेगा। कश्मीर को तोड़ने का कांग्रेस का ये कारनामा आपको मंजूर है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आर्टिकल 370 के समर्थन में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बैनर लहराए गए। जब भाजपा के विधायकों ने जी जान से उसका विरोध किया, उन्हें उठा-उठाकर के सदन के बाहर फेंक दिया गया। कांग्रेस और उनके सहयोगी की ये घिनौनी सच्चाई पूरे देश और महाराष्ट्र को समझनी होगी। कांग्रेस-एनसी गठबंधन एक तरफ जम्मू-कश्मीर से भारत के संविधान हटाने का प्रस्ताव पास करता है। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में बाबा साहेब का संविधान नहीं चाहती है। कांग्रेस गठबंधन महाराष्ट्र में आकर संविधान की झूठी किताब लहराती है। पीएम

कश्मीर को लेकर अलगावादियों की भाषा मत बोलो :

मोदी ने कहा कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी वालों से कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान के एजेंडे को देश में बढ़ावा देने की कोशिश मत करो। कश्मीर को लेकर अलगावादियों की भाषा मत बोलो। याद रखो तुम्हारे मंसूबे कामयाब नहीं होंगे और जब तक मोदी पर जनता जर्नादन का आशीर्वाद है, कांग्रेस वाले कश्मीर में कुछ नहीं कर पाएंगे। कश्मीर पर केवल बाबा साहेब अंबेडकर का ही संविधान चलेगा। ये मोदी का फैसला है, दुनिया की कोई भी ताकत कश्मीर में आर्टिकल 370 की वापसी नहीं करा सकती है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय बाबा साहेब दलितों और वंचितों के लिए आरक्षण चाहते थे। लेकिन, नेहरू जी इस बात पर अड़े थे किसी भी कीमत पर दलितों, पिछड़ों और वंचितों को आरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। बहुत मुश्किल से बाबा साहेब दलितों और आदिवासियों के लिए आरक्षण का प्रावधान कर पाए थे। नेहरू जी के बाद इंदिरा जी आईं और उन्होंने भी आरक्षण के खिलाफ ऐसा ही रवैया जारी रखा था। ये लोग चाहते थे कि एससी, एसटी, ओबीसी हमेशा कमजोर रहे। इंदिरा जी के बाद राजीव गांधी ने भी ओबीसी आरक्षण का खुलकर विरोध किया था। ये लोग जानते थे कि एससी, एसटी और ओबीसी मजबूत हो गए तो उनकी राजनीति की दुकान का शटर गिर जाएगा। राजीव गांधी के बाद अब इस परिवार की चौथी पीढ़ी, इनका युवराज इसी खतरनाक भावना के साथ काम कर रहे हैं। कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा है, किसी भी तरह एससी, एसटी समाज की एकता को तोड़ें, ओबीसी समाज की एकता को चकनाचूर कर दें। कांग्रेस चाहती है कि एससी समाज अलग-अलग जातियों में बिखरा रहे, ताकि एससी समाज की सामूहिक शक्ति कमजोर पड़ जाए। कांग्रेस ओबीसी और एसटी समाज को भी अलग-अलग जातियों में बांटने की कोशिश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा बरकरार रखा

उच्चतम न्यायालय ने 4-3 के बहुमत से सुनाया फैसला

प्रात :किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा बकरार रखा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की बेंच ने 4-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है। इस बेंच के तीन जज फैसले के खिलाफ थे। भारत के मुख्य मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में से खुद सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जेडी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने संविधान के अनुच्छेद 30 के मुताबिक एएमयू के अल्पसंख्यक संस्थान के दर्जे को बरकरार रखने के पक्ष में फैसला दिया है। सीजेआई ने कहा कि कोई भी धार्मिक समुदाय संस्थान की स्थापना कर सकता है, लेकिन चला नहीं सकता। संस्थान की स्थापना सरकारी नियमों के मुताबिक की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय संविधान के अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यक दर्जे का हकदार है। आगे कहा कि अनुच्छेद 30 कमजोर हो जाएगा अगर यह केवल उन संस्थानों पर लागू होता है जो संविधान लागू होने के बाद स्थापित किए गए हैं। सीजेआई का कहना है कि एसजी ने कहा है कि संघ इस प्रारंभिक आपत्ति पर जोर नहीं दे रहा है कि सात न्यायाधीशों को संदर्भ नहीं दिया जा सकता। इस बात पर विवाद नहीं किया जा सकता कि अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव न किए जाने की गारंटी देता है। सवाल यह है कि क्या इसमें गैर-भेदभाव के अधिकार के साथ-साथ कोई विशेष अधिकार भी है।

सुप्रीम कोर्ट ने 1967 का अपना फैसला पलटा

उच्चतम न्यायालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मामले में 1967 का अपना एक फैसला पलटते हुए शुक्रवार को कहा कि किसी संस्थान को सिर्फ इसलिए अल्पसंख्यक दर्जा देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह संसदीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ ने बहुमत के आधार पर अजीज बाशा मामले में 1967 के फैसले को खारिज कर दिया, जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को कानून द्वारा बनाए जाने के कारण अल्पसंख्यक दर्जा से वंचित करने का आधार बना था। पीठ ने कहा कि अल्पसंख्यक संस्थान की स्थापना अल्पसंख्यक द्वारा की जा सकती है, लेकिन जरूरी नहीं कि उसे अल्पसंख्यक सदस्यों द्वारा ही प्रशासित किया जाए।

संबोधन ऑस्ट्रेलियाई न्यूज आउटलेट ने की आलोचना.....

जयशंकर की प्रेस वार्ता को कनाडा ने किया ब्लॉक, भारत ने लगाई फटकार

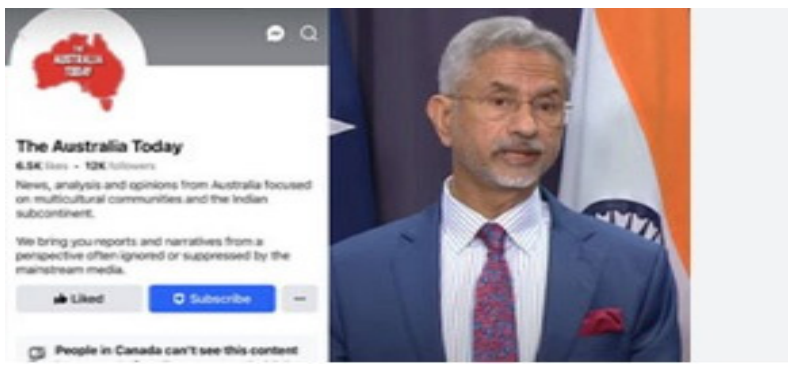

प्रात :किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया टुडे ने उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करने के कनाडाई सरकार के फैसले की आलोचना की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद आउटलेट के सोशल मीडिया हैंडल और कुछ पेजों को कनाडा ने ब्लॉक कर दिया था। वहीं गुरुवार को भारत ने भी कनाडा सरकार के फैसले की आलोचना की। अपने बयान में, ऑस्ट्रेलिया टुडे ने दुनिया भर से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। ऑस्ट्रेलियाई न्यूज आउटलेट ने एक पोस्ट में कहा, कनाडाई सरकार के कामों से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद, हम इन बाधाओं से प्रभावित हुए बिना, महत्वपूर्ण स्टोरी और आवाजों को जनता तक पहुंचाने के अपने मिशन में अटल हैं। ऑस्ट्रेलिया टुडे ने बयान में अपनी टीम और समर्थकों पर कनाडाई फैसले के प्रभाव को स्वीकार किया। आउटलेट ने बढ़ती मीडिया सेंसरशिप के युग में पत्रकारिता की स्वतंत्रता की रक्षा के महत्व पर जोर दिया। आउटलेट ने कहा, कनाडाई सरकार की हालिया कार्रवाई हमारी टीम और उन लोगों के लिए कठिनाई भरी रही जो स्वतंत्र और खुली पत्रकारिता को महत्व देते हैं। हालांकि, हमें जो जबरदस्त समर्थन मिला है, वह #फ्री प्रेस के महत्व का एक शक्तिशाली अनुस्मारक है। प्रबंध संपादक जितार्थ जय भारद्वाज ने आउटलेट के वैश्विक दर्शकों द्वारा दिखाई गई एकजुटता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, इन प्रतिबंधों के बावजूद, आपका अटूट समर्थन हमारे लिए ताकत का प्रतीक रहा है। भारद्वाज ने प्रेस की स्वतंत्रता और पारदर्शिता के लिए जारी वकालत की भी गहरी तारीफ की और इस बात पर जोर दिया कि आउटलेट बाहरी दबावों से प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने ह्लहम एक खुले और समावेशी मीडिया परिदृश्य की वकालत करना जारी रखेंगे। इस बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि इस घटना ने कनाडा के पाखंड को उजागर कर दिया है। जायसवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इस विशेष संस्थान के सोशल मीडिया हैंडल, पेज, जो प्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म हैं, को ब्लॉक कर दिया गया और वे कनाडा में दर्शकों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह घटना इस विशेष हैंडल द्वारा विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पेनी वोंग की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को प्रसारित करने के ठीक एक घंटे या कुछ घंटों बाद हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ह्लमैं यही कहना चाहता हूं कि ये ऐसी हरकतें हैं जो एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति कनाडा के पाखंड को उजागर करती हैं। एमईए प्रवक्ता के मुताबिक विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से बातचीत में तीनों मुद्दों जिक्र किया। पहला झ कनाडा की ओर से बिना सबूत आरोप लगाना जो अब एक पैटर्न बन गया है। दूसरा- राजनयिकों की निगरानी जिसे विदेश मंत्री ने अस्वीकार्य बताया, तीसरा- कनाडा द्वारा भारत विरोधी तत्वों को राजनीतिक जगह देना। उन्होंने कहा कि इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया टुडे को क्यों ब्लॉक किया।

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में भारत ने चीन को लगातार दूसरे साल पछाड़ा

प्रात :किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। भारत ने लगातार दूसरे साल क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में चीन को पीछे छोड़ दिया है, जो देश की उच्च शिक्षा में तेजी से होते सुधार का संकेत है। भारत के 193 उच्च शिक्षण संस्थान को इस लिस्ट में शामिल किया गया है। देश ने विश्वविद्यालय प्रतिनिधित्व में सबसे अधिक वृद्धि दिखाई है। इस सूची में 21 नई एंट्री भी जुड़ी हैं। वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा जारी एशिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की नवीनतम वार्षिक सूची के अनुसार, भारत के बाद चीन 135 विश्वविद्यालयों और जापान 115 विश्वविद्यालयों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है। भारत ने 148 विश्वविद्यालयों के साथ 2024 क्यूएस रैंकिंग में चीन को पीछे छोड़ दिया था। पिछले साल चीन के केवल 133 शैक्षणिक संस्थान इस सूची में शामिल हुए थे। 2025 के संस्करण में एशिया की 25 उच्च शिक्षा प्रणालियों में 984 विश्वविद्यालय शामिल हैं। यह पिछले साल की तुलना में 127 अधिक है। एशिया के टॉप 100 संस्थानों में लगभग सात भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। आईआईटी दिल्ली सर्वोच्च स्थान पर रहा, उसके बाद आईआईटी बॉम्बे दूसरे स्थान पर खिसक गया। अन्य नामों में दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईएससी बैंगलोर, आईआईटी मद्रास, आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी कानपुर शामिल हैं। क्यूएस की सीईओ जेसिका टर्नर ने एक बयान में कहा, ह्लभारत की शैक्षणिक क्षमता इसके रिसर्च आउटपुट और पीएचडी-ट्रेन्ड फैकल्टी की ज्यादा संख्या से प्रदर्शित होती है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक मंच पर एक बेंचमार्क स्थापित करते हुए अपने विश्वविद्यालयों की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं। अकादमिक प्रतिष्ठा में भारतीय विश्वविद्यालयों को 75 प्रतिशत अंक मिले, जबकि नियोक्ता प्रतिष्ठा में यह 73 प्रतिशत रहा। रिपोर्ट से पता चला कि रिसर्च प्रोडक्टिविटी भारतीय विश्वविद्यालयों की एक बड़ी ताकत है। ह्यपेपर्स पर फैकल्टीह्ल में एशिया के टॉप पांच विश्वविद्यालयों में से चार भारतीय हैं, जबकि अन्ना विश्वविद्यालय दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा, भारतीय विश्वविद्यालयों ने कर्मचारियों की उच्च स्तर की विशेषज्ञता भी दिखाई, जिसमें आठ विश्वविद्यालय पीएचडी वाले कर्मचारियों में दूसरे स्थान पर रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामले में केंद्र को जारी किया नोटिस

रांची/नई दिल्ली/ एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच से जुड़े मुद्दे में राज्य सरकार की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में एक जनहित याचिका पर 20 सितंबर को सुनवाई पूरी करने के बाद घुसपैठ की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाने का आदेश दिया था। झारखंड की सरकार ने हाईकोर्ट के इसी फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस ए. अमानुल्ला की बेंच ने इस मामले में केंद्र सरकार को पक्ष रखने को कहा है और मामले की सुनवाई तीन दिसंबर तय की है। झारखंड हाईकोर्ट ने अपने आदेश में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के लिए राज्य सरकार को दो अधिकारियों का नाम सुझाने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस आदेश पर अगले दो हफ्ते तक रोक लगाने का आदेश दिया है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने जोर देकर कहा था कि झारखंड सीमावर्ती राज्य नहीं है। हाईकोर्ट का आदेश राज्य में हो रहे विधानसभा चुनावों में भाषणों का विषय बन गया है। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार ने झारखंड में घुसपैठ का जो दावा किया है, वह आंकड़ों पर आधारित नहीं है। ऐसे में फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के गठन का हाईकोर्ट का आदेश अवैध प्रवास के मुद्दे से निपटने की राज्य सरकार की स्वायत्तता और शक्ति में हस्तक्षेप होगा। राज्य सरकार के पास इस समस्या से निपटने के लिए कानून के तहत स्वतंत्र अधिकार हैं। सिब्बल ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर झारखंड हाईकोर्ट में जमशेदपुर निवासी दानियल दानिश ने जनहित याचिका दायर की थी। याचिका में गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, दुमका, साहिबगंज और देवघर जिले में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवास और घुसपैठ का आरोप लगाया गया था। इस पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि संथाल परगना समेत झारखंड के कई इलाकों में आबादी का संतुलन बिगड़ा है।

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस
9 नवम्बर

की हार्दिक शुभकामनाएं

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

- नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर
- नकल विरोधी कानून का असर, तीन साल में रिकार्ड 17,500 से अधिक सरकारी रोजगार, आगे की भर्ती प्रक्रिया गतिमान
- राज्य आन्दोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में 10% क्षैतिज आरक्षण
- पिछले 20 माह मे जी एस डी पी में 1.3 गुना वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय में पिछले 2 वर्षों मे 26 प्रतिशत बढ़ोतरी
- हाऊस ऑफ हिमालयाज़ उत्तराखण्ड के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की मजबूत पहल
- नई फिल्म नीति के तहत उत्तराखण्ड की कुमाऊँनी, गढ़वाली, जौनसारी आदि क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को कुल लागत का 50% अथवा 2 करोड़ तक सब्सिडी
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) नीति के माध्यम से ओद्यौगिक निवेश को प्रोत्साहन
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये रु. 200 करोड़ के वेंचर फण्ड की स्थापना
- भ्रष्टाचार की शिकायत हेतु 1064 एप तथा 1905 सी.एम. हेल्पलाइन
- को-ऑपरेटिव बैंको तथा सहकारी समितियों में महिलाओं के लिये 33% आरक्षण
- दीन दयाल उपाध्याय होम-स्टे योजना, राज्य में 5000 से अधिक होम-स्टे पंजीकृत
- उत्तराखण्ड राज्य के शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि को कई गुना बढ़ाते हुए 50 लाख तक किया गया तथा एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान

संकल्प से सिद्धि, प्रगति संग समृद्धि
25

देवभूमि रजत उत्सव
9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

निवेशकों की पहली पसंद बनता उत्तराखण्ड

- अच्छा व्यावसायिक वातावरण
- निवेश अनुकूल नीतियां
- अच्छी कानून व्यवस्था
- बेहतर कनेक्टिविटी

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

- प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन का सफल आयोजन
- समान नागरिक संहिता जल्द होगी लागू
- उधमसिंहनगर के खुरपिया फार्म में केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाऊनशिप की स्वीकृति
- हल्द्वानी में होगी खेल विश्वविद्यालय की स्थापना
- प्रदेश में 4 हजार से अधिक क्लस्टरों में जैविक कृषि
- राजकीय और सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें
- बहुप्रतीक्षित बहुउद्देशीय जमरानी, सोंग और लखवाड़ बांध परियोजनाओं पर कार्य गतिमान
- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते रोजगार के अवसर, सोलर प्लांट स्थापित करने पर MSME के अंतर्गत 50% तक सब्सिडी
- रेल, रोड़, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार
- उत्तराखण्ड में जबरन धर्मान्तरण पर रोक लगाने के लिए एक सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून लागू किया गया
- दंगा विरोधी कानून: अब दंगाइयों पर कड़ी कारवाई करने के साथ ही दंगे में होने वाली सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की भरपाई भी दंगाइयों से ही की जाएगी
- महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने हेतु लखपति दीदी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल किए जा रहे हैं
- उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विभिन्न देशों के उद्योगपतियों द्वारा 3.56 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित, लगभग 85 हजार करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंडिंग गतिमान

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

उदीयमान सूर्य के अर्घ्य के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास व्रत संपन्न

● पटना के घाटों पर श्रद्धालूओं का उमड़ा सैलाब

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। लोक आस्था का पर्व छठ शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही संपन्न हो गया। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसके बाद व्रतियों ने अन्न जल ग्रहण कर पारण किया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा हुआ। अर्घ्य देने को लेकर पटना के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आकलन से अधिक भीड़ जुटने की वजह से प्रशासन को यातायात व्यवस्थित करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। शुक्रवार को अहले सुबह से ही पटना सहित पूरे बिहार में गंगा तट से लेकर तालाबों, विभिन्न जलाशयों के किनारे बने छठ घाटों तक लाखों श्रद्धालुओं ने आकाश में सूर्य की लालिमा के साथ ही भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया गया। पटना के गंगा तट पर बड़ी संख्या में छठ व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में व्रतियों ने अपने घरों की छतों पर भी भगवान भास्कर की आराधना की और अर्घ्य अर्पित किया।

छठ पर्व को लेकर चार दिनों तक पूरा बिहार भक्तिमय रहा। मुहल्लों से लेकर गंगा तटों तक यानी पूरे इलाके में छठ पूजा के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। राजधानी पटना की सभी सड़कों को दुल्हन की तरह सजाया गया।

राजधानी के मुख्य सड़कों से लेकर गलियों तक की सफाई की गई। आम से लेकर खास तक के लोगों ने सड़कों की सफाई में व्यस्त रहे। हर किसी ने छठ पर्व में हाथ बंटाया। छठ को लेकर पटना से लेकर पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। गंगा के तटों से लेकर जलाशयों के घाटों पर अभूतपूर्व सुरक्षा के इंतजाम देखे गए।पटना में कई पूजा समितियों द्वारा भगवान भास्कर की मूर्ति स्थापित की गई है। पूरा माहौल छठमय रहा। कई स्थानों पर तोरण द्वार लगाए गए तो कई पूजा समितियों द्वारा लाइटिंग की व्यवस्था की गई। इधर, मुजफ्फरपुर, सासाराम, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर, बेतिया, मोतिहारी सहित सभी जिलों के शहरों से लेकर गांवों तक लोग चार दिनों तक छठ पर्व की भक्ति में डूबे रहे। औरंगाबाद के प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर परिसर में लाखों श्रद्धालु छठ पर्व मनाने पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का यह महापर्व प्रारंभ हुआ था।

सीएम नीतीश व जेपी नड्डा ने पटना के विभिन्न छठ घाटों का किया भ्रमण

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व विजय कुमार सिन्हा रहें मौजूद

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दानापुर के नासरीगंज घाट से कंगन घाट तक पानी के जहाज से गंगा नदी के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण किया और छठव्रतियों एवं राज्यवासियों को छठ की शुभकामनायें दीं। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा नदी के विभिन्न घाटों पर अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। घाटों पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अभिवादन हाथ उठाकर किया। मुख्यमंत्री ने भी सभी लोगों का अभिवादन हाथ उठाकर स्वीकार किया। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री छठ व्रतियों की सुविधाओं को लेकर छठ घाटों का भ्रमण करते रहे हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर छठ घाटों पर व्रतियों की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर प्रशासन की तरफ से पूरे तौर पर प्रयास किये गये हैं ताकि लोगों को किसी तरह की दिक्कत नहीं हो। मुख्यमंत्री ने छठ के इस अवसर पर पूरे प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री के भ्रमण के क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल, विधान पार्षद ललन सर्राफ, भाजपा के बिहार प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया, भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के प्रमंडलीय आयुक्त मयंक बरबड़े, पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा विनय कुमार, पटना प्रक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक गरिमा मलिक, जिलाधिकारी डॉ चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, पटना नगर निगम के आयुक्त अनिमेश पारसर सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

छठ महापर्व संपन्न : गंगा घाट का विशेष सफाई अभियान शुरू

पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर कराया जा रहा कार्य सुनिश्चित

● नगर निगम का दावा : दोपहर तक घाट की पूर्ण सफाई का लक्ष्य

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ का संध्याकालीन एवं प्रातःकालीन अर्घ प्रेम एवं सौहाद्र के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महापर्व छठ के बाद सभी गंगा घाटों की विशेष अभियान के तहत सफाई की जा रही है। पटना नगर निगम की टीम द्वारा विशेष सफाई कर घाटों का सौदर्यीकरण किया जा रहा है। सभी घाटों पर सफाईकर्मियों द्वारा कार्य शुरू किया गया है। पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर कार्य को सुनिश्चित कराया जा रहा है।

कच्चे घाटों से हटाया जा रहा बैरिकेडिंग, पक्के घाट पर मशीन से विशेष सफाई :

पटना नगर निगम द्वारा दीघा पाटीपुल, 93 नंबर घाट एवं बांस घाट आदि से बैरिकेडिंग को हटाकर स्थल को समतल एवं कचरामुक्त बनाया जा रहा है। इसके साथ ही जीरो वेस्ट घाट के तहत सेग्रीगेशन एवं निष्पादन भी किया जा रहा है। वहीं काली घाट, गांधी धाट, लॉ कॉलेज सहित पक्के घाटों की सीढ़ियों एवं पाथवे की विशेष सफाई की जा रही है। बता दें कि सूखे एवं गीले कचरे को अलग से कलेक्ट किया जा रहा है। जिनका अलग अलग निष्पादन किया जाएगा। गंगा घाटों पर सफाई पूजा के उपरांत से ही शुरू की गई है। दोपहर तक सभी घाटों को स्वच्छ बनाने का निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिया गया है। पदाधिकारी भी घाटों पर निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था को पूर्ण करवाना सुनिश्चित कर रहे हैं।

आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने भी किया महापर्व छठ

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। बिहार में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। इस महापर्व में आम से लेकर खास लोग सूर्योपासना में जुटे रहे। इस पर्व में अधिकारियों ने जहां प्रदेश की विधि व्यवस्था की कमान संभाली वहीं छठी मैया की आराधना भी की। बिहार की राजधानी पटना से लेकर जिलों तक में छठ को लेकर उत्साह का माहौल दिखा। महापर्व के दौरान बिहार के अलग-अलग हिस्सों से कई अनोखी तस्वीरें देखने को मिली। व्रतियों ने चार दिनों के इस अनुष्ठान रखने के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत किया। प्रदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भी सूर्योपासना का व्रत कर पूजा अर्चना की और प्रसाद का वितरण किया। पूर्वी चंपारण जिला जिले के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के आवास पर भी इस कार्तिक छठ पर्व की छटा दिखी। यहां खुद पुलिस अधीक्षक ने 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा। उनकी पत्नी आईएएस प्रतिभा रानी ने भी बढ़ -चढ़कर पति की सूर्य की आराधना में सहभागिता निभाई। प्रतिभा रानी फिलहाल बिहार एड्स नियंत्रण सोसायटी की परियोजना निदेशक, मिशन निदेशक, जल-जीवन हरियाली, ग्रामीण विकास विभाग में पदस्थापित हैं। एसपी स्वर्ण प्रभात की बहन पुष्पांजलि कुमारी, दीपांजलि कुमारी, विजय वर्मा, पिता और माता ने भी छठ पूजा का अनुष्ठान किया। छठ पूजा के बाद उन्होंने प्रसाद का भी वितरण किया। जीवन मे पहली बार महापर्व छठ करने वाले पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात कहते हैं कि यह पर्व सही में एक अनुष्ठान है, जिसमे भक्ति के अलावा कई संदेश छिपे हुए हैं। उन्होंने कहा, इस अनोखे पर्व में पर्यावरण संतुलन का संदेश है तो नदियों, जलाशयों को बचाए रखने और उन्हें निर्मल रखने का उदाहरण है। स्वच्छता और शुद्धता तो इस महापर्व के मूल में हैं। सबसे बड़ी बात है कि इसमें कोई बड़ा और छोटा नहीं होता, सभी व्रती एकसाथ खड़े होकर भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इधर, पटना के गंगा नदी के घाट पर आइएएस नवीन सिंह ने अर्घ्य दिया। गोपालगंज के जिलाधिकारी प्रशांत कुमार, पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित और उप विकास आयुक्त कुमार निशांत विवेक ने हजियापुर कैथवलिया छठ घाट पर पहुंचकर उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। अधिकारियों ने अर्घ्य देकर प्रसाद भी ग्रहण किया। भागलपुर में जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी, एसएसपी आनंद कुमार ने भी महापर्व छठ पूजा का अनुष्ठान किया और शुक्रवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।

राजद के शासनकाल में बिहार ने पलायन का दंश देखा : दिलीप

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल बेलागंज पहुंचे और एनडीए कार्यालय में एनडीए के कार्यकताओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने उप चुनाव की तैयारियों पर गहन चर्चा की। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कार्यकर्ता एनडीए की सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एनडीए के घटक दलों के सभी कार्यकर्ता पूरी एकता के साथ एनडीए की जीत को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन परिश्रम कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि कार्यकताओं की मेहनत रंग लाएगी। भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता का परिणाम है कि इस उप चुनाव में जनविश्वास एनडीए के ही साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि कहा कि राजद की सरकार में बिहार ने पलायन का दंश देखा है। व्यापारी बिहार छोड़ने के लिए मजबूर थे। आज बहन, बेटियों के सम्मान से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज आम आदमी कभी भी राजद सरकार की पुनर्वापसी नहीं चाहता। भाजपा के अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि यहां का युवा खेलता है, जो मेडल लाते हैं अब उन्हें नौकरी मिलती है। खिलाड़ियों के लिए नई पॉलिसी बनाई गई है। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल चाकन्द बाजार में रोड शो किया तथा व्यवसायियों से मुलाकात कर एनडीए प्रत्याशी के लिए समर्थन माँगा। उन्होंने इस क्रम में वैश्य समाज के प्रतिनिधिगण एवं लोगों से भी मुलाकात की और एनडीए प्रत्याशी मनोरमा देवी को अपना आशीर्वाद और समर्थन देकर विजयी बनाने हेतु आग्रह किया। इसके उपरांत बेलागंज बाजार में व्यवसायी भाइयों से भी एनडीए के पक्ष में मतदान करके बेलागंज के उत्थान और जनकल्याण को समर्थन प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेलागंज में एनडीए की जीत होगी और विकास को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बेलागंज बाजार में रोड शो कर व्यवसायी भाइयों एवं मतदाताओं से एनडीए को अपना बहुमूल्य समर्थन प्रदान करने के लिए आग्रह किया।

सभी चार सीटों पर होगी इंडिया गठबंधन की जीत : दीपंकर

11 नवंबर को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव व वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ करेंगे संयुक्त सभा

● 9-10 नवंबर को तरारी में होगा का. दीपंकर की चुनावी सभा

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। भाकपा-माले महासचिव कॉ दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा है कि बिहार में हो रहे उपचुनाव में सभी 4 सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी। 9-10 नवंबर को वे तरारी में, जहां से इंडिया गठबंधन के तहत भाकपा-माले के राजू यादव प्रत्याशी हैं, चुनाव प्रचार करेंगे। 11 नवंबर को नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव और वीआईपी प्रमुख श्री मुकेश सहनी के साथ वे तरारी सहित अन्य विधानसभा सीटों पर संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार में शामिल रहेंगे। कॉ दीपंकर ने कहा कि झारखंड में भाजपा पलायन, रोजगार, औद्योगिक विकास जैसे बुनियादी सवालों पर चर्चा करने की बजाए अपने नफरती बयानबाजी के जरिए अविश्वसाव का माहौल बनाना चाहती है। बांग्लादेश से हो रहे तथाकथित घुसपैठ को मुद्दा बनाकर वह बांग्लाभाषियों और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैला रही है। दरअसल, झारखंड को वह अडानी-अंबानी के कॉरपोरेट लूट का क्षेत्र बना देना चाहती है। इसलिए बांग्लादेशी घुसपैठ का हौव्वा खड़ा किया जा रहा है। लेकिन हमें झारखंड की जनता पर उम्मीद है कि वे झांसे में नहीं आएंगे और स्थानीयता, विकास व रोजगार के सवाल पर इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की 81 में 78 सीटों पर हमारे बीच पूर्ण तालमेल है। पूर्ण तालमेल के तहत माले तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है लेकिन राज धनवार में यह एकता नहीं हो सकी है जबकि 2014 में इस सीट पर माले ने जीत हासिल की थी और 2019 में कुछ मतों के अंतर से तीसरे स्थान पर रही थी। राजधनवार की सीट पर जेएएमएम द्वारा उम्मीदवार को खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है फिर भी राज्य में इंडिया गठबंधन एकताबद्ध होकर चुनाव के मैदान में है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भाकपा-माले को सीपीएम और अन्य वाम दलों का समर्थन मिला है। पश्चिम बंगाल में 6 सीटों पर हो रहे उपचुनाव में नैहाटी सीट पर भाकपा-माले प्रत्याशी को वामपंथी दलों का समर्थन है। हम उम्मीद करते हैं कि इससे पश्चिम बंगाल में वामपंथी एकता को एक नई ताकत मिलेगी। अमेरिका में ट्रम्प की जीत वहां के आर्थिक संकट का परिणाम है। उनकी जीत से गाजा सहित पूरी दुनिया में शांति व न्याय की उम्मीद रखने वाली ताकतों को धक्का लगा है। गाजा के सवाल पर जो बाइडन की नीति ने भी निराशा ही पैदा किया था। ट्रम्प का मुख्य प्रचार फोकस संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध आप्रवासन को लेकर रहा है। तकरीबन एक करोड़ लोगों को अवैध बताकर देश से बाहर कर देने का उनका लक्ष्य है। भारत में मोदी सरकार भी यही काम कर रही है। इससे अमेरिका में जो माहौल बनेगा वह अश्वेतों और भारतीयों के भी खिलाफ भी जाएगा। इससे नस्लवाद और हिंसा को बढ़ावा मिलेगा। यह बेहद दुखद होगा। संवाददाता सम्मलेन में पोलित ब्यूरो सदस्य अमर और राज्य कमिटी सदस्य उमेश सिंह भी उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन सरकार ने झारखंड को लूटा : सम्राट

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना । उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने झारखंड सरकार पर जमकर हमला बोला है। कहा कि लालू प्रसाद से भ्रष्टाचार का गुरुमंत्र लेने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पांच साल में झारखंड को खोखला कर दिया, विकास ठप पड़ गया और घुसपैठियों ने स्थानीय नागरिकों का जीवन मुश्किल बना दिया। उन्होंने कहा कि बिहार के चर्चित चारा घोटाला में जब लालू प्रसाद को सजा हुई, तब हेमंत सोरेन ने उन्हें जेल की कठिन सजा से बचाने के लिए मेडिकल ग्राउंड पर एक अधिकारी के बंगले में रखा और यही उनकी गुरुदक्षिणा थी। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि पूरे झारखंड में एनडीए की लहर है। राज्य की जनता बदलाव के लिए उत्सुक है, इसलिए इस विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत हासिल कर मजबूत सरकार बनाएगा। श्री चौधरी ने चतरा और पलामू में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में आयोजित चुनाव सभाओं में कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद ने मिलकर झारखंड को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने पलामू जिले में हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के हरिहरगंज में एनडीए प्रत्याशी कमलेश कुमार सिंह और चतरा जिले में सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के गिद्धौर में उज्जवल दास के समर्थन में सभाएं कीं।

लोक आस्था के महापर्व छठ के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने आवास पर अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मइया से देश एवं प्रदेशवासियों के लिए सुख और समृद्धि की कामना की।

छठ महापर्व के अवसर पर सूर्य भगवान को संध्या अर्घ्य देते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय।

संगत-पंगत जन जागरण रथयात्रा का चौथा चरण आज से

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय संगत-पंगत जन जागरण रथयात्रा शनिवार को पटना साहिब के आदि चित्रगुप्त मंदिर, चित्रगुप्त घाट से दोपहर 2 बजे प्रस्थान करेगी। यह आयोजन रथयात्रा के चौथे चरण के अंतर्गत किया जा रहा है। यह जानकारी संगत-पंगत के संस्थापक अध्यक्ष, पूर्व सांसद डॉ आर के सिन्हा ने यहाँ आयोजित प्रेसवार्ता में दी। डॉ सिन्हा ने बताया कि इस यात्रा का पहला पड़ाव स्व डॉ सच्चिदानंद सिन्हा द्वारा स्थापित सिन्हा लाइब्रेरी में स्थित डॉ सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा। तत्पश्चात दूसरा पड़ाव बांस घाट स्थित देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और तीसरा पड़ाव कदम कुआं स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगा। इसके बाद यात्रा कोइलवर होते हुए चाँदी सिन्हा का पैतृक गाँव है। मुरार से रथयात्रा सिगरौल लख जाएगी, जहाँ लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जन्म हुआ था। वहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद रथयात्रा बक्सर पहुंचेगी। वहीं रात्रि विश्राम होगा। डॉ सिन्हा ने बताया कि अगले दिन 11 नवंबर को रथयात्रा इटाढ़ी प्रखण्ड के उनवास गाँव जाएगी, जो हिंदी साहित्य के शीर्ष संपादक और लब्धप्रतिष्ठित आचार्य शिवपूजन सहाय का पैतृक गाँव है। वहां श्रद्धांजलि सभा के बाद रथयात्रा पटना प्रस्थान कर जाएगी। डॉ सिन्हा ने कहा कि 2015 में राष्ट्रीय संगत-पंगत की स्थापना सामाजिक समरसता और जरूरतमंदों की सेवा के लिए की गई थी। संस्था के सहयोगियों की सलाह पर हम रथयात्रा लेकर देश की विभूतियों के घर जाएंगे साथ ही लोगों की समस्या सुनकर सरकार से समाधान कराने का प्रयास करेंगे। संगत-पंगत रथयात्रा के तहत हमने पिछले तीन चरणों में लालबहादुर शास्त्री के पैतृक गाँव प्रेमनगर (मुगलसराय) और मुंशी प्रेमचंद के गाँव लमही की यात्रा की है। इसके अलावा लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्मदिवस पर 11 अक्टूबर को दिल्ली स्थित जयप्रकाश उद्यान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। हम आगे भी अपनी रथयात्रा जारी रखेंगे।

नोटबंदी से नहीं रूका भ्रष्टाचार माफी मांगे भाजपा: तेजस्वी

बोले-झारखंड में बनेगी महागठबंधन की सरकार

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नोटबंदी को लेकर केन्द्र सरकार पर तंज कसा है। तेजस्वी ने कहा है कि आज एक खास दिन है, यह वह दिन है, जिसने देश के 140 करोड़ लोगों को सड़क पर लाइन लगने के लिए मजबूर कर दिया था। जिसमें कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। कुछ इस अंदाज में तेजस्वी यादव ने आठ साल पहले हुए नोटबंदी को याद किया। उन्होंने नोटबंदी को हादसा बताते हुए कहा कि आज इसकी बरसी मनाई जा रही है। बेलागंज में चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे तेजस्वी यादव ने कहा कि नोटबंदी को जब लागू किया गया तो प्रधानमंत्री ने कहा था कि इससे काला धन वापस आएगा। लेकिन कितना काला धन आया, यह सभी को पता है। वहीं काला धने से भाजपा ने हर जिले में अपना फाइव स्टार कार्यालय जरुर बना लिया। उन्होंने कहा उस समय के भाजपा के लोगों ने कहा था इससे भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। लेकिन भ्रष्टाचार खत्म हुआ क्या। आज भ्रष्टाचार चरम पर है। इसलिए भाजपा के लोगों को माफी मांगनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने बिहार में चार विस सीटों पर होनेवाले उपचुनाव में राजद की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा झारखंड में भी हमलोग अपनी सरकार बनाएंगे। धारा 370 को लेकर गिरिराज सिंह के बयान को तेजस्वी ने बकवास करार दिया। उन्होंने कहा कि वह बोलने के सिवा कुछ नहीं कर सकते हैं। बिहार को टेक्सटाइल पार्क दिलाने को कहा था। पहले बिहार को टेक्सटाइल पार्क दिलाएं, फिर बात करें। वहीं नड्डा के बिहार दौरे के लेकर उन्होंने कहा वह सिर्फ यहां जायजा लेने के लिए आए हैं। साथ ही यह भी देखने भी आए हैं कि नीतीश जी के साथ सबकुछ ठीक है या नहीं। महाराष्ट्र में योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिए गए बयान पर कहा कि छोड़िए नफरत फैलाना इन लोगों का काम है, लेकिन इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है बिहार ही नहीं भारत की जनता जान चुकी है। उन्होंने कहा कि अयोध्या का रिजल्ट क्या हुआ और जो लोग नफरत फैलाएंगे, उन्हें भगवान तो सजा देगा देश की जनता भी सजा देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या में भगवान राम का आशीर्वाद किसे मिला इंडिया गठबंधन को मिला।

एमआईजी पार्क में संपन्न हुआ महापर्व छठ

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

पटना में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में गंगा घाट के अतिरिक्त अनेकों मोहल्लों में बने पार्क में लोगों ने दोनो समय छठी मैया को अर्घ्य चढ़ाया। कंकड़बाग स्थित 100 एमआईजी पार्क में वन विभाग एवं नगर निगम द्वारा पूरी व्यवस्था की गई थी। वन विभाग द्वारा पार्क में बने टाइल्स लगे सुंदर छठ घाट को पूरी साफ सफाई कर के स्वच्छ पानी भरा गया तथा इसमें गंगा का जल भी मिलाया गया। नगर निगम द्वारा अर्घ्य देने वाली महिलाओं के वस्त्र बदलने के लिए अच्छा चेंजिंग रूम बनाया गया। यहां पर सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने अर्घ्य देने के बाद अपने कपड़े बदलें। समाज सेवी डॉ गीता जैन ने प्रातःकाल में सभी के लिए चाय की व्यवस्था कराई। सैकड़ों लोगों ने अर्घ्य देने के बाद प्रातः कालीन चाय का आनंद लिया।

पटना। लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार कोकिला व प्रसिद्ध लोकगायिका श्रद्धेय शारदा सिन्हा के निधन उपरान्त पटना स्थित उनके निवास पर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

संक्षिप्त खबरें

मनाया गया पांचवा शहादत दिवस

कल्याणपुर, समस्तीपुर। 7 नवंबर को ग्राम भगवतपुर में स्वर्गीय श्याम लाल राय के पांचवा शहादत दिवस मनाया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भागीदारी की एवं उसके स्मारक पर फूल माला चढ़ाकर के श्रद्धांजलि दिए। जिसमें पैक्स अध्यक्ष भोला राय, रामलाल राय, राघवेंद्र यादव, महेश यादव, राजीव श्रीवास्तव, अर्जुन राय, मुकतापुर मनोज राय, निरंजन अमीन, राजा पासवान, मुकेश पासवान, राजू सहनी, अनिल सहनी, राजेश पासवान, पवन कुमार महतो, संतोष राय राय इत्यादि सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भागीदारी लिया।

मारपीट की घटनाओं में पांच लोग हुए जख्मी

कल्याणपुर, समस्तीपुर। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगहों पर जमीनी विवाद के मामले को लेकर दो पक्षों के बीच हुई। मारपीट की घटना में पांच लोग जख्मी हो गए। जख्मी लोगों को ईलाज के लिए परिजन की मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी लोगों के हालात में सुधार होने की बात प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीके ठाकुर ने बताई। जख्मी लोगों में जर्नादनपुर के गोविंद कुमार, पुरुषोत्तमपुर के कपल राय एवं परतापुर के लाडली खातून सहित अन्य जगहों के कुल पांच लोग शामिल है। वहीं पुलिस ने बताया कि जख्मी लोगों के द्वारा आवेदन देने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिंदू धर्म संस्कृति से नेता प्रतिपक्ष का कोई वास्ता नहीं : प्रभाकर

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को को हिंदू धर्म- संस्कृति से कोई लगाव नहीं है। लोकआस्था का महापर्व छठ के पावन मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री माननीय जेपी नड्डा का बिहार आगमन तेजस्वी यादव को मौज-मस्ती दिख रहा है, तो यह उनकी मानसिक गड़बड़ी और छठ महापर्व के प्रति उनकी अनादर की भावना को दिखाता है। श्री मिश्र ने कहा कि ये नवरात्र में फिश पार्टी करनेवाले लोग हैं। इन्हें हिंदू धर्म की पारंपरिक मान्यताओं का कोई ज्ञान नहीं है। श्री मिश्र ने कहा कि असल में तेजस्वी भाजपा फोबिया से ग्रसित हैं। श्री मिश्र ने कहा कि भाजपा नेताओं को देखकर तेजस्वी अनर्गल बयानबाजी करने लगते हैं। बिहार के विशेष दर्जा की मांग तेजस्वी का सिर्फ ढकोसला है। न तो कभी लालू ने बिहार के विकास की परवाह की और न ही तेजस्वी ने। लालू-राबड़ी का शासनकाल बिहार के लिए पिछड़ेपन का काल था।

हर्षोल्लास आस्था पूर्वक छठ पूजन महोत्सव मनाया गया, दर्शन व अर्घ्य देने आस्था का उमड़ा जनसैलाब

छठ घाटो की सजावट और सूर्य देव की प्रतिमा बना आकर्षण का केंद्र

प्रात :किरणसंवाददाता

मधुबनी जयनगर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो के कमला नदी और आसपास के अन्य नदियो और सरोवरो एवं तालाबो नहर के सजे घाटो पर और कई छठ व्रतियो के द्वारा घर पर भी चार दिवसीय लोक आस्था का पवित्र महापर्व छठ पूजन महोत्सव हर्षोल्लास भक्ति भाव विधिवत पूजा अर्चना कर श्रद्धापूर्वक आस्था के साथ मनाया । छठ पूजनोत्सव मनाने और देखने को लेकर छठ घाटो पर श्रद्धालुओ की काफी भीड़ देखने को मिली अर्ध्य देने और छठ पूजा देखने को लेकर आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। नहाए खाए से शुरू हुए आस्था के महापर्व छठ पूजा के संध्या कालीन अर्ध्य देने के पश्चात चौथे दिन प छठ व्रतियो और श्रद्धालुओ के द्वारा के छठ मैया मा कमला और भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया। छठ घाटों पर छठ व्रती महिलाओ समेत कई पुरुषो ने भी छठ व्रत रखकर और परिवार के सदस्यो और परिजनो के साथ और श्रद्धालुभक्त जनो के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर सूर्य देव को अर्घ्य दिया और छठ व्रतियो के द्वारा छठ पूजा का कथा का श्रवण किया। छठ व्रतियो श्रद्धालु भक्तजनो के द्वारा पूजा अर्चना कर भगवान भास्कर से सुख समृद्धि और विपदा से बचाव विश्व मे शांति घर परिवार में सुख समृद्धि शांति संतान पुत्र प्राप्ति और बेहतर स्वास्थ्य के साथ सभी की शुभमंगल की कामना की प्रर्थना कर आशीर्वाद मांगा ।वही कमला नदी समेत अन्य नदियो के परीसर और सरोवरो को लोक आस्था का महापर्व को लेकर छठ घाटो पर और परिसर में पंडाल निर्माण कर सजाया गया था। जो कि आकर्षण का केंद्र बना रहा। कमला नदी के पर्ण कुटी मन्दिर के समीप छठ पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा पंडाल निर्माण भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर पंडित एवं सदस्यो के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना आरती की गई। छठ घाटों की सजावट और भगवान भास्कर की प्रतिमा आकर्षण का केंद बना रहा छठ पूज नोत्सव देखने और भगवान भास्कर के दर्शन को लेकर लोगो की काफी भीड़ उमड़ी रही। मन्नत पुरु होने पर बैंड बाजे के साथ कई छठ व्रती छठ घाटों पर पहुची आँचल पर नटुआ का नाच श्रद्धलुओ के द्वारा कराया गया। मन्नत पूरी होने पर कई महिला पुरूष छठ व्रत रखकर दण्ड प्रणाम करते हुए छठ घाटों पर पहुच कर विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान भास्कर को अर्ध्य दिया। वही छठ घाटो पर अधिकारियो और पुलिस पदाधिकारी प्रशासन की टीम के द्वारा छठ घाटो पर गस्त लगा रहे थे। कमला नदी के समीप अग्निशमन और एम्बुलेंस के साथ कर्मी पुलिस बल मौजूद थे। सीसीटीवी टीवी और ड्रोन व वाच टावर से निगरानी की जा रही थी। छठ घाटों पर लोगो ने जमकर आतिशबाजी किया। छठ व्रतियो के द्वारा छठ घाटो पर प्रसाद कभी वितरण किया गया। प्रसाद और आशीर्वाद लेने को लेकर श्रद्धालुओ की काफी भीड़ रही। प्रशासन व जनप्रतिनिधियो के द्वारा छठ घाटो का निरीक्षण कर जायजा लेते देखे गये। छठ घाट आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

चार दिवसीय सूर्य उपासना का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न

कल्याणपुर, प्रात : किरण संवाददाता

प्रखंड क्षेत्र में चार दिवसीय सूर्य उपासना पर्व छठ का समापन शुक्रवार की सवेरे घाटों पर उदय मान सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न किया। प्रखंड क्षेत्र में अधिकतर छठ व्रत दरवाजे के सामने घाट बनाकर उसे सजा कर किया। प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली बागमती नदी, सीढ़ी घाट तालाबों, बुढ़ी गंडक नदी के किनारे घाटों पर किया गया। वासुदेवपुर निवासी भाजपा नेता उमेश चंद्र प्रसाद कुशवाहा की पत्नी सुदामा सिंन्हा ने पहली बार चार दिवसीय छठ पर्व की। खरसंड पूर्वी में पूर्व मुखिया रविशंकर सिंह, उप प्रमुख दीपक कुमार, सिमरिया भिंडी पंचायत मुखिया सामंत कुमार, नामापुर मुखिया राम विनोद ठाकुर, मिजार्पुर के शशि भूषण ठाकुर, सोरमार मुखिया पूनम देवी, पंचायत समिति सदस्य कल्पना कुमारी, मानवाधिकार के बृजेश मिश्रा, रामबाबू ठाकुर, भोला ठाकुर, पूर्व पंचायत समिति सदस्य संगम कुमार ने अपने-अपने पोषक क्षेत्र के घाटों पर जाकर वत्तियों के साथ सक्रिय सहयोग किया दोनों थाना क्षेत्र की पुलिस पदाधिकारी के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने में सजग थे।

लोक कल्याण के लिए भगवान भास्कर को नगर विधायक ने दिया अर्घ्य

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा। लोक आस्था का पर्व छठ सामाजिक सरोकार का पर्व भी माना जाता है।इस पर्व पर हम सभी लोग लोक कल्याण के लिए भगवान भास्कर की आराधना करते हैं। यह बातें शुक्रवार को अहले सुबह रानी सती स्थान कारक घाट पर भगवान भास्कर को दूध अर्पित करने के उपरांत विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह नगर विधायक संजय सरावगी ने कही। उन्होंने कहा कि शहर, जिला एवं राज्य के कल्याण के लिए भगवान भास्कर से प्रार्थना किया हूं। पूरे शहर व जिला में अमन चैन रहे। लोगों के बीच भाईचारा बना रहे, यही सबसे बड़ी पूंजी हमारे समाज की है। नगर विधायक के साथ उनकी धर्मपत्नी शोभा सरावगी भी उपस्थित थीं।

मनीगाछी(आससे) चार दिवसीय लोक आस्था का महान पर्व छठ उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। 5 नवम्बर को नहाय खाय के साथ शुरू हुई लोक आस्था के महा पर्व को लोगों ने श्रद्धा पूर्वक मनाया। इस दौरान सभी गांवों के विभिन्न छठ घाटों पर गाजेबाजे के साथ छठ व्रती व श्रद्धालु पहुंचे थे। पूरे प्रखंड क्षेत्र में मिथिला के पेरिस कहे जाने वाले नेहरा गांव के रजोखर पोखर पर मनाए गए छठ पर्व काफी मनोरम एवं चर्चित रहा। इस घाट पर क्या हिन्दू, क्या मुस्लिम सब एक समान लग रहे थे। 72 एकड़ भूमि वाले इस पोखर के 49 एकड़ में पानी है। इसके तीन भिन्डा पर बीस हजार जनसंख्या वाले इस गांव के सभी हिन्दू वर्ग के लोग एक साथ छठ पर्व मनाते हैं। साथ ही आस पास गांव के मुस्लिम समाज के लोग भी काफी संख्या में यहां के छठ देखने के लिए आते हैं। लोगों का कहना है कि पटना गंगा घाट के बाद सबसे बढ़ियां दृश्य नेहरा रजोखर पोखर छठ घाट का ही रहता है। जिसका समर्थन करते हुए मौके पर उपस्थित नेहरा थाना के थानाध्यक्ष राज किशोर राय ने बताया कि छठ घाट के साफ सफाई एवं जगमगाते रौशनी के साथ ही तालाब में भगवान भास्कर की प्रतिमा लोगों का मन मोह रहा है। बैंड बाजे के साथ लोग छठ घाट पर आ रहे हैं। महिलाएं अपनी आँचल पर नटुआ नाच नचा रही है। लोगों का कहना है कि इस छठ घाट पर जो कोई भी सच्चे मन से मन्नत मांगते हैं तो उनकी मन्नतें पूरी हो जाती है। इस छठ घाट पर लोग सालों भर अपने बच्चों का मुंडन संस्कार व उपनैन करवाते रहते हैं। लोगों ने घाटों की साफ सफाई एवं लाइट साउंड की व्यवस्था करवाने वाले समाजसेवी शिव नारायण सहनी एवं उनके परिजनों को धन्यवाद दिया।

उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

प्रात :किरणसंवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को उगते सूर्य के अर्घ्य देने के साथ ही शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई चार दिनों का महानुष्ठान छठ महापर्व। क्षेत्र के पटपारा उत्तर घाट,चांद सुरारी, बन्हैती दुर्गा स्थान पोखर, मिश्रौलिया, कोदरिया, राघोपुर, महमदपुर सकड़ा, सरैया, चकविदुलिया, मंदा, मुस्तफापुर, सिंघिया घाट बूढ़ी गंडक नदी,केराई पुल चौक बैंती नदी, पंडूक सेठ पोखर सिंघिया बुजुर्ग,दैता पोखर कल्याणपुर उत्तर, भूईया स्थान पंचायत सरकार भवन पोखर चोरा टभका, बुढ़िया पोखर माधोपुर,खदियाही पोखर, रानी पोखर खास टभका में पदाधिकारियों के द्वारा आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रतिनिधि प्रतिनियुक्त किया गया था। इसके अलावा भात पोखर, शनिचर हाट पोखर, तुलसी झा पोखर,धमूसाह पोखर सहित अन्य तालाबों और निजी खलिहानों में घाट बनाकर छठ व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर सुख, समृद्धि,यश, उन्नति और शांति का कामना किया।

मिथिला विभूति पर्व में तीन दिनों तक बहेगी साहित्य, संगीत व कला की त्रिवेणी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।मिथिला के महान विभूतियों को यथोचित सम्मान प्रदान करते हुए आने वाली पीढ़ी को उनके कृतित्व से रूबरू कराने के उद्देश्य से प्रति वर्ष साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महाकुंभ के रूप में मिथिला विभूति पर्व समारोह का आयोजन मिथिला-मैथिली के उत्कर्ष का जीवंत प्रतीक है। यह बात विद्यापति सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रो शशिनाथ झा ने शुक्रवार को कही। उन्होंने कहा कि 52वें समारोह के दौरान मिथिला की सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उपयुक्त माहौल तैयार करने के साथ ही मिथिला की गौरवशाली धरोहर से नई पीढ़ी को रूबरू कराने पर विशेष जोर रहेगा।महासचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने बताया कि इस बार तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन पूर्व की भांति एमएलएसएम कॉलेज परिसर में किया जायेगा। जबकि इस ऐतिहासिक आयोजन का उद्घाटन करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर, अनेक केन्द्रीय मंत्रियों सहित नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति डॉ रामवरण यादव, पूर्व उप राष्ट्रपति परमानन्द झा, सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए बिहार सरकार के काबीना मंत्री विजय कुमार चौधरी, डॉ अशोक कुमार चौधरी, मदन सहनी, हरि सहनी, नीतीश मिश्रा, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्र, डॉ. राम प्रीत पासवान, ललित कुमार यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मश्री डॉ. सीपी ठाकुर एवं अश्विनी चौबे, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा, लोकसभा सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर, डॉ. अशोक कुमार यादव, राज्य सभा सांसद संजय कुमार झा, डा धर्मशीला गुप्ता, विवेक ठाकुर व फैयाज अहमद, नगर विधायक संजय सरावगी, बेनीपुर विधायक डॉ विनय कुमार चौधरी, केवटी विधायक डॉ मुरारी मोहन झा, बिस्फी के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल, पूर्व विधान पार्षद डॉ. दिलीप कुमार चौधरी, अलीनगर के विधायक डॉ मिश्री लाल यादव आदि ने अपनी सहमति प्रदान किया है 13, 14 एवं 15 नवम्बर को होने वाले तीन दिवसीय मिथिला विभूति पर्व के 52वें वार्षिक समारोह की विधिवत शुरूआत 13 नवम्बर को प्रातः बेला में होगी। उस दिन विद्यापति चौक स्थित महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ होगा। इसके उपरांत मिथिला के पारंपरिक परिधान में शोभायात्रा निकाली जाएगी।स्वागत महासचिव प्रो जीवकांत मिश्र ने बताया कि समारोह के पहले दिन के कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के आधार पर मिथिला विभूति सम्मान के लिए चयनित मिथिलावासी एवं प्रवासी मैथिल को सम्मानित किया जाएगा। जबकि समारोह के दूसरे दिन ह्यमिथिलाक गामह्ण विषयक राष्ट्रीय सेमिनार एवं भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य

प्रात :किरणसंवाददाता

छठ पूजा चार दिवसीय व्रत होता है। इस पूजा में सबसे पहले नहाय खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्द्ध तथा चौथे और अंतिम दिन उदयगामी (उगते सूर्य) को अर्द्ध दिया जाता है। छठ पूजा में प्रत्यक्ष रुप से सूर्य को देखकर पूजा किया जाता है। यह पूजा जाति समुदाय से परे होते हैं और केवल लोक गीत गाय जाते हैं। छठ पर्व में पूजा के लिए पकवान लोग अपने घर पर बनाये जाते हैं। दुनियां कहती है कि जिसका उदय होता है उसका अस्त निश्चित है। लेकिन सूर्य की छठ महापर्व यह संदेश देता है कि जो अस्त (डूबता) होता है, उसका उदय भी निश्चित होता है। छठ पर्व सामाजिक सौहार्द, सद्भाव, शांति, समृद्धि और सादगी के महापर्व है। प्राचीन हिन्दू वैदिक त्योहार विशेष रूप से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड और नेपाल राज्यों के माघई लोगों, मैथिल और भोजपुरी लोगों द्वारा मनाया जाता है। छठ पर्व के तीसरे दिन वृहस्पतिवार को अस्तगामी (डूबते) सूर्य को पहला अर्घ्य व्रतधारी ने दिया। विश्व प्रसिद्ध सूर्य देव की आराधना तथा संतान के सुखी जीवन की कामना के लिए समर्पित छठ पूजा का पहला अर्द्ध सेआज सम्पन्न हो गया। चार दिवसीय छठ पूजा 05 नवम्बर को पहला दिन नहाय-खाय, 06 नवम्बर को दूसरा दिन लोहंडा यानि खरना, 07 नवम्बर को अस्तलगामी (सन्ध्या) अर्घ्य और 08 नवम्बर को चौथा दिन उदयगामी/सूर्योदय (सुबह) अर्घ्य, पारण के साथ सम्पन्न होगा। सभी छठव्रती वृहस्पतिवार 07 नवम्बर को अस्तलगामी अर्घ्य देने से पहले बांस की टोकरी को फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू और पूजा के अन्य सामग्रियो से सजाकर गंगा नदी, तलाब, पोखर इत्यादि जगहों पर जहां अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई है वहाँ पहुंचकर अस्तलगामी अर्घ्य अर्पित किया गया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सायंकाल में सूर्य अपनी पत्न ी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं, इसलिए छठ पूजा में शाम के समय सूर्य की अंतिम किरण प्रत्यूषा को अर्घ्य देकर उनकी उपासना की जाती है। ज्योतिषियों के अनुसार ढलते सूर्य को अर्घ्य देने से कई मुसीबतों से छुटकारा मिलती है और सेहत से जुड़ी भी कई समस्याएं दूर होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के मुताबिक ढलते सूर्य को अर्घ्य देने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। पटना में अधिकांश लोग अपने- अपने घरों में छत पर भगवान भास्कर को अस्तलगामी अर्घ्य अर्पित किया। पटना के अनीसाबाद स्थित मित्रमंडल कॉलोनी की रहने वाली स्मृति राखी ने बताया कि छत पर छठ व्रत करने से बूढ़े बुजुर्ग लोग भी शामिल होते है तो बहुत अच्छा लगता है, इसलिए मैं घर पर ही छठ व्रत करती हूं।

लनामिवि की पुरुष कबड्डी टीम ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर उत्तर प्रदेश द्वारा 6 नवंबर से 9 नवंबर तक पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी (पु०) प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। उक्त प्रतियोगिता में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की पुरुष कबड्डी की टीम ने भाग लेते हुए पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय कबड्डी (पु०) प्रतियोगिता में क्वालीफाइंग राउंड में एडमास विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल को 47-18 से पराजित करते हुए अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। इस शानदार जीत से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है। विश्वविद्यालय खेल पदाधिकारी प्रोफेसर अजय नाथ झा ने सहर्ष बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल चार पुल बनाए गए थे जिसमें ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय की टीम पुल-सी में खेल रही थी। हमारी टीम ने अपने पुल के अन्य विश्वविद्यालयों की टीमों पर दबदबा बनाते हुए अपने शानदार प्रदर्शन के द्वारा अपने पुल के विभिन्न विश्वविद्यालयों - कल्याणी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल, एस० के० एम० विश्वविद्यालय, बस्तर, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया रॉबिंसन विश्वविद्यालय, ओडिशा, गुरु घासी दास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, मैथ्स विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, चित्रकूट, ओ०पी० जिंदल विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, एडमास विश्वविद्यालय,पश्चिम बंगाल की टीमों को पराजित करते हुए 20 नवंबर से 23 नवंबर तक श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला यूनिवर्सिटी, झुंझुनुन, राजस्थान में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। प्रो झा ने आगे बताया कि कल हमारी कबड्डी टीम अन्य पुल के विजेता टीमों के साथ लीग मैच खेलेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारी टीम ने अपने कठिन परिश्रम और संकल्प शक्ति से कबड्डी खेल में प्रोन्नति की है और सबसे अहम बात कि हमारी टीम खेल भावना से ओत- प्रोत है। मैं सभी विजेता खिलाड़ियों प्रशिक्षक,सहायक प्रशिक्षक और टोली प्रबंधक को उनके शानदार जीत और अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने हेतु बधाईयाँ और आने वाली प्रतियोगिता रूपी चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं वित्त पदाधिकारी ने भी सभी खिलाड़ियों को पूर्वी अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में जीत तथा अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने के लिए बधाइयां और शुभकामनाएं प्रेषित की।

मिथिला का पारंपरिक त्योहार भाई बहन का अनोखा पर्व सामा चकेवा शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर चार दिनों का महानुष्ठान आस्था का महापर्व छठ व्रत के समापन होते ही मिथिला की पारंपरिक त्योहार भाई-बहन का अनोखा पर्व सामा चकेवा शुक्रवार को शुरू हो गई।विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के कल्याणपुर, सिंघिया घाट,नरहन आदि बाजार सहित विभिन्न चौक रंग बिरंगी सामा चकेवा से सजी हुई है।सुबह से ही सामा चकेवा की खरीदारी के लिए बाजार में भीड़ लगी रही। खास करके महिलाएं और बच्चियां सामा चकेवा की खरीदारी कर रही थी।सामा चकेवा एक ऐसा पर्व है जो बिहार के मिथिलांचल में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। मिथिलांचल की इसे सांस्कृतिक पर्व भी कहते हैं।इस पर्व को भाई-बहन के प्यार के तौर पर भी मनाया जाता है।8 दिनों तक चलने वाले इस पर्व में बहन अपने भाई के लिए मंगल कामना करती है। मिथिला की पारंपरिक गीत सामा खेलअ गेलिये हो भईया चकेवा लअगेलअ चोर--।सामचक सामचक अयिहअ है,जोतला खेत में बैठिहिअ है-- सहित जट जटिन व झिझिया सहित अन्य गीतों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठता है। सामा चकेवा के अलावा सतभैया, चुगला, बृंदावन नामक कई प्रकार के छोटी छोटी मूर्तियां बनती है।पारंपरिक लोकगीत से जुड़ा सामा चकेवा का यह पर्व सभी समुदायों के बीच व्याप्त जड़ बाधाओं को तोड़ता है।आठ दिनों के बाद पुर्णिमा को सामा चकेवा की मूर्ति को बेटी की विदाई के तरह सजाया जाता है।डोली में बैठाकर भैया अपने कंधे पर उठाकर तालाब में ले जाकर विसर्जन करते है।

दरभंगा एम्स के शिलान्यास में होगी कार्यकर्ताओं की ऐतिहासिक भागीदारी : सांसद

प्रात :किरणसंवाददाता

दरभंगा। एम्स शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफलता को लेकर गौरबौराम विधानसभा के एनडीए कार्यकर्ताओं की बिरोल प्रखंड के परीं गांव स्थित सती स्थान में भाजपा संयोजक मणिकांत मिश्रा की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें इस विधानसभा क्षेत्र के हर पंचायत के हर बूथ से सौ लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में पार्टी सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि एम्स का निर्माण मिथिला क्षेत्र के विकास के नव निर्माण का नींव रखेगा। बिहार के दूसरा एम्स दरभंगा में देने के लिए साढ़े आठ करोड़ मिथिलावासी पीएम श्री नरेन्द्र मोदी का सदैव आभारी रहेंगे। 13 नवंबर को पीएम मोदी के द्वारा एम्स शिलान्यास कार्यक्रम की सफलता देश स्तर पर गूंजेगी।सांसद डा ठाकुर ने इस शिलान्यास कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि मिथिला के लिए इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा जब देश के पीएम यहां के नव निर्माण की नींव रखने के लिए आ रहे। बैठक में चर्चित समाजसेवी सह भाजपा नेता डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू,विधानसभा प्रभारी विनय पासवान, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, भाजपा नेता सुजीत कुमार सिंह, जदयू के बिरोल के प्रखंड अध्यक्ष कामरान खां, सुरेश गुप्ता, लोजपा के प्रभाकर ठाकुर, संजय पासवान, प्रदीप गुप्ता, गौरीशंकर पासवान, मनोज सहनी, भगवान ठाकुर, ब्रजनंदन सहनी, राजकुमार राय आदि मौजूद थे।

मानपुर कैलाश छठ घाट समिति के सम्मान समारोह का आयोजन, सहयोगकर्ताओं को किया सम्मनित

प्रात :किरणसंवाददाता

अलीगंज, चार दिनों तक चलने वाला लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा श्रद्धा के साथ सम्पन्न,होने के बाद शुक्रवार को देर सुबह श्री श्री सूर्यनारायण पूजा समिति मानपुर कैलाश धाम परिसर मे पूजा समिति के द्वारा सम्मान समरोह का आयोजन किया गया, छठ घाट पर छठ पूजा समिति द्वारा हर वर्ष बहुत बड़ी पंडाल एवं आकर्षक सजावट एवं पूरी व्यवस्था के साथ छठ पर्व पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर भगवान सूर्यनारायण की उपासना की,जाती है भारी संख्या में भगवान भास्कर की दर्शन करने को उमड़े श्रद्धालु, मानपुर कैलाश धाम में आकर्षक सजावट,एवं पूरी व्यवस्था मे सहयोग एवं उसमे जो भी बढ़ चढ़ कर सहोग राशि प्रदान करते है,उन्हें श्री श्री 108 सूर्यनारायण पूजा समिति कैलाश धाम मानपुर की ओर से मुख्य अतिथि,बुद्धिजीवी एवं प्रतिनिधियों के हाथो सम्मानित किया गया,वहीं मुख्य अतिथि के जज साहब ओमकार कुशवाहा,जदयू जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र महतो उपस्थित हुऐ,वहीं सबसे पहले पूजा समिति की ओर से मुख्य अतिथि शैलेन्द्र महतो को पूजा समिति अध्यक्ष वाई पी सुमन,ने मोमेंटो एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया, वहीं उपस्थित अतिथियों ने बढ़ चढ़ कर सहयोग करने वाले लोगो को मोमेंटो एवं भगवान भास्कर की कैलेंडर,मिठाई एवं चुन्नी पट्टे देकर समानित किया,वहीं सम्मानित करते हुए जदयू नेता शैलेन्द्र महतो ने कहा की छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं और समाज के प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित करते हुए कहा कि छठ पर्व बिहार की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह पर्व न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता को भी मजबूत करता है।उनके अनुसार, जदयू पार्टी की ओर से सभी उपस्थि लोगो को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनायें दी,वहीं जज साहब ओमकार कुशवाहा ने कहा कि छठ पूजा एक बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है इस माध्यम से समाज में स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिकता की भावना का विकास होता है, जो कि समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छठ पूजा मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना एक धार्मिक एवं समाज को बढ़ावा देने मे मदद मिलती है,पूजा समिति अध्यक्ष वाईपी सुमन से बताया की हमारे प्रखंड एवं पंचायत क्षेत्र के लोगो के सहयोग से ही हर साल छठपूजा महोत्सव आकर्षक होती है, बिना सहयोग से कुछ भी संभव नही है,मानपुर कैलाश धाम पूजा समिति अपलोगो का आभार प्रकट करती है।

संक्षिप्त खबरें

छठ महापर्व के पावन अवसर पर भगवान भास्कर को दिया अर्घ्य

पटनाः छठ महापर्व के पावन अवसर पर भगवान भास्कर को अर्घ्य देते प्रसिद्ध (आयुवेर्दाचार्य, समाजसेवी एवं लंगर टोली स्थित दूबे क्लिनिक के निदेशक डा॰ सुनील कुमार दूबे, उनकी पत्नी समाजसेविका उषा दूबे एवं पुत्रा डा॰ साजन दूबे।इस अवसर पर पूजा दूबे, अमर प्रकाश तिवारी, शालू सुनील दूबे, अलायना तिवारी, सागर दूबे, राज दूबे, साहिल दूबे, भोला झा, अंजनी देवी, रिंकी दूबे,काजू सिंह,अंजन,रोहित,लाल बाबू पासवान,संजीव कुमार समेत परिवार के अन्य सदस्य एवं यीष्ट मित्रा मौजूद थे ।

धूमधाम से संपन्न हुआ प्रखंड क्षेत्र में छठ महापर्व नारंगजो घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] आस्था और लोक संस्कृति के महापर्व छठ का समापन झाझा के गणेशी मंदिर घाट , सोहजाना घाट , पुरानी बाजार घाट , चरघरा सहित नारंगजो घाट पर पूरे भक्तिभाव और धूमधाम के साथ हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुवार की शाम और शुक्रवार की सुबह , डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नारंगजो घाट का नजारा इस अवसर पर अद्वितीय था, जहां दीपों की रौशनी और परंपरागत लोकगीतों की गूंज ने पूरे वातावरण को भक्तिमय कर दिया था। गुरुवार को संध्या अर्घ्य के समय नारंगजो घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था। रंग-बिरंगे दीपों और पारंपरिक सजावट के बीच श्रद्धालुओं ने पारंपरिक परिधान में सज-धजकर विधिपूर्वक पूजा अर्चना की। ह्लछठ मइया की जयह्ल और ह्लसूर्य देव की जयह्ल के जयघोष से गूंजते इस घाट पर श्रद्धा और भक्ति का अनोखा दृश्य देखने को मिला। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए थे, जिससे किसी को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। हजारों व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। इस दौरान घाट पर उमड़े श्रद्धालुओं की भीड़ और उनके भक्ति-भाव ने माहौल को अत्यंत भावपूर्ण बना दिया। स्थानीय प्रशासन द्वारा साफ-सफाई, सुरक्षा, और यातायात नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को पूरी सुविधा मिल सकी। नरगंजो में छठ महापर्व एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक अवसर है, जो हर वर्ष क्षेत्रवासियों में नए जोश और उत्साह का संचार करता है। इस वर्ष भी यह पर्व भव्यता के साथ संपन्न हुआ, जो आस्था और परंपरा और आपसी सौहार्द की एक सुंदर मिसाल पेश करता है।

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा श्रद्धा के साथ सम्पन्न, छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई ई०अलीगंजः- लोक आस्था व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा नहाय खाय के साथ शुरू हुए इस छठ पर्व पर छठ मैया की आराधना को ले अलीगंज प्रखंड क्षेत्र के श्रद्धालुओं द्वारा छठ घाटों पर सूर्य को अर्ध देते हुए भगवान भास्कर से प्राथना कर सुख समृद्धि की कामना की, देशभर में छठ महापर्व धूम धाम एवं आस्था के साथ मना . चार दिनो तक चलने वाला त्योहार गुरुवार की संध्या अस्तचलगामी सूर्य को पहली अर्ध्य एवं आखिरी दिन शुक्रवार की सुबह महिलाओं ने उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया. सूर्य को अर्घ्य देने के साथ के साथ ही इस महापर्व का समापन हो गया। बताते चले की छठ पूजा में सूर्य भगवान और माता छठी की पूजा की जाती है. छठ पर्व में महिलाएं 36 घंटे का व्रत रखती हैं. इस पर्व को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है. छठ का पर्व साल में दो बार आता है. चार दिवसीय छठ पूजा की शुरूआत नहाय खाय के साथ हुई थी. छठ का ये पर्व संतान की सुख समृद्धि, अच्छे सौभाग्य और सुखी जीवन के लिए रखा जाता है. साथ ही यह व्रत पति की लंबी उम्र की कामना के लिए भी रखा जाता है.इस आस्था को लेकर अलीगंज पंचायत मानपुर कैलाश छठ घाट पे गुरुवार को संध्या पहली अर्ध देने छतवर्ती अपने माथे पर डालियां लेकर घाट पहुंचे वहा सभी प्रवैती डूबते हुए भगवान भास्कर सूर्य को नमन करते हुए संध्या वापस अपने घर को वापस हुए फिर सुबह 3 बजे से ही छठ वर्ती दूसरा अरग देने के बड़ी संख्या में कैलाश धाम मानपुर में उपस्थित हुए, वही पूजा के अवसर पर हर साल मेले का आयोजन होता है,पूजा समिति एवं लोगो के सहोग से चाय,पानी पीने की स्टॉल लगाया जाता है । पूजा समिति के सदस्यों ने बताया की हमलोग हर साल अपने तन मन धन से श्रद्धालु की सेवा करते है, हमलोगो को काफी खुशी होती है, सुख शांति मिलती है,भक्तो की सेवा करना हमारा धर्म है, छठ पूजा में मिनी मेले का आयोजन होता है, बच्चे बच्चियों के लिए मनोरंजन का सामान कठघोरा, झूला, ब्रेक डांस, तारामाची,खाने पीने के लिए चाट समोसे की दुकान एवं मिनी बाजार लगाया गया लोग लुत्फ उठाते नजर आए । घाट पर छठ पूजा समिति द्वारा इस बार बहुत बड़ी पंडाल एवं आकर्षक सजावट के साथ छठ पर्व पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर भगवान सूर्यनारायण की उपासना की,भारी संख्या में भगवान भास्कर की दर्शन करने को उमड़े श्रद्धालु, वहीं पूजा समिति की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया,अलीगंज मानपुर कैलाश धाम में आकर्षक सजावट,एवं पूरी व्यवस्था होती है,उसमे जो भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया,सहोग राशि प्रदान करनेवाले दाता को समिति की ओर से मोमेंटो एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया,वहीं पूजा के दौरान, शांति व्यवस्था को लेकर मानपुर कैलाश धाम पे सिकंदरा थाना इंक्पेक्टर नईम उद्दीन,प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक भारती, सीओ रंजन कुमार दिवाकर चंद्रदीप थाना अध्यक्ष राजेंद्र सह एवं पुलिस, जवान मुस्तैद दिखे,वहीं छठ घाटों पे सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का हुआ समापन

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) सूर्य उपासना का चार दिवसीय अनुष्ठान सनातन धर्म का सबसे बड़ा छठ महापर्व का समापन शुक्रवार के सुबह विभिन्न छठ घाटों पर पौह फटते ही उगते सूर्य भगवान भास्कर को घंटों से जल में खड़ी छठव्रती महिलाओं ने निष्ठा एवं समर्पण के साथ अर्घ्य देकर पूजा अर्चना किया । इसके पूर्व गुरुवार के शाम अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को छठ व्रतियों ने पूरे हर्षोल्लास एवं नेम निष्ठा के साथ अर्घ्य दिया । इस बीच छठ महापर्व को लेकर संपूर्ण क्षेत्र भर में पिछले चार दिनों से बिना किसी भेद भाव ,उच्च नीच ,जात -पात , की खाई को मिटाकर हर लोगों के बीच जो आपसी भाईचारा ,सद्भाव, संपूर्ण क्षेत्र में देखने को जो मिला वह अपने आप में मिसाल है । इधर पहली बार छठ पर्व कर रही महिला मेघा श्री ने बताया कि पिछले कई दिनों से लगातार हर घरों से लेकर सभी मंदिर, ठाकुरवाड़ी, में बज रहे छठ गीतों में केलवा के पात पर उगले सूरज देव, एवं उग हे सूरज देव भैयले भिनसरवा के अलावे कांच ही बांस के बहंगिया से संपूर्ण क्षेत्र गूंजायमान रहा ।इस बीच भक्ति रस में इस तरह सराबोर रहा जैसे मानो भगवान भास्कर की असीम कृपा सभी छठव्रतियों पर बरस रहा हो । निस्तार के बाद छठव्रतियों ने आस पड़ोस में गांव के नवयुवकों द्वारा स्थापित किए गए भगवान भास्कर की प्रतिमा पर भी जलार्पण किया। छठ व्रतियों ने 36 घंटे निर्जला उपवास के बाद छठ मैया का प्रसाद ग्रहण किया । छठ पर्व को लेकर अनुमंडल प्रशासन ने असरगंज तारापुर एवं संग्रामपुर क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों पर ग्रामीणों के सहयोग से लाइटिंग की व्यवस्था भी किया था ।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ सम्पन्न हुआ छठ

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय महापर्व छठ भक्ति भाव के साथ संपन्न हो गया। महापर्व छठ के चौथे दिन शुक्रवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसके बाद व्रतियों ने अन्न जल ग्रहण कर पारण किया। प्रखंड क्षेत्र सहित नगर पंचायत संग्रामपुर के विभिन्न नदी तट, तालाब, नहर, तथा बहते जलस्रोत के अलावा घर के आंगन में बनाए गए, जलकुंडों में श्रद्धालुओं ने उदयगामी भगवान भास्कर एवं छठी मैया को अर्घ्य समर्पित कर अपने परिवार सहित समस्त जनों के आरोग्य वैभव के आशीर्वाद की कामना की। महापर्व के मौके पर छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की हुजूम देखी गई। देश ही नहीं बल्कि विदेशों में रहने वाले भी महापर्व छठ को लेकर अपने-अपने गांव में छठ मनाने के लिए पहुँचे थे। वहीं नगर पंचायत संग्रामपुर की ओर से संपूर्ण नगर पंचायत के छठ घाटों पर साफ सफाई के साथ-साथ लाइटिंग सहित महिला श्रद्धालुओं के लिए चेंजिंग रूम एवं सजावट की व्यवस्था की गई थी। वही अंचल अधिकारी सह दंडाधिकारी निशीथ नंदन के साथ थानाध्यक्ष तारकेश्वर कुमार सिंह के नेतृत्व पुलिस बल के साथ लगातार थाना क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्थाओं का जायजा लेते देखे गए। प्रशासनिक पदाधिकारी सहित पुलिस पदाधिकारी हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए थे। वही भीड़ भाड़ वाले विभिन्न चौक चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। गश्ती टीम के द्वारा लगातार गस्ती भी जारी थी। इधर प्रखंड मुख्यालय के मुख्य बाजार संग्रामपुर सहित झिकुली चंदनिया एवं प्रखंड क्षेत्र के अन्य जगहों पर भगवान छठी मैया की प्रतिमा स्थापित कर लोगों ने महापर्व छठ मनाया।

लाउडस्पीकर क्षतिग्रस्त करने से बढ़ा तनाव पदाधिकारियों ने की शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या एक बैजलपूरा गांव में छठपूजा के दौरान खरना की रात छठपूजा को लेकर लगाए गए लाउडस्पीकर बाजा को कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के बाद गुरुवार की दो समुदायों के बीच तनाव उतपन्न हो गया। मामले की जानकारी एसएचओ संजय कुमार सिंह, नप के अध्यक्ष संजय यादव, उपाध्यक्ष विपिन साह, समाजसेवी राजीव कुमार उर्फ गुड्डू यादव, सीओ निशा सिंह एवं अन्य लोगों को मिलने के बाद तुरंत तनाव अधिक न बढ़ जाये इससे पूर्व गांव में पहुंचकर दोनो समुदाय के बुद्धिजीवियों के बीच शांति समिति की बैठक की। एसएचओ, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सीओ, समाजसेवी ने लोगों से कहा कि कोई भी पर्व हमलोगों को भाईचारा का पैगाम देती है उस भाईचारा को लोग बनाये रखे और पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न करने के लिए दोनो समुदाय को कहा । इस दौरान पर्व में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए दोनो समुदाय के बुद्धिजीवियों का हस्ताक्षर भी सहमति के लिए बने आवेदन पर लिया गया। बैठक में मौजूद बुद्धिजीवियों ने भी मौजूद पदाधिकारी, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष को पूर्ण भरोसा देते हुए कहा कि गांव में पर्व को लेकर सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहेगा। वही एसडीपीओ राजेश कुमार को भी जानकारी मिलने पर उन्होंने गांव में पहुंचकर शांति व्यवस्था का जायजा लेते हुए गांव में घूमते हुए बलियो घाट तक पहुंचकर निरीक्षण किया और लोगों को भाईचारा बनाये रखने की बात कि।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ पर्व आस्था का महापर्व संपन्न

भगवान भास्कर को नमन करते छठव्रती महिलायें

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। लोक आस्था का चार दिवसीय छठ महापर्व शुक्रवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। छठ पर्व को लेकर शहर से गांव तक धूम रही। छठ व्रतियों ने गुरूवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। वहीं शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया।

इस दौरान गिद्धौर में छठ घाटों पर व्रतियों के अलावा परिवार के सदस्यों की भीड़ उमड़ी रही है। इस दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। छठ घाट पर छोटे-छोटे बच्चे जहां पटाखे फोड़ रहे थे। वहीं, महिलाएं छठ गीत गा रही थी। इससे पूरी तरह छठमय बना रहा है। इस बीच व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा संपन्न किया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इधर, विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन बल छठ घाटों पर तैनात रहे।दंड देते घाट तक पहुंच रहे थे कई छठ व्रती मन्नते पूरी होने तो कोई मन्नत पूरी होने की आस लेकर दंडवत करते छठ घाटों पर पहुंच रहे थे। उनके पीछे-पीछे परिजन छठ का दउरा लेकर चल रहे थे। पतसंडा की सुशीला देवी ने बताया कि संतान की सलामति के लिए मैंने दंड देकर घाट पर आने की मन्नत मांगी थी। छठी मईया ने मेरी आस पूरी की तो मैं पिछले 20 वर्षों से दंड देकर घाट पर आ रही हूं।

छठ पर्व पर पूजा समिति द्वारा प्रतिमा स्थापित कर की गई भगवान भास्कर की पूजा अर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड में लोक आस्था का महापर्व छठ में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा करते हुए उनकी पूजा की गई। बताते चले की परंपराओं के अनुसार सदियों से लोक आस्था के इस महासंगम छठ पर्व पर छठ व्रती महिलाओं का भगवान भास्कर को अर्घ्य देने की एक लंबी परंपरा सदियों से चली आ रही हैं। पर्व को लेकर प्रखंड के दुर्गा मंदिर घाट पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर छठ पूजा समिति द्वारा पूरे नेम निष्ठा के साथ भगवान सूर्य नारायण की पूजा अर्चना करवाई गई। वहीं गिद्धौर कलाली घाट में भी नवयुवक क्लब कलाली घाट के सदस्यों द्वारा मूर्ति स्थापना कर प्राण प्रतिष्ठा करते हुए सूयोर्पासना की गई। इस मौके पर पूजा समिति के सदस्य सहित संबंधित पूजा समिति के सदस्यों द्वारा विधि विधान वन नेम निष्ठा के साथ भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करवाई गई। वहीं पर्व को लेकर हजारों की तादाद में प्रखंड क्षेत्र के उलाय नदी,कटहरा नदी आदि घाटों पर छठ व्रती महिलाओं एवं पुरुषों का जनसैलाब देखा गया। सभी ने भगवान सूर्य नारायण की आराधना कर अपने परिजनों व क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की।

लोक आस्था का महापर्व छठ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पण कर समाजिक सदभाव के साथ हुआ संपन्न

छठ व्रतियों ने अर्घ्य दे भगवन सूर्य नारायण की उपासना कर परिजनों के सुख समृद्धि की कामना

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- प्रखंड मुख्यालय गिद्धौर में लोक आस्था का महापर्व छठ हर्सोल्लास के साथ भगवान भाष्कर को अर्घ्य अर्पण कर नियम निष्ठा के साथ विधिवत सम्पन्न हो गया। इस पर्व के दौरान प्रखंड क्षेत्र के उलाय नदी, नागी, नकटी, आंजन नदी कटहरा नदी तट सहित अन्य कई घाटों पर हजारों की तादाद में छठ व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर अपने परिजनों के सुख समृद्धि व मंगलमय जीवन की कामना की। इधर लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर गिद्धौर के पतसंडा दुर्गा मंदिर घाट, राजमहल घाट, कलाली घाट, छतरपुर घाट सहित रतनपुर, कोल्हुआ, सेवा, पूर्वी गुगुलडीह, मौरा, गंगरा आदि पंचायतों के दर्जनों छठ घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान भास्कर को अर्घ्य देने को लेकर नदी घाटों पर जुटी रही। लोक आस्था के इस महापर्व पर ईश्वर के प्रति निष्ठा का यहां जन सैलाब देखा गया। इस दौरान आस्था के इस महान पर्व को लेकर गिद्धौर थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रंजित कुमार, प्रमोद कुमार, उमेश कुमार, अनुज कुमार, बीडीओ सुनील कुमार, अंचल अधिकारी आरती भूषण सहित शशस्त्र पुलिस बल के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा विभिन्न घाटों पर पर्व को सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न कराने को लेकर गश्ती करते देखे गए। इस मौके पर आस्था का उम्दा उदाहरण यहां देखा गया।

छठ महापर्व समापन के साथ कार्तिक उध्यापन सह साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : चार दिनों तक चलने वाली लोक आस्था का महापर्व की समाप्ति के साथ ही कार्तिक उधापन सह साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुरू हो गया है। आदर्श ग्राम दहियारी निवासी पत्रकार श्री पंकज बरनवाल के घर पर आयोजित कार्तिक उधापन सह साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ मे रंग बिरंगी परिधानों मे सजी तकरीबन 101 कन्या कुमारी ओर महिलाओं ने अपने सिर पर कलश लेकर दहियारी से पैदल चलते हुए अम्माटिल्हा गाँव के रास्ते दहियारी मोड़ होते हुए बाबा झुमराज मोड बटिया के रास्ते गोंती नदी पर पहुंची । जहाँ पर विद्वान पंडित आचार्य श्री टुनटुन पांडेय एवं सहायक के रुप मे बुलबुल पांडेय के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पवित्र जल को कलश मे भरकर पुनः वापस दहियारी गाँव पहुंची । कलश यात्रा मे शामिल बड़ी संख्या में लोगों ने अपने हाथों मे ध्वज लिए जय श्रीराम का जयकारा लगाते हुए चल रहे थे । इस जयकारों से वातावरण भक्ति मय हो उठा । साप्ताहिक ज्ञान महायज्ञ मे यजमान के रूप में श्री ओंकार बरनवाल एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती रीता देवी एवं माता कमला देवी शामिल थी । कलश यात्रा के दौरान समाज सेवी श्री लल्लू प्रसाद बरनवाल की ओर दही चीनी का सर्बत की व्यवस्था कलश यात्रा मे शामिल सभी लोगों के लिए किया गया था । वहीं कलश यात्रियों ओर आम जनों के लिए प्रसाद रुपी भोजन पुड़ी , सब्जी ओर बुंदिया की व्यवस्था पंकज बरनवाल के द्वारा किया गया था, जहाँ पर कलश यात्रियों के अलावा सेंकडो लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर तृप्त हुए । कलश यात्रा को संपन्न कराने झामुमो नेता सह झामुमो केन्द्रीय समिति सदस्य श्री ओंकारनाथ बरनवाल , सरपंच संघ के पुर्व जिला अध्यक्ष श्री दिनदयाल बरनवाल के अलावा समाज सेवी बिनोद बरनवाल , लल्लू प्रसाद बरनवाल, ललन बरनवाल, बालकृष्ण बरनवाल, मुखिया भीम रजक, उमेश बरनवाल , पवन बरनवाल , विकास बरनवाल , शंभु प्रसाद बरनवाल , गुड्डू बरनवाल , टिंकु बरनवाल , बबलू बरनवाल , संतोष बरनवाल, प्रमोद बरनवाल, डॉ सुधीर बरनवाल, सुकदेव मंडल, मेघन यादव, राजेश बरनवाल तथा शौरभ बरनवाल आदि लोग शामिल थे ।

देशी कट्टा के साथ कुख्याय अपराधी राजेश की हुई गिरफ्तारी, कारतूस भी हुआ बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बीते दिनों सिमुलतला थानाक्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत के बसन्तपुर गांव में शिक्षकों, स्थानीय मजदूरों के साथ मारपीट कर रंगदारी मांग कर अपनी दहशत लोगों के बीच बनाकर रखने वाले अपराधी राजेश यादव को जमुई जिला की पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया। इस संदर्भ में एसडीपीओ राजेश कुमार ने गुरुवार को झाझा थाना में पीसी करते हुए गिरफ्तारी की पूरी जानकारी दिया। एसडीपीओ ने बताया कि गुप्त सूचना की कुख्यात अपराधी राजेश कुमार पैसेंजर ट्रेन से दादपुर हॉल्ट पर उतरने वाला है जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर मेरे नेतृत्व में एक टीम बनाई गई जिसमे झाझा एसएचओ संजय कुमार सिंह, मलयपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल दादपुर हॉल्ट पर पहुंचकर ट्रेन से उतरते ही गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि उसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक ट्रॉली बैग बरामद हुआ है। एसडीपीओ ने बताया कि शिक्षक के साथ मारपीट मामले में सिमुलतला थाना घटना के दिन 3 मामला दर्ज हुआ था जबकि उससे पूर्व भी जमुई जिला के अलग अलग थाना में कई मामला उस पर दर्ज है इसके अलावे झारखंड के देवघर सहित अन्य कई थाना में दर्ज कांड में वह नामजद अभियुक्त है। एसडीपीओ ने बताया मारपीट, रंगदारी मांगे जाने के बाद राजेश फरार चल रहा था जिसके बाद घटना में शामिल तीन लोगों को पहले गिरफ्तार किया और उसके बाद राजेश की गिरफ्तारी की गई। एसडीपीओ ने बताया कि बसंतपुर में पूर्ण रूप से शांति व्यवस्था कायम है शिक्षक और बच्चे स्कूल आ रहे और विद्यालय का संचालन भी सही रूप से हो रहा है।

असामाजिक तत्वों ने सूर्य प्रतिमा को किया खंडित, ग्रामीणों ने किया रोड जाम

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः- गुरुवार को चंद्रदीप थाना क्षेत्र के अबगिला-प्रसामा पोखर स्थित सूर्य मंदिर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित करने का मामला सामने आया है। इसके बाद स्थानीय ग्रामीण उग्र होकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जमुई नवादा मुख्य सड़क को जाम कर दिया। घटना की जानकारी होने के बाद चंद्रदीप पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घंटों समझाने बुझाने के बाद ग्रामीणों को उचित न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई करने के आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने सड़क से जाम को हटा लिया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि देर रात तक सभी ग्रामीणों ने मिलकर मंदिर में सजावट का काम किया था, उसके बाद सभी ग्रामीण अपने-अपने घर चले गए। जब आज सुबह मंदिर में पहुंचे तो ग्रामीणों ने देखा कि भगवान सूर्य की प्रतिमा को अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि छठ पूजन में भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति को खंडित किए जाने के बाद ग्रामीणों में रोष है, ग्रामीणों का कहना है कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हम लोग दोबारा सड़क जाम करेंगे। अबगिला-प्रसामा पोखर स्थित सूर्य मंदिर में 2 साल पूर्व सूर्य भगवान की मूर्ति स्थापित की गई थी। छठ पूजा के दौरान श्रद्धालु मंदिर में भारी तादाद में पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मामले में चंद्रदीप थानाध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया कि सूर्य भगवान की प्रतिमा खंडित करने की जानकारी मिली है, ग्रामीणों द्वारा आवेदन दिया है, आवेदन मिलने के उपरांत पुलिस मामले की जाँच मे जुटी है ।

अमरीका का ट्रंप कार्ड

डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। उनके पक्ष में अभी तक 295 इलेक्टोरल वोट हैं, जबकि कमला हैरिस 223 इलेक्टर्स के साथ काफी पिछड़ गई हैं। ट्रंप की टीम का आकलन है कि उन्हें 300 से अधिक इलेक्टर्स का समर्थन मिल सकता है। यह संपादकीय लिखने तक मतगणना जारी थी। अमरीका के लोकतंत्र ने एक बार फिर ट्रंप के नेतृत्व में विश्वास जताया है, नतीजतन उनके पक्ष में 51 फीसदी से अधिक जनादेश है। ट्रंप दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति बन रहे हैं। बीच में चार साल का अंतराल था, जब जो बाइडेन राष्ट्रपति पद पर रहे। बाइडेन ने बेहद करीबी मुकाबले में ट्रंप को पराजित किया था। बहरहाल इस बार ट्रंप की जीत ऐतिहासिक, चमत्कारिक और अविश्वसनीय मानी जानी चाहिए। खुद ट्रंप ने भी ऐसा माना है। दरअसल उद्योगपतियों का एक वर्ग, संघीय नौकरशाहों की एक जमात, प्रमुख मीडिया समूह और दुष्प्रचार का एक प्रायोजित अभियान ट्रंप के खिलाफ था। वे वामपंथी सोच और सियासत के लोग थे और ट्रंप के खिलाफ लगातार प्रचारित कर रहे थे कि वह कमला हैरिस से पिछड़ रहे हैं। फिर प्रायोजित सर्वे भी प्रकाशित किए जाते रहे कि मुकाबला कांटेदार है, लेकिन जिस तरह इलेक्टर्स को जनादेश मिला है, वह स्पष्ट करता है कि इस बार अधिकांश अमरीका ने ट्रंप को ही चुनने का मन बना लिया था। औपचारिक तौर पर 6 जनवरी, 2025 को 538 निर्वाचित प्रतिनिधि राष्ट्रपति के लिए वोट करेंगे और उसी के बाद ट्रंप आधिकारिक तौर पर ह्यसुपर पॉवरह्ल देश के ह्यसुपर बॉसह्ल घोषित किए जाएंगे। नए राष्ट्रपति 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे और उसके बाद अमरीका का ह्यट्रंप कालह्ल शुरू होगा। ट्रंप ने उसे ह्यस्वर्णिम दौरह्ल माना है। बेशक अमरीका में एक बड़ा बदलाव सामने आया है, लेकिन ट्रंप के ह्यव्हाइट हाउसह्ल में प्रवेश के बाद विश्व-व्यवस्था भी बदलेगी। रूस के राष्ट्रपति पुतिन नए राष्ट्रपति की नीति और नीयत का आकलन करेंगे, उसके बाद ही बधाई देंगे। संभव है कि रूस पर अमरीकी पाबंदियों में कमी आए या उनमें ढील दी जाए! ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता और अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार जरूर चिंतित होंगे। ट्रंप के पहले कार्यकाल में भी अमरीका घोर ईरान-विरोधी था। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू बल्लियों उछल रहे होंगे, क्योंकि वह ट्रंप के ही पक्षधर, समर्थक रहे हैं। अमरीका में यहूदी लॉबी भी बहुत ताकतवर है। भारत के प्रधानमंत्री मोदी के ह्यगहरे दोस्तह्ल ओबामा और बाइडेन भी थे। पुतिन भी हैं और ट्रंप तो पहले से ही ह्यप्रिय दोस्तह्ल रहे हैं, लेकिन द्विपक्षीय संबंध और कूटनीति ऐसी ह्यदोस्तीह्ल के सहारे नहीं चला करतीं। बेशक राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप का बुनियादी लक्ष्य होगा कि अमरीका को दोबारा ह्यमहानह्ल बनाया जाए। ह्यअमरीका सर्वप्रथमह्ल की नीति लागू की जाए। उनके सामने 100 फीसदी जीडीपी के कर्ज वाली अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, अवैध शरणार्थी सरीखी ज्वलंत समस्याएं हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय भूमिका भी कमतर नहीं है। यदि वह भारतीय प्रधानमंत्री के साथ मिल कर रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने में सफल रहे, तो वह ह्यशांतिदूतह्ल बनकर उभर सकते हैं। चूंकि ट्रंप यूक्रेन को अरबों डॉलर की आर्थिक मदद और हथियार मुहैया कराने के खिलाफ रहे हैं और नाटो को भी ज्यादा भाव न देने के पक्षधर रहे हैं, लिहाजा यूक्रेन को युद्ध रोकने को विवश होना पड़ेगा। यदि ट्रंप इजरायल और ईरान के दरमियान भी शांति स्थापित कर सके, तो पूरी दुनिया उन्हें दुआएं देगी, क्योंकि युद्धों और टकरावों से दुनिया की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, नतीजतन अर्थव्यवस्थाएं भी चरमराई हैं। बहरहाल अमरीका में नेतृत्व परिवर्तन से भारत के साथ उसके संबंध और समीकरण बदलने वाले नहीं हैं। भारत अमरीका का मुख्य रणनीतिक साझेदार देश है और क्वाड में अमरीका, जापान, ऑस्ट्रेलिया का साथी देश है। दोनों देशों के बीच कई आयाम हैं, जिन्हें विस्तार दिया जा सकता है। यह भारत का ट्रंप कार्ड भी है।

ट्रंप की जीत के भारत के लिए मायने

ट्रंप की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रंप की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ.इतना ही काफी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रंप को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है और लिज चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नजर में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेजी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें कि आम राजनेता, पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरूआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की जरूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रंप के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। ट्रंप के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से शेल तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है। दूसरा पहलू यह है कि ट्रंप के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ खत्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मजबूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर-शराबा होगा। इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी, इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुध्रुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है। यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाकी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया।

विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव अंधेरों की आहट

मगर उमर अब्दुल्ला जो बात पीडीपी के लिए कह रहे हैं, वही शायद उनके लिए भी कही जा सकती है, वरना वह भी यह जानते हैं कि 5 अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के जिस अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था, उसकी वापसी अब इतनी आसान नहीं है। वैसे भी, इतना तो उन्हें पता ही होगा कि सिर्फ विधानसभा में प्रस्ताव पारित हो जाने भर से अनुच्छेद 370 वापस आने वाला नहीं है। फिर इस समय केंद्र में भाजपा सरकार है, जो किसी भी तरह से इस पर विचार करने के मूड में नहीं है। उसकी नजर में यह एक कागज का टूकड़ा है, जो बिना विचार के रद्दी की टोकड़ी में ही जाने वाला है।

ललित गर्ग
लेखक

ने शनल कॉन्फ्रेंस एवं उमर अब्दुला सरकार ने सदन में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए बुधवार को बिना अनुच्छेद 370 की पुर्नबहाली शब्द का इस्तेमाल कर, विशेष दर्जे की बहाली का प्रस्ताव तीखी झड़पों, हाथापाई, लात-घूंसे एवं शोरशराबे के बीच ध्वनिमत से पारित करा, साबित कर दिया है, वह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के साथ इस होड़ में पीछे रहने के मूड में नही है। ऐसा लगता है कि जम्मू कश्मीर में अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति फिर से परवान चढ़ने लगी है, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बबार्दी की तरफ धकेलने की कुचेष्टाएं प्रारंभ हो गयी है। इस पारित प्रस्ताव में केंद्र सरकार से कहा गया है कि वह विशेष दर्जा वापस देने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों से बातचीत करे। बुधवार को नवगठित राज्य विधानसभा में जब यह प्रस्ताव उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर सिंह चौधरी ने पेश किया, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि चौधरी का चयन ही इसलिए किया गया है कि भारतीय जनता पार्टी इसे सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश न कर सके। लेकिन भाजपा ने एक विधान एक निशान और राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संकल्पबद्धता को दोहराते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर बताया कि वह प्रत्यक्ष तो क्या परोक्ष तौर पर भी किसी को घड़ी की सुइयां पीछे मोढ़ने की अनुमति नहीं देगी। जब तक केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार है, कोई भी अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकता। अनुच्छेद 370 एक मरा हुआ सांप है, जिसे वह एक गले से दूसरे गले में डाल, जहर, आतंक एवं हिंसा फैलाने के षडयंत्र को सफल नहीं होने देगी। कश्मीर के नेताओं को समझना ही होगा कि पूरे भारत में अनुच्छेद 370 को लेकर जैसा जनमानस है, उसे देखते हुए अनुच्छेद 370 की वापसी असंभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की धरती पर अनेक सकारात्मक स्थितियां उद्घाटित हुई है, विशेषतः लोकतंत्र को जीवंतता मिली है, वहां की अवाम ने चुनावों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, शांति एवं विकास से इस प्रांत में एक नई इबारत लिखी जाने लगी है। जम्मू-कश्मीर हमारे देश का वो गहना है जिसे जब तक सम्पूर्ण भारत के साथ जोड़ा नहीं जाता, वहां शांति, आतंकमुक्ति एवं विकास की गंगा प्रवहमान नहीं होती, अधूरापन-सा नजर आता रहा है। इसलिए इसे शेष भारत के साथ हर दृष्टि से जोड़ा जाना महत्वपूर्ण है और यह कार्य मोदी एवं उनकी सरकार ने करके एक नये सूरज को उदित किया है, अब उस सूरज को अस्त नहीं होने दिया जायेगा। बड़ी जद्दोजहद से वहां एक नया दौर शुरू हुआ है, अब इस सुनहरे एवं उजले दौर को स्वार्थी एवं सत्ता की अलगाववादी एवं विघटनकारी राजनीति की भेंट नहीं चढ़ने देना चाहिए। भारत की महानता उसकी विविधता में है। साम्प्रदायिकता एवं दलगत राजनीति का खेल, उसकी विविधता में एकता की पीठ में छुरा भोंकता रहा है, घाटी उसकी प्रतीक बनकर लहूलुहान रही है। जब हम नये भारत-सशक्त भारत बनने की ओर अग्रसर हैं, विश्व के बहुत बड़े आर्थिक बाजार बनने जा रहे हैं, विश्व की एक शक्ति बनने की भूमिका तैयार करने जा रहे हैं, तब हमारे मस्तक के ताज जम्मू-कश्मीर को जाति, धर्म व स्वार्थी राजनीति से बाहर रखना सबसे बड़ी जरूरत है। इसी दिशा में घाटी को अग्रसर करने में मोदी सरकार के प्रयत्न सराहनीय एवं स्वागतयोग्य रहे हैं। घाटी की कमजोर राजनीति एवं साम्प्रदायिक आग्रहों का फायदा पडोसी उठा रहे हैं, जिनके खुद के पांव जमीन पर नहीं वे आंख दिखाते रहे हैं। अब ऐसा न होना, केन्द्र की कठोरता एवं सशक्तीकरण का द्योतक हैं। कश्मीर के तथाकथित राजनीतिक कर्णधारों! अलगाववाद और तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ो। अगर तेवर ही दिखाने हैं तो देश के दुश्मनों को दिखाओ, पडौसी देश के मनसूंबों को निस्तेज करों। अतीत की राजनीतिक भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना, जम्मू-कश्मीर की चुनी हुई सरकार का संकल्प होना चाहिए। विशेष राज्य का दर्जा पाने के मसले पर नेशनल कॉन्फ्रेंस जहां खड़ी है, पीडीपी उससे दो कदम आगे रहना चाहती है। ऐसे करके नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी सरीखे दल यहां अलगाववाद और एक वर्ग विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति को जारी रखना चाहते हैं, वह यहां फिर से अलगाववाद को पैदा करना चाहते हैं, आम कश्मीरी अवाम को गुमराह कर उसे बबार्दी की तरफ धकेलना चाहते हैं, तभी अनुच्छेद 370 की बहाली का प्रस्ताव लाये हैं। जबकि अनुच्छेद 370 के हटने से घाटी में एक उजाला अवतरित हुआ है, अब फिर से घाटी को अंधेरों से नहीं घिरने देना चाहिए। भले ही नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर का चुनाव ही इसी घोषणा के साथ लड़ा और जीता है कि वह भारतीय संविधान में राज्य को उसका विशेष दर्जा वापस दिलाएगी। इसीलिये नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सत्ता में आते ही पहला काम यही किया और विधानसभा ने राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव पारित कर दिया। नेशनल कान्फ्रेंस को लगता है कि विशेष दर्जे के मुद्दे से कुछ लोगों के तार भावनात्मक रूप से जुड़े हैं, इसलिए ज्यादा अतिवादी रूख अपनाकर इसका कुछ राजनीतिक फायदा उठाया जा सकता है। दोनों ही प्रमुख दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की होड़ लगाते हुए दिख रहे हैं। तभी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी थी कि यह पीडीपी का केवल प्रचार स्टंट है और उसके विधायक सिर्फ कैमरे के आगे आने के लिए यह सब कर रहे हैं।

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है

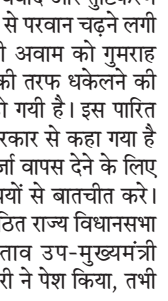

प्रहलाद सबनानी
लेखक

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था। भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है। भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है। एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है। उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है।

राहुल गाँधी के निशाने पर राजघराने

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुलाम भारत के उन राजघरानों के बारे में लिख दिया जो आजाद भारत में भी अपने आपको राजा-महाराजा समझते हैं हालाँकि हैं नहीं और अब उनके लिए दोबारा राजपाट मिलने की कोई संभावना भी नहीं है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने व्यापार और बाजार परिदृश्य पर विचार प्रस्तुत करते हुए एक लेख लिखा जो एक अंग्रेजी अखबार में छपा है। ये अखबार किसी जमाने में कांग्रेस का प्रबल विरोधी अखबार था। अखबार का नाम है इंडियन एक्सप्रेस। राहुल के लेख में उन्होंने एकाधिकार और नफरत फैलाने वालों पर निशाना साधा है। उन्होंने शाही परिवारों को भी निशाने पर लिया। राहुल गाँधी का लेख पढ़ते ही राजघरानों के लोगों को आग सी लग गयी। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राहुल गांधी के लेख की आलोचना की। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झाँसी की रानी के साथ कथित गद्दारी का कलंक लिए घूमने वाले ग्वालियर के सिंधिया राजघराने के मौजूदा चश्मो चिराग केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी पर अपनी नाराजगी जताई। आपको अतीत में ले जाना चाहता हूँ। हमने पढ़ा है तो आपने भी पढ़ा ही होगा कि भारत में अंग्रेजी हुकूमत के दौरान हिन्दुस्तान में हिन्दू राजा-महाराजाओं और मुसलमान नवाबों की रियासतें हुआ करतीं थी। यानि जैसे आज आजाद राष्ट्र में एक महाराष्ट्र है वैसे ही गुलाम भारत में एक-दो नहीं बल्कि पूरी 565 रियासतें थीं। यानि 565 हिंदुस्तान। ये सब स्वतंत्र होकर भी परतंत्र थे लेकिन मजे में थे। अंग्रेजों के साथ अधिकांश राजघरानों की संधियां थी।कुछ की तो मुगलों से भी संधियां रहीं। अंग्रेज इन्हें इनाम-इकराम और बड़े-बड़े तमगे भी दिया करते थे, लेकिन इनमें से बहुत से राजघराने थे जो अंग्रेजों से लगातार मुठभेड़ें भी लेते रहते थे ,लेकिन उनकी ये मुठभेड़ें निजी नफा-नुकसान को लेकर हुआ करतीं थीं। आजकल लोग अखबार कम पढ़ते हैं लेकिन सोशल मीडिया ज्यादा देखते हैं इसीलिए राहुल गाँधी ने भी अपने ह्यएक्सह्ल के पन्ने पर अपना लेख साझा करते हुए लिखा कि अपना भारत चुनें निष्पक्ष खेल या एकाधिकार? नौकरियां या कुलीनतंत्र? योग्यता या रिश्ते? नवाचार या डराना-धमकाना? बहुतों के लिए धन या कुछ चुनिंदा लोगों के लिए? मैं इस बारे में लिख रहा हूं कि व्यापार के लिए एक नया समझौता सिर्फ एक विकल्प नहीं है, यह भारत का भविष्य है। आपने शायद राहुल का लेख न पढ़ा हो इसलिए मैं उनके लेख के कुछ अंश यहां साझा करता हूँ। उन्होंने लिखा कि-ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को चुप करा दिया था। यह अपने व्यापारिक कौशल से नहीं, बल्कि अपने दबदबे से कराया गया था। कंपनी ने हमारे अधिक लचीले महाराजाओं और नवाबों के साथ साझेदारी करके, रिश्वत देकर और धमकाकर भारत का गला घोंटा। इसने हमारे बैंकिंग, नौकरशाही और सूचना नेटवर्क को नियंत्रित किया। हमने अपनी आजादी किसी अन्य राष्ट्र से नहीं खोई, हमने इसे एक एकाधिकारवादी निगम से खो दिया जिसने एक जबरदस्ती तंत्र चलाया। अब इस लेख में कितनी हकीकत है और कितना अफसाना ये पाठकों को तय करना है ,लेकिन मुझे लगता है कि राहुल ने एक बार फिर उस सामंतवादी समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया है जो हमेशा राजसत्ता के इर्द गिर्द मंडराता रहता है। कल भी मंडराता था और आज भी मंडरा रहा है। उसके लिए दल ज्यादा महत्व नहीं रखते यानि राजघरानों को राजसत्ता के आसपास ही रहना है फिर चाहे वो सत्ता कांग्रेस की हो,भाजपा की हो, गठबंधन की हो या वैसाखियों वाली हो। राहुल गांधी के लेख की कुछ पंक्तियों ने देश के तमाम राजशाही परिवारों को नाराज कर दिया। राजघरानों के लिए मशहूर राजस्थान के जयपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी अपने एक्स हैंडल से राहुल गांधी पर निशाना साधा। राजकुमारी दीया कुमारी ने लिखा कि मैं संपादकीय में राहुल गांधी की ओर से भारत के पूर्व शाही परिवारों को बदनाम करने के प्रयास की कड़ी निंदा करती हूं। उनका कहना है कि एकजुट भारत का सपना भारत के पूर्व शाही परिवारों के अत्यधिक बलिदान के कारण ही संभव हो सका। ऐतिहासिक तथ्यों की अधूरी व्याख्या के आधार पर किए गए निराधार आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। राहुल गाँधी के लेख से सबसे ज्यादा आहत हुए उनके पुराने दोस्त और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया। सिंधिया जिस परिवार से आते हैं उसके ऊपर झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन के समय ह्य गद्दारी ह्य करने का आरोप लगाया गया था,जो आज भी लोकधारणा में जिंदा है। सिंधिया परिवार इस आरोप से इतना लज्जित था कि पिछले डेढ़ सौ साल में इस परिवार का कोई सदस्य रानी लक्ष्मी बाई की ग्वालियर स्थित समाधि पर नहीं गया था,खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी नहीं गए थे,लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें भी रानी झाँसी को वीरांगना स्वीकार कर उनकी समाधि पर शीश नवाने के लिए विवश कर दिया गया था। राहुल के लेख पर बिफरते हुए सिंधिया ने लिखा कि नफरत फैलाने वालों को भारतीय गौरव और इतिहास पर व्याख्यान देने का कोई अधिकार नहीं है। राहुल गांधी का भारत की समृद्ध विरासत के बारे में अज्ञान और उनकी औपनिवेशिक मानसिकता सभी सीमाओं को पार कर गई है।

संक्षिप्त खबरें

रिहान रजा रिजवी बने मण्डल मुरादाबाद के वाणिज्य प्रबंधक, पदभार किया ग्रहण

प्रातः किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

मुरादाबाद। रेलवे मंडल मुरादाबाद के आई.आर.टी.एस. रिहान रिजवी रेलवे मंडल मुरादाबाद में वाणिज्य प्रबंधक बनाए गए। उन्होंने मण्डल के वाणिज्य विभाग में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर 5 नवम्बर 2024 को रिहान रजा रिजवी ने पदभार ग्रहण कर लिया है। रिहान रजा रिजवी वर्ष 2015 बैच के आईआरटीएस (भारतीय रेलवे यातायात सेवा) अधिकारी हैं। मण्डल वाणिज्य प्रबंधक मुरादाबाद के पद पर पदभार ग्रहण करने से पहले रिहान रजा रिजवी मुरादाबाद मण्डल में ही मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर पदस्थ रहे तथा मुरादाबाद मंडल से पहले पूर्व मध्य रेलवे के पं० दीन दयाल उपाध्याय (मुगलसराय) मंडल में मण्डल परिचालन प्रबंधक एवं सहायक मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर रहते हुए अपनी सराहनीय सेवाएं दी।

छठ महापर्व : उगते सूर्य को अर्घ्य देकर की खुशहाली की कामना

अमरोहा।छठ महापर्व के चौथे दिन शुक्रवार सुबह महिलाओं ने वासुदेव तीर्थ स्थल स्थित सरोवर में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। संतान प्राप्ति संग परिवार की उन्नति व दीर्घायु की कामना की। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। महिलाओं ने अपने निर्जला व्रत का पारण किया। छठ महापर्व को लेकर स्थानीय निवासी पूर्वांचल के मूल निवासी लोगों में उत्साह का माहौल रहा। महिलाओं ने घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान बनाएं हैं। शुक्रवार सुबह होते ही वासुदेव तीर्थ स्थल स्थित सरोवर पर महिलाएं छठ पूजा के लिए परिवार सहित पहुंचने लगी। महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। सरोवर के जल में खड़े होकर पूजा कर पूजन सामग्री सूर्य देव को अर्पित की। परिवार व समाज के लिए खुशहाली व उन्नति की प्रार्थना की। व्रतियों ने केले के पत्ते, शकरकंद, सिंघाड़ा, सेब, अनार, अनानास, मूली, लाल फूल, गन्ना समेत विभिन्न प्रकार के फल और हरी सब्जियों के साथ सूर्य देव की वैदिक रीति रिवाज संग पूजा की। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का विधिवत समापन हुआ। महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के पकवान बनाएं। अगले वर्ष जल्द छठ पूजा का महापर्व आने की प्रार्थना की।

श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान, युवाओं ने की पानी में अठखेलियां

गजरौला।शुक्रवार सुबह श्रद्धालुओं ने तिगरी गंगा में स्नान किया। युवाओं ने स्नान संग गंगा की रेत पर मस्ती की। वहीं तिगरी गंगा मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं का रेला लगातार जारी है। शुक्रवार सुबह तक तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के तिगरी गंगा मेले में पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके बाद भी ट्रैक्टर-ट्राली, कार व अन्य वाहनों से श्रद्धालु तिगरी की ओर जा रहे हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की संख्या और भी बढ़ जाएगी। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार सुबह में गंगा घाटों पर उत्साहित श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। हर-हर गंगे के जयकारों से गंगा घाट गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर सूर्य को अर्घ्य दिया। परिवार व समाज में सुख, शांति संग समृद्धि की कामना की। वहीं युवाओं ने गंगा स्नान कर रेत में जमकर मस्ती की।

टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम में भारतीय ज्ञान परंपरा पर रखे विचार

अमरोहा। जेएस हिन्दू पीजी कॉलेज एवं महात्मा हंसराज मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर हंसराज कॉलेज नई दिल्ली के संयुक्त संयोजन में चल रहे आठ दिवसीय मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम में शुक्रवार को प्रो. शिवानी शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपने विचार रखे। बताया कि भारतीय परंपरा आत्मसातीकरण प्रक्रिया की संवाहक है। ब्रह्मगुप्त, भास्कर द्वितीय, नालंदा विश्वविद्यालय के महत्व को रेखांकित कर भारतीय पहचान व अस्मिता की समृद्धता को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। डा. सचिन कुमार के संचालन में आयोजन के दौरान कालेज प्राचार्य प्रो.वीर वीरेंद्र सिंह, डा.अनुराग कुमार पांडे, सत्य प्रकाश परमार, अरविंद कुमार यादव, तीर्थराज सिंह आदि रहे।

जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई : सीएम योगी आदित्यनाथ

प्रातः किरण, संवाददाता

मुजफ्फरनगर,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मोरना में विधानसभा उपचुनाव में मीरापुर सीट के अपने पक्ष के उम्मीदवार के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। यह सपा का नया ब्रांड है। यह बेटी-बहन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा 2012 से 2107 के बीच में एक नारा चलता था। एक बार मैं मुजफ्फरनगर आया था, तब एक नौजवान भीड़ से कह रहा था कि जिस गाड़ी पर सपा का झंडा, समझो बैठा है कोई गुंडा। आज मैं कह सकता हूं, जहां दिखे सपाई, वहां बिटिया घबराई। इनके कारनामे अयोध्या और कन्नौज में देखने को मिले हैं। इनको लोकलाज नहीं है। बेटियों और बहन की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले लोग हैं। इनके वास्तविक संस्कार देखने हैं तो सपा के सोशल मीडिया के हैंडल देखें, कितने घटिया स्तर की बातें करते हैं। यह सपा के चरित्र को दिखाता है। डबल इंजन की सरकार बेटी और बहन के साथ खिलवाड़ नहीं करने देगी। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती के परिणाम आने वाले हैं। पहले जो उपेक्षित रहते थे। अब कोई दिक्कत नहीं है। बागपत, शामली, बुलंदशहर के लोगों को बड़े आराम से नौकरी मिल रही है। यहां के व्यापारियों की भी सुरक्षा का ख्याल रखा जा रहा है। बेटी-बहन का सम्मान करने वाले लोग चाहिए, भाजपा और रालोद आपको यह गारंटी देने आई है कि यह काम केवल हम करेंगे। हमारे आदर्श चौधरी चरण सिंह जी हैं, हमारे आदर्श धर्म सिंह कोतवाल जैसे महान क्रांतिकारी हैं, हमारे आदर्श भारत माता का वह लाल है, जो खुद को बलिदान कर रहा है। हम एक ही बात कहते हैं कि हर काम देश के नाम होना चाहिए, पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकासह्व की योजना चलाई, ह्यविकास सबका, सम्मान सबका, लेकिन तुष्टिकरण किसी का नहीं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस में तलाक सा हो गया है। दोनों दलों के बीच खटपट हो गई है। लोकसभा चुनाव में लोगों को बरगलाया, जनता को गुमराह किया। गलत मार्ग पर ले जाने का प्रयास किया। अवसर है अब इस सपा का सफाचट करने का। सपा के यहां उम्मीदवार मुजफ्फरनगर दंगे के सरगना हैं। हथियारों का जखीरा मिला था। सपा के मुखिया उन दंगाइयों को सरकारी आवास पर सम्मानित करते थे। सपा की सरकार में पलायन का दंश देखा। व्यापारी उत्तर प्रदेश छोड़ने के लिए मजबूर था। आज बहन-बेटियों के सम्मान से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता है। अब यूपी में दंगा नहीं हो रहा है, ना पलायन हो रहा है। जल्दी मुजफ्फरनगर को रैपिड ट्रेन का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 60 हजार पुलिस भर्ती का परिणाम आने वाला है, यहां का युवा खेलता है, जो पहले मेडल लाते थे, अब इन जिलों के युवा बड़ी संख्या में भर्ती होते हैं। खिलाड़ियों के लिए नई पॉलिसी बनाई गई है। जो हमारे लिए देश के लिए मेडल जीतते हैं, उन्हें हम मेडल भी देते हैं और रुपये भी। पिछले 7.5 साल से एनडीए की सरकार सत्ता में है। कोई बेटी-बहन के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। आरोपियों को पता है कि ऐसा करने की सजा क्या होगी। उन्हें पता है दंगों की कीमत क्या चुकानी पड़ेगी।

महाकुंभ से पहले अलोपीबाग पम्पिंग स्टेशन की क्षमता होगी दोगुनी

प्रातः किरण, संवाददाता

प्रयागराज, । संगम नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने वाले महाकुंभ की तैयारियां तेजी से चल रही है। सीएम योगी के विजन के अनुसार न केवल महाकुंभ क्षेत्र के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्थाएं की जा रही हैं, बल्कि प्रयागराज शहर में भी कई स्थाई निर्माण को अंजाम दिया जा रहा है। जिनका लाभ प्रयागराज निवासियों को आने वाले वर्षों में भी मिलता रहेगा। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय, प्रयागराज के अलोपीबाग पम्पिंग स्टेशन की क्षमता लगभग दोगुनी करने का कार्य कर रहा है। जिससे आने वाले दिनों में प्रयागराज के कई मोहल्लों में सीवर की समस्या का निदान हो जाएगा। इसके साथ ही जल निगम नगरीय के सहयोग से कई अस्थाई एसटीपी का भी निर्माण हो रहा है। महाकुंभ के पहले यूपी सरकार के कई विभाग मिलकर प्रयागराज में विश्वस्तरीय सुविधाओं का निर्माण कर रहे हैं। इसी दिशा में यूपी जल निगम नगरीय, प्रयागराज में कई प्रोजेक्ट्स चला रहा है। इनमें से आलोपीबाग पम्पिंग स्टेशन की क्षमता का विस्तारीकरण एक बड़ा प्रोजेक्ट है। विभाग के अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि अलोपीबाग पम्पिंग स्टेशन की ट्रीटमेंट क्षमता को 45 एमएलडी से बढ़ाकर 80 एमएलडी किया जा रहा है। जो कि पहले की तुलना में लगभग दोगुनी है। सीएम योगी के निर्देश के मुताबिक ये कार्य 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। जिसके बाद प्रयागराज के अलोपीबाग, दारागंज, सोहबतियाबाग, अल्लापुर, किदवई नगर और मोरी नाला के सीवर ड्रेनेज की समस्या का निस्तारण हो जाएगा। अधिशासी अभियंता ने बताया कि लगभग 18 करोड़ की लागत से हो रहे विस्तारीकरण का कार्य अपने अंतिम चरण में हैं। पम्पिंग स्टेशन के न्यू सम्प ने कार्य करना शुरू कर दिया है, जल्द ही ओल्ड सम्प भी कार्य करने लगेगा। जिसके बाद इस क्षेत्र के पूरे सीवर वेस्टेज को सम्प से पम्प कर राजापुर एसटीपी पर भेजा जाने लगेगा। जहां से ट्रीटेड पानी नदी में गिराया जाएगा। इससे न केवल क्षेत्र के लोगों बल्कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के अतिरिक्त दबाव का भी आसानी से सामना किया जा सकेगा। इसके साथ ही अधिशासी अभियंता ने क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य के कारण क्षेत्रवासियों को 30 नवंबर तक कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्य पूरे होने के बाद लंबे समय से अलोपीबाग और आसपास के मोहल्लों की सीवर चोकिंग की समस्या पूरी तरह दूर हो जाएगी।

इतिहास में नोटबंदी के नाम पर पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा : अखिलेश

प्रातः किरण, संवाददाता

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नोटबंदी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरा अध्याय सिर्फ काले रंग से ही छापा जाएगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में नोटबंदी के नाम पर एक पूरे-का-पूरा अध्याय सिर्फ.काले रंग से ही छापा जाएगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को नोटबंदी की 8वीं सालगिरह के ठीक एक दिन पहले ही, कल रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे कमजोर स्थिति में आ गया। जनता पूछ रही है क्या ये नोटबंदी की नाकामयाबी की वजह से हुआ या भाजपा की नकारात्मक नीतियों की वजह से। सपा मुखिया ने कहा, ह्लअब क्या भाजपाई फिर ये कहेंगे कि देश के इतिहास में रुपया डॉलर के मुकाबले सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर रिकार्डतोड़ नहीं गिरा है, बल्कि डॉलर ऊपर उठा है। भाजपा ने अर्थव्यवस्था को अनर्थव्यवस्था बना दिया है। रुपया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 को पूरे देश में 500 और 1000 रुपये के पुराने नोटों को चलन से बाहर कर दिया था। इसके बाद कई हफ़्तों तक देशभर में बैंकों और एटीएम के सामने पुराने नोट बदलकर नए नोट हासिल करने वालों की लंबी कतारें देखी गयी थी। इसका मकसद देश में कालाधन रोकने और डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा बताया गया था।

मशहूर गायिका दीपा जोशी के लोकप्रिय गीतों की श्रृंखला में एक और कुमाउँनी गीत की जुड़ी कड़ी

● उत्तराखंड की सुरीली आवाज दीपा जोशी के नये कुमाऊँनी गीत अतुल्य हमार उत्तराखंड की हुई

● शानदार लांचिंग। इससे पहले भी दीपा जोशी प्रसिद्ध एवं पदम श्री पुरस्कार प्राप्त गायक अनूप जलोटा के साथ के गीतों की विशेष प्रस्तुति दे चुकी है

प्रातः किरण संवाददाता

उत्तराखण्ड/कुमाऊँ। कुमाऊँ की सांस्कृतिक परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य को अपनी आवाज से जीवंत करने वाली लोकप्रिय गायिका दीपा जोशी एक बार फिर आपके दिलों में उतरने आ रही हैं। टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत उनका नवीनतम कुमाऊँनी गीत ह्लअतुल्य हमार उत्तराखंडह्व आपको उत्तराखंड की मनोरम घाटियों और समृद्ध संस्कृति की आंनदित यात्रा का एहसास दिलाया जाएगा। इस गीत को संगीतकार रंजीत सिंह ने सुंदरता से संगीतबद्ध किया है और इसके दिल को छूने वाले बोल सुनील गोस्वामी ने लिखे हैं। गीत की खूबसूरत वीडियोग्राफी ऊर.ट. प्रोडक्शन ने की है जो उत्तराखंड की प्राकृतिक भव्यता और सांस्कृतिक धरोहर को अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करती है। वर्ष 2021 से ही टी-सीरीज और रेड रिबन ने दीपा जोशी के कई और गीत प्रस्तुत किए हैं जो उनकी खास धुनों एवं आत्मा को छू लेने वाली आवाज के कारण श्रोताओं के दिलों में बस गए हैं। हर गीत में दीपा की आवाज की मिठास और अनोखी सादगी का अनूठा संगम है। जो संगीत प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव है आपको बताते चले कि इससे पूर्व भी दीपा जोशी ने प्रसिद्ध एवं पदमश्री पुरस्कार प्राप्त गायक अनूप जलोटा के साथ गजल ह्लनफरत किसी के साथ, मोहब्बत किसी के साथह्व गाकर अपने संगीत के सफर की नई बुलंदियों को छुआ है। यह गजल एल्बम ह्लज़िंदगी का साथह्व में शामिल है और अनुप जलोटा के जन्मदिन पर विशेष ज्यूक बॉक्स में लॉन्च की गई थी। उनकी शानदार जुगलबंदी संगीत प्रेमियों को मोहित कर देती है और इसे सुनने वाला हर कोई इस संगीतमय जादू का कायल हो जाता है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि दीपा जोशी की आवाज में कुमाऊँ का सौंदर्य और दिल को छूने वाली संवेदनाएँ हैं। उनके गायन में उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और सुरीली मधुरता को महसूस किया जा सकता है जो कि उनके गीतों के माध्यम से गीत प्रेमियों के दिलों में बस जाएगी।

कुम्भ मेले में दुकानें निविदा प्रक्रिया से ही आवंटित होंगी: कुंभ मेलाधिकारी

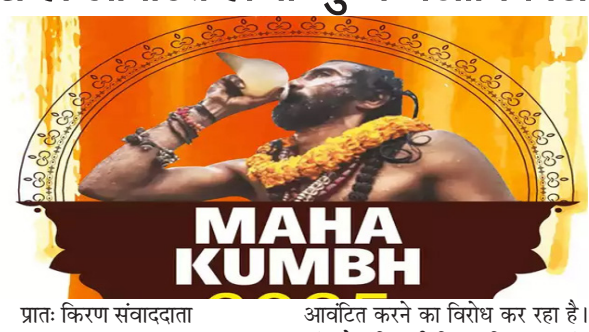

प्रातः किरण संवाददाता

प्रयागराज,। महाकुंभ मेले की सुचिता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए गैर सनातनियों को खाने पीने की दुकान नहीं आवंटित करने की अखाड़ा परिषद की मांग पर मेला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मेले में दुकानें निविदा प्रक्रिया से ही आवंटित होंगी। प्रयागराज में लगने वाले कुम्भ और महाकुंभ मेले में हमेशा से दुकानें निविदा प्रक्रिया से आवंटित होती रही हैं जिसमें किसी वर्ग विशेष को दुकानें आवंटित करने पर रोक नहीं है। हालांकि, खाने-पीने की वस्तुओं में गंदगी मिलाए जाने का पिछले दिनों कई वीडियो वायरल होने के बाद से अखाड़ा परिषद गैर सनातनियों को खानपान की दुकानें आवंटित करने का विरोध कर रहा है। कुंभ मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने कहा, जो दुकानें आवंटित होती हैं, वह निविदा प्रक्रिया से होती हैं। दुकानें निविदा प्रक्रिया के अनुसार ही आवंटित होंगी। यह बड़ा मेला है जहां दुनियाभर से लोग आएंगे.. हम इसी प्रक्रिया से दुकानें आवंटित करेंगे। वहीं अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने शुक्रवार को पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सभागार में बैठक के बाद एक बार फिर कहा, हमारा विरोध किसी वर्ग विशेष से नहीं है। हाल ही में खाने में थूक, पेशाब आदि मिलाकर परोसे जाने का वीडियो सामने आने के बाद हमारी मांग है कि जूस की दुकान, खानपान की दुकान, ढाबा आदि गैर सनातनियों को ना दी जाएं।

शाहजहांपुर में डबल लेन रामगंगा पुल के निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू करेगी योगी सरकार

प्रातः किरण संवाददाता,

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश को कनेक्टिविटी के लिहाज से उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार शाहजहांपुर डबल लेन युक्त रामगंगा पुल के निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने जा रही है। कोलाघाट तहसील में रामगंगा व बैगुल नदी पर इस नए पुल का निर्माण किया जाएगा और इस कार्य को 137.02 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नए पुल का निर्माण पुराने पुल के समीप ही किया जाएगा जिससे स्टेट हाइवे 163 पर यातायात सुगम होगा तथा जलालाबाद-शमशाबाद-मोहम्मदाबाद-सौरिख-बिधूना मार्ग पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इस कार्य को उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा पूरा किया जाएगा जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। रामगंगा पुल के निर्माण के लिए सीएम योगी के मार्गदर्शन में एक कार्ययोजना तैयार की गई है जिस पर उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा कार्य शुरू हो गया है। योजना के अनुसार, यह पुल 1802.14 मीटर लंबा और डबल लेन बेस्ड होगा जिसे पहुंच मार्गों के जरिए कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 2,202.14 मीटर क्षेत्र में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा जिसमें 200 मीटर के दो कनेक्टिंग रोड समेत सुरक्षात्मक कार्यों को पूरा किया जाना निर्धारित है। डबल लेन पुल व कनेक्टिंग रोड के निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर), आर्किटेक्चरल डिजाइन समेत प्रारंभिक चरण की रिपोर्ट निर्धारण प्रक्रिया विभाग में शुरू हो गई है और माना जा रहा है कि जल्द ही कार्यों को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। इन सभी निर्माण व विकास कार्य को पूरा करने के लिए 24 महीने की अवधि निर्धारित की गई है। इसी के साथ, देवरिया के भाटपार रानी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत केरवनिया घाट के समीप खनुआ नदी पर डबल लेन पुल के निर्माण और विकास की प्रक्रिया में तेजी लाने पर फोकस किया जा रहा है। यहां भी कनेक्टिंग रोड के निर्माण व सुरक्षा कार्यों की पूर्ति का कार्य पूरा किया जाएगा।

गायत्री मंत्र के लेखन और वाचन पर दिया जोर

अमरोहा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के संयोजन में चल रहे कन्या किशोर कौशल प्रशिक्षण के तहत शुक्रवार को वैष्णो कन्या इंटर कॉलेज मखदूमपुर में संवाद कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षण की जिला समन्वयिका डा.संयुक्ता चौहान एवं जिला गायत्री चेतना केंद्र बादशाहपुर के व्यवस्थापक शिशुपाल सिंह चौहान ने छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ संवाद किया। छात्राओं को समय, संयम, अनुशासन, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, नियमित अध्ययन, परीक्षा की तैयारी, चरित्र निर्माण आदि को लेकर जागरूक किया। गायत्री मंत्र लिखने एवं बोलने पर जोर दिया। प्रधानाचार्या अलका चौहान ने आभार जताया। इस दौरान मीना पारेख, अर्चना सिंह, रक्षित चौहान, नेहा कुमारी, ह्रदेश कुमारी, प्रियंका, स्वाति चिकारा आदि मौजूद रहे। वहीं गांव मखदूमपुर के श्रीराम इंटर कॉलेज में भी संवाद कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका व अखंड ज्योति पत्रिका प्रदान की गई। इस दौरान भावना शर्मा, वैशाली यादव, नितिन कुमार, प्रदीप चौहान, शिव यादव, सपना यादव, उमा चौहान, पूनम चौहान, भानु प्रताप सिंह, मनीष यादव आदि रहे।

आसिफ रईस के प्रयास से सीएचसी प्रभारी डॉ. जुबैर ने लगवाया निःशुल्क चिकित्सा कैम्प

● थानाध्यक्ष अमित कुमार ने किया चिकित्सा कैम्प का उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

स्योहारा। पत्रकार एवं समाजसेवी आसिफ रईस के प्रयासों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के कर्तव्यनिष्ठ चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर जुबैर ने सर सैयद मैमोरियल स्कूल में एकदिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन कराया। चिकित्सा कैंप में मुख्य अतिथि की हैसियत से आये थाना स्योहारा प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने फीता काटकर कैंप का उद्घाटन किया। चिकित्सा शिविर की प्रशंसा करते हुए थाना प्रभारी अमित कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजित होने वाले चिकित्सा शिविरों से गरीब ,बेसहाराओं और जरूरतमंदों को फ्री और अच्छी सेवा मिलती है जिससे उन्हें अपनी बीमारियों की जांच कराने और दवाइयां लेने में लाभ मिल जाता है यह एक पुण्य का कार्य है। आसिफ रईस ने बताया की चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर जुबैर को हाल ही में नगर में तरह-तरह की उत्पन्न होने वाली बीमारियो जैसे मलेरिया,डेंगू, टाइफाइड, चिकन गुनिया, नजला खांसी आदि से बचाव के लिए एक चिकित्सा कैंप लगाने के लिए कहा गया था उन्होंने तत्काल एक निःशुल्क कैम्प आयोजित कराया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा हर साल इस तरह के आयोजन कराना काबिले तारीफ है। उन्होंने आगे बताते हुए कहा कि आज आयोजित इस शिविर में 120 रोगियों ने लाभ उठाया जिसमें टाइफाइड, मलेरिया ,डेंगू, बुखार, खांसी, नजला, शुगर, हेपेटाइटिस आदि की जांच एवं बीमारियों का इलाज निशुल्क किया गया तथा दवाइयां भी निशुल्क दी गई। इस मोके पर फार्मासिस्ट हरीश रावत, फैजान खान,डॉ दानिश जैदी, सफदर हाशमी, दिलशाद अहमद, जुबैर जैदी, सुब्हान फरीदी,साजिद अली,नौशाद अहमद,शाकिर अहमद, इशियाक अली, बानो पुष्पक,जीशान अहमद, इंजिनियर फैसल जैदी, कांग्रेस नेता मुहम्मद यूसुफ अंसारी आदि मौजूद रहे।

फिरोजाबादः आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रैवलर बस खड़े ट्रक से टकराई, 1 की मौत और 15 से ज्यादा घायल

प्रातः किरण संवाददाता

फिरोजाबाद,। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक सड़क दुर्घटना में एक यात्री की मौत हो गई और 15 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, थाना नसीरपुर क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे यात्रियों से भरी तेज रफ्तार ट्रैवलर बस खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मिनी बस आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में एक यात्री की मौके पर मौत हो गई और 15 से ज्यादा घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद तुरंत पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

सभी को इलाज के लिए पास के अस्पताल पहुंचाया गया है।

बताया जा रहे कि बस में कुल 17 यात्री सवार थे।

सभी अयोध्या से मथुरा दर्शन के लिए जा रहे थे।

सभी यात्री गुजरात के दादरा नगर हवेली के निवासी बताए जा रहे हैं।

अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि थाना नसीरपुर क्षेत्र में एक्सीडेंट हुआ है।

108 एंबुलेंस से मरीजों को लाया गया है, जिनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है।

हमने उन्हें फिरोजाबाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है।

ये लोग गुजरात के दादरा नगर हवेली के निवासी बताए जा रहे हैं।

एक यात्री की मौत हुई है।

बता दें कि इससे पहलेअक्टूबर में यूपी के कानपुर में एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।

यह हादसा रामादेवी से पनकी भौती जाने वाले हाईवे पर हुआ था।

हाईवे पर सुबह एक तेज रफ्तार डंपर के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया था, जिससे डंपर के पीछे चल रही कार उसमें जा टकराई, इसके बाद दोनों वाहनों के पीछे चल रहे ट्राला ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी।

दो ट्रकों के बीच कार के एक्सीडेंट में परखच्चे उड़े गए थे।

इस हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

मॉर्निंग वॉक के लिए निकले जेएस इंटर कॉलेज के प्रवक्ता की सड़क हादसे में मौत

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। मॉर्निंग वॉक के लिए कैलसा रोड पर जा रहे शहर के जेएस हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रवक्ता की सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि, इस हादसे में उनके दो अन्य साथी गंभीर घायल हो गए। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। घायलों को तुरंत ही अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, हादसे को अंजाम देने वाला आरोपी चालक वाहन लेकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रवक्ता की मौत की जानकारी मिलते ही शिक्षकों में हड़कंप मच गया। अमरोहा देहात थाना क्षेत्र में कांठ रोड स्थित गांव ढ़हकबाड़ा निवासी 50 वर्षीय डा. राजवीर सिंह यादव शहर के जेएस हिन्दू इंटर कॉलेज में प्रवक्ता थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी है। दोनों की शादी हो चुकी है। बेटा और पुत्रवधू बस्ती जिले में एक बैंक में नौकरी करते हैं जबकि बेटी जम्मू कश्मीर में एक केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका है।

डा.राजवीर सिंह यादव अपनी पत्नी के साथ शहर के मोहल्ला मंडी चौब में रहते थे।

रोजाना की तरह शुक्रवार सुबह वह मॉर्निंग वॉक के लिए कैलसा रोड पर जा रहे थे। मोहल्ले में ही रहने वाले पवन शर्मा व दिलीप टंडन भी उनके साथ में थे। जैसे ही अमरोहा देहात थाना क्षेत्र की सीमा में पहुंचे तभी घने कोहरे में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसे में डा.राजवीर सिंह यादव की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पवन शर्मा व दिलीप टंडन भी घायल हो गए।

हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

घायलों का उपचार चल रहा है।

फरोजाबाद में तीर्थयात्रियों से भरी बस कैंटर से टकराई, तीन की मौत, पांच घायल

प्रातः किरण संवाददाता

फिरोजाबाद।जनपद के नसीरपुर थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अयोध्या से वृंदावन जा रही एक यात्री बस शुक्रवार को सड़क पर खड़े एक कैंटर से पीछे से टकरा गई जिससे उसमें सवार तीन तीर्थयात्रियों की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में अन्य पांच घायल यात्रियों का इलाज किया जा रहा है। दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अखिलेश भदौरिया ने बताया कि गुजरात से उत्तर प्रदेश की तीर्थ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की एक बस शुक्रवार सुबह एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। यह बस सड़क पर खड़े एक कैंटर से पीछे से टकरा गई जिससे उसमें सवार आठ यात्री बुरी तरह घायल हो गये। उन्होंने बताया कि बस गुजरात के करीब 40 तीर्थयात्रियों से भरी थी और अयोध्या से वृंदावन जा रही थी। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह छह बजे हुआ जिसके बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ग्रामीण ने बताया कि अस्पताल में भर्ती घायलों में से राधा बेन (60 वर्षीय)पत्नी कांतिभाई, इशा पटेल (दो वर्ष) पुत्री बीएल पटेल और 13 वर्षीय युग पुत्र मिलन की उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पांच अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। इस दुर्घटना के बाद राजमार्ग पर यातायात कुछ देर के लिये अवरुद्ध हो गया, लेकिन कुछ देर बाद इसे शुरू करा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों के परिजनों को सूचना भेज दी गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का हुआ समापन

प्रातः किरण संवाददाता

कराकाट(रोहतास) : कराकाट प्रखंड क्षेत्र में छठ महापर्व शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत समापन हो गया। श्रद्धालुओं ने घाटों पर जाकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया और छठ पूजा संपन्न की। सुबह 3 बजे से ही नदी, नहर पोखर आदि घाटों पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। सभी व्रती पूजा की सामग्री लेकर घाट पहुंच रहे थे। इससे पहले गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया था। कई लोगों ने घरों की छतों और तालाबों में भी छठ पूजा की। यह महापर्व चार दिनों तक चलता है। इस दौरान व्रती कठोर उपवास रखते हैं और सूर्य देव की आराधना करते हैं। घाटों पर गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालु भगवान सूर्य को सबसे पहले अर्घ्य देने के लिए आतुर नजर आए। इसे लेकर लोगों में बहुत उत्साह दिखाई दिया। लोग नए कपड़े पहनकर घाटों पर पहुंचे और पूरे विधि-विधान से पूजा की। वहीं महिलाओं ने छठ पूजा के दौरान लोकगीत की गाए । प्रखंड क्षेत्र के मोथा, संसार डिहरी, कुरूर, काराकाट, मोहनपुर, गोडारी, सतोपरासी, देव मारकंडे धाम सहित सभी गांव की नदी, नाहर किनारे बने छठ घाट पर छठ व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का सम्पन्न किया। छठ पूजा के चौथे दिन उगते सूर्य यानी उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ व्रतियों ने 36 घंटे का अपना निर्जला उपवास का पारण किया। सभी के बीच ठेकुआ, फल प्रसाद का वितरण किया गया। प्रखंड के सभी घाटों पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखी । वही जगह जगह छठ पूजा समितियों द्वारा पूजा सामाग्री, चाय, बिस्किट, खीर आदि वितरण किया गया । मौके पर एडीपीओ कुमार संजय, बीडीओ राहुल कुमार सिंह, बीपीआरओ रेणुका कुमारी, सीओ रितेश कुमार, थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, एसआई रोहित कुमार, सहित पुलिस बल व मेडिकल टीम तैनात थी ।

छठ महापर्व पर रंगरोधन व सफाई को लेकर भक्तों में दिखा उमंग

बिक्रमगंज (रोहतास) छठ महापर्व को लेकर बिक्रमगंज नगर परिषद में शुक्रवार के अंतिम दिन भी रंगरोधन और सफाई को लेकर लोगों में दिखा उमंग। जिसको लेकर क्या युवा क्या वयस्क सभी भक्त लोग छठी मईया के आस्था के प्रति शुरू से अंतिम दिन तक घाटों से लेकर सड़कों व गलियों के सौंदर्यीकरण में लगे रहें। अवसर पर छठ घाटों की सफाई को लेकर नगर परिषद ने स्पेशल अभियान चलाया था। जिसमें नगर के सभी छठ घाटों की सफाई किया गया। नगर सभापति मनोरंजन सिंह और उपसभापति अमृता देवी सहित नगर परिषद वार्ड 14 पार्षद प्रविंद्र कुमार सिंह उर्फ मिंटू सिंह ने बताया कि छठ पर्व को लेकर शहरों सहित वार्ड में लगातार सफाई अभियान जारी था। इसके लिए अधिक मजदूर तैनात किए गए थे। जिस पर्व पर देर रात तक सफाई कार्य जारी था। जिस महापर्व को लेकर नगर परिषद काफी सक्रिय रहा। सभी घाटों पर व्रतियों की नदी, नहर, तालाब, पोखरा में गहरे पानी से सुरक्षा और लाईट की व्यवस्था सुव्यवस्थित थी। जिसकी प्रशंसा लोगों की जुबा पर थी।

आस्था : छठ महापर्व के अंतिम दिन उगते सूर्य को व्रतियों ने अर्घ्य देकर मांगी मनोकामनाएं

- मन्नतों और उपासना का कठिन महापर्व है छठ : डॉ. मनीष

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) शुक्रवार को छठ महापर्व भास्कर सूर्य को अर्घ्य देने के साथ शांतिपूर्ण भक्तिमय माहौल में हुई संपन्न।

इस महापर्व पर , रोहतास के बिक्रमगंज, डेहरी सहित सासाराम के समस्त क्षेत्रों में अलग-अलग इलाकों में श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय छठ महोत्सव का समापन किया। वहीं बिहार के राजधानी पटना में भी शुक्रवार को 36 घंटे के निर्जला व्रत के समापन पर विभिन्न घाटों व घरों पर बनें कृत्रिम घाटों पर भी खूब रौनक रही। पर्व के अंतिम शुक्रवार के दिन अहले सुबह से ही लोग घाटों पर एकत्र हो गए थे। जिसमें सैकड़ों घाट दीयों की रोशनी से जगमग किए गए थे। जहां व्रतियों ने उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया। जिस व्रत के समापन पर घाटों पर लोगों के बीच ठेकुआ का प्रसाद भी व्रतियों द्वारा बांटा गया। इस अवसर पर पटना में व्रत कर रहें भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन व उनकी पत्नी नेहा सिंह ने बताया कि छठ महापर्व एक उपासना का एक कठिन पर्व है। जिसके करने से दिल मांगी मन्नतों की छठी मईया पूर्ण करते हुए भक्तों के जीवन में एक नया सबेरा लाती है। जिनकी महिमा का प्रत्यक्ष फल देखते को तत्काल मिल जाता है। जिसमें व्रती महिलाएं कई कठिन नियमों का पालन करती हैं। अंतिम दिन लोगों ने पहले तो बेदी बनाकर वहां छठी माता का पूजा पाठ किया। उसके बाद उगते हुये सूर्य भगवान को अर्ध्य सुबह करीब 6:30 मिनट पर जब सूर्यभगवान के दर्शन हुये तो लोगों ने उन्हें अर्ध्य दिया और अपनी मनोकामनायें मांगी। मौके पर व्रतियों ने नदियों और तालाबों के घाटों पर पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। चार दिवसीय इस महापर्व के चौथे दिन व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने 36 घंटे के निर्जला उपवास का प्रसाद ग्रहण कर पारण भी किया। इस महापर्व पर सभी घाटों पर विशेष व्यवस्था देख वर्ती काफी खुश दिखें।

कपड़ा गोदाम में लगी भीषण आग, डेढ़ करोड़ का नुकसान

आरा । आरा में शुक्रवार की सुबह एक कपड़ा गोदाम में आग लग गई। हादसा शहर के नगर थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ला स्थित गोदाम में हुआ। इस गोदाम में कई व्यापारियों और टेंट हाउस के कपड़े रखे गए थे।गोदाम में ठंड के कपड़े, शादी के कपड़े, शादी सीजन को देखते हुए लहंगा, बनारसी साड़ी समेत महंगे कपड़े और बच्चों का कपड़े थे। सब जलकर खाक हो गए। इस घटना में करीब डेढ़ करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जल कर राख हो गई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा र-ही है। दमकल ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने की सूचना लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को दी। सूचना मिलने के बाद दमकल की करीब 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुटी। इस घटना को लेकर आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

छठ पूजा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : छठ पूजा के अवसर पर गुरुवार की रात्रि प्रखंड क्षेत्र के नोनहर गांव में छात्र युवा संगठन सौजन्य से कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनारा विधायक विजय मंडल ने फीता काट कर किया। जबकि संचालन छात्र युवा संगठन के अजीत कुमार ने किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख बिक्रमगंज राकेश कुमार सिंह उर्फ लाली सिंह, नगर परिषद बिक्रमगंज के पूर्व सभापति रबनवाज खां उर्फ राजू, जिला पार्षद मनोज सिंह, पूर्व मुखिया भागीरथी सिंह, पूर्व मुखिया हिरालाल सिंह, राम वचन सिंह सहित कई लोग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ बिरहा सम्राट बल्लू मस्ताना ने छठ मईया के वंदना से किया। इस के बाद एक से बढ़कर एक नये एवं पुराने गीत कलाकार गायक धनंजय शर्मा और गायिका शिवानी सिंह ने प्रस्तुत किए। वादक कलाकार पप्पू शर्मा, लवजी, कामेंद्र ने अपनी कला से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये।कार्यक्रम को सफल बनाने में छात्र युवा संगठन के सदस्य अरूण सिंह, डब्लू सिंह, मुन्ना गुप्ता, धर्मवीर शर्मा, फिरोज खां, निरंजन गुप्ता, धिरंजन गुप्ता, रंजन पटेल, आशीष कुमार, संजय कुमार, राजू कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई।

रोटी बैंक द्वारा सदर अस्पताल में मरीजों के बीच किया गया छठ प्रसाद का वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा रोटी बैंक द्वारा मरीजों के बीच छठ प्रसाद लगातार तीसरे वर्ष वितरित किया गया।

आरा रोटी बैंक के तत्वाधान स्थानीय सदर अस्पताल आरा में संतोष सिंह भारद्वाज,अखौरी दीपक बिहारी,सोनाली देवी,हर्षिता विक्रम ने प्रसाद फॉर पेशेंट्स कार्यक्रम की शुरूआत प्रसाद वितरण से की।

संतोष सिंह भारद्वाज ने बतलाया आस्था के महापर्व छठ में वैसे मरीज जो विभिन्न अस्पतालों में भर्ती है उनके बीच प्रसाद वितरण करना पुण्य की भागीदारी है।पिछले 2 वर्षों की तरह इस तीसरे वर्ष भी प्रसाद फॉर पेशेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरा रोटी बैंक की स्थापना 14 जनवरी 2019 को करने वाले धनुपरा ग्राम निवासी वर्तमान में सी के रोड चौधरियाना निवासी संतोष सिंह भारद्वाज ने कहा लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का प्रसाद वैसे भर्ती मरीजों के लिए है जो अपनी बीमारी के कारण न तो दिवाली की रौशनी देख पाए न ही छठ महापर्व पूजा को मना पाए ।ऐसे विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों के बीच लगातार तीसरे वर्ष प्रसाद वितरण का अवसर मिलना सुखद है साथ ही प्रसाद वितरण करते हुए उनके जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।आरा रोटी बैंक की अध्यक्ष सोनाली देवी ने बतलाया हमारी संस्था की यह लगातार तीसरे वर्ष प्रसाद फॉर पेशेंट्स कार्यक्रम आयोजन कर इस बार लोक आस्था के महापर्व पर सदर अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद मरीजों के बीच छठ का प्रसाद वितरण किया गया।आरा रोटी बैंक संस्था सामाजिक समरसता से वंचित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने को सदैव प्रयासरत है।अखौरी दीपक बिहारी ने बताया कि विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों तक छठ का प्रसाद पहुंचाया गया।ह्वप्रसाद फॉर पेशेंट्सह्व कार्यक्रम के तहत यह कार्य लगातार तीसरे वर्ष किया गया।सामाजिक संस्था आरा रोटी बैंक के संतोष सिंह भारद्वाज सहित अन्य सदस्यों ने सदर अस्पताल पहुंच कर शुक्रवार को छठ का प्रसाद मरीजों के बीच वितरित किया। संस्था के मुक्तिकांत ने कहा कई कारणों से कुछ लोग छठ महापर्व नहीं कर पाते है।

सुबह में उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का हुआ संपन्न

सभी घाटों को प्रशासन मुस्तैद दिखी

प्रातः किरण संवाददाता

आरा/शाहपुरः पूरे नगर में छठ पूजा की रौनक देखते ही बनी। दोपहर के बाद से ही घाटों पर छठ व्रतियों का पहुंचना शुरू हो गया। बड़ी संख्या में घाटों पर पहुंचकर छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य भेंट किया। समृद्धि, पुत्र प्राप्ति व मंगलकामना के महापर्व छठ पूजा को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी घाटों पर हर साल आते हैं। शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा। मान्यता है कि छठ पूजा के कठिन व्रत को पूरा करने से छठी माई हर मनोकामना पूरी करती हैं।शाहपुर नगर पंचायत में इस बार भी छठ पूजा समितियों ने बढ़िया बंदोबस्त किया। घाटों की सफाई भी की गई। शाम होने से पहले ही व्रती तालाबों व नदियों पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पहुंचने लगे। बड़ी संख्या में छठ व्रती अपने पूरे परिवार एवं गाजे-बाजे के साथ छठ घाट पर पहुंचे। शाम को पूरे विधि-विधान से छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य एवं छठ माता की आराधना की। पूजा को लेकर नगर प्रशासन के पदाधिकारी से लेकर कर्मी तक तत्पर दिखे रऊट संजीत कुमार, रऊढड राजीव चंद्र सिंह स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य लोग भी व्रतियों को पर्व की शुभकामनाएं देने छठ घाटों पर पहुंचे। सबसे ज्यादा भीड़ नगर के वार्ड 01 स्थित न्या पोखरा, वार्ड-02 के शिव मंदिर, वार्ड-06 के नारायणी नदी के तट पर तथा वार्ड -10 के कृषि फार्म स्थित पोखरे समेत अन्य घाटों पर रही। शाहपुर इऊड शत्रुंजय कुमार सिंह नगर के कार्यपालक पदाधिकारी नेशात आलम, फ्ड रश्मि सागर, पु. नि. कमलजीत, अपर थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी महिला दरोगा स्वेता कुमारी सहित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस के जवान पूरी तरह मुस्तैद रहे।

आईटीबीपी के सीनियर कमांडेंट की अंत्येष्टि में शामिल हुए सांसद रुड़ी

- रुड़ी के अभिन्न मित्र ई॰ सत्येन्द्र सिंह के छोटे भाई थे सीनियर कमांडेंट मानवेंद्र सिंह
- चंडीगढ़ में इलाज के दौरान मृत्यु, रिविलगंज के सेमरिया घाट में राजकीय सम्मान से हुआ अंतेष्टि

प्रातः किरण संवाददात

छपरा कार्यालय । सारण से भारतीय जनता पार्टी के सांसद राजीव प्रताप रुडी छपरा के भाजपा नेता व अपने मित्र सत्येन्द्र कुमार सिंह के दिवंगत छोटे भाई आईटीबीपी के सीनियर कमांडेंट मानवेन्द्र सिंह की अंत्येष्टि में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। दिवंगत की अंत्येष्टि रिविलगंज के सेमरिया घाट पर हुआ। इस दौरान छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ,डीआईजी सारण, अपर पुलिस निरीक्षक राज किशोर सिंह , एसएसबी डीआईजी जितेन्द्र सिंह, आई टी बीपी मुख्यालय से कमांडेंड डा दीपक पांडेय, बेलगाँव के कमांडेंट मुकेश धसमाना,पटना के कमांडेंट अशोक गुप्ता ,कमांडेंट उमाकांत कुमार,उप कमांडेंट कुलदीप कु सिंह, विनय सिंह के साथ ही स्थानीय स्तर पर सारण जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अशोक कु सिंह, रमेश प्रसाद मुख्य, प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान, जिला महामंत्री विवेक सिंह, भाजपा नेता शैलेंद्र शेंगर, संजय सिंह, मदन सिंह, सत्यानन्द सिंह, मनोज सिंह, कौशल सिंह, ब्रज भूषण सिंह,ददन सिंह कामेश्वर ओझा, अनुरंजन प्रसाद, सिंह, रिविलगंज सीओ कौशलेंद्र कुमार,थाना प्रभारी सुबाष पासवान, नगर थाना प्रभारी, भगवान बाजार थाना प्रभारी सहित सैकड़ो लोगों ने उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान सांसद रुडी बहुत दुखी और व्यथित दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि हमारे अभिन्न मित्र सत्येंद्र जी के छोटे भाई का असामयिक निधन हमारे लिए पारिवारिक क्षति के समान है। महज 49 वर्ष की उम्र में मनु ने देश सेवा के कई कीर्तिमान स्थापित किये। आईटीबीपी की सेवा में देश और राज्य की सेवा करते हुए इतनी उम्र में सबको छोड़कर चले गये। कई यादें उनके साथ जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ है। इस दुःख को सहने के लिए भगवान पूरे परिवार को अथाह धैर्य प्रदान करें।

दरअसल, छपरा के प्रभुनाथ नगर निवासी सांसद रुडी के अभिन्न मित्र इ॰ सत्येन्द्र सिंह के 49 वर्षीय छोटे भाई जो आईटीबीपी में सीनियर कमांडेंट के पद पर चंडीगढ़ में कार्यरत थे, की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है। दो भाईयों में मानवेंद्र सिंह छोटे भाई थे।

सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र के कन्या प्राथमिक विद्यालय नोनहर के प्रांगण में शुक्रवार को सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनकी जीवनी की चर्चा करते हुए समाज को एक जुट करने का संकल्प लिया। पूर्व प्रधानाध्यापक रामाकांत देशमुख ने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के बाद पूरे भारत के राजतंत्र को समाप्त कर जनता का राज कायम किया था। अखंड भारत उनकी देन है। जिसे बचा कर रखना हम भारतवासियों का कर्तव्य है। कार्यक्रम को जगनारायण चौधरी, सुरेश चौधरी, पूर्व उपमुखिया विजय कुमार पटेल, सहित कई लोगों ने संबोधित किया। मौके पर अरूण चौधरी, कमलेश चौधरी, भैयालाल पटेल, अयोध्या चौधरी, वार्ड पार्षद राजू चौधरी, सत्यनारायण चौधरी, अशोक चौधरी, राधेश्याम चौधरी, सागर सिंह, पुरूषोत्तम चौधरी, कन्हैया चौधरी, नन्हे मालाकार अच्छेलाल चौधरी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी का सफाई अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

गया।छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी ने एक विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया है। इस अभियान में समिति के कई सदस्यों ने भाग लिया और पूरे क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाने का कार्य किया है। इस पहल का उद्देश्य छठ पूजा के दौरान घाटों और रास्तों को स्वच्छ और सुविधाजनक बनाना है ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।सफाई अभियान का कार्य ब्लॉक से शुरू होकर चिड़िया मोड़ और रंका मोड़ होते हुए दानरो नदी के छठ घाट तक चलाया गया है। इस दौरान संस्था के सदस्य सड़क पर बिखरे कचरे और अन्य गंदगी को हटाने में जुटे रहे हैं। मुख्य सड़कों के साथ-साथ घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों को भी पूरी तरह से साफ किया गया ताकि श्रद्धालुओं को पवित्र छठ पूजा के लिए साफ-सुथरा वातावरण मिल सके। संस्था का उद्देश्यः संस्था के सचिव विकास कुमार माली ने सफाई अभियान के दौरान बताया कि छठ व्रत करने वाले श्रद्धालुओं को गंदगी के ऊपर से गुजरना न पड़े, यह सुनिश्चित करना समिति का प्राथमिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि, ह्वहम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरी निष्ठा के साथ सफाई अभियान चला रहे हैं ताकि श्रद्धालु बिना किसी कठिनाई के पवित्र घाटों तक पहुँच सकें। यह पर्व हमारे भारतीय संस्कृति का एक विशेष हिस्सा है और इसे स्वच्छता एवं पवित्रता के साथ मनाना चाहिए।ह्व

समिति का संदेश और भविष्य की योजनाः विकास कुमार माली ने सभी स्थानीय लोगों से अपील की कि वे भी इस सफाई अभियान में सहयोग करें और पर्व के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें। समिति का मानना है कि यदि सभी लोग मिलकर इस प्रयास में योगदान दें, तो छठ पर्व को और भी पवित्र और सुखद बनाया जा सकता है। आगे उन्होंने कहा कि इस सफाई अभियान को नियमित रूप से हर साल किया जाएगा और इसे और भी बड़े स्तर पर चलाने की योजना है ताकि छठ पर्व के समय न केवल रास्ते बल्कि पूरे क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का समर्थनः इस सफाई अभियान की शुरूआत होते ही स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का भी समर्थन मिला है। श्रद्धालुओं ने समिति के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि ऐसी पहल से न केवल सफाई होती है बल्कि आम लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है।

छठ पर्व के प्रति समिति की जिम्मेदारीः छठ पूजा झारखंड सहित कई राज्यों में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है, जिसमें लाखों लोग भाग लेते हैं। इस पर्व पर साफ-सफाई और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाना जरूरी है और कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।इस प्रकार, कन्या विवाह और विकास समिति ने छठ पर्व के अवसर पर क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश देते हुए स्थानीय निवासियों को स्वच्छता और पवित्रता का महत्व समझाया है। इस प्रयास से समिति ने छठ पर्व को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने की एक महत्वपूर्ण मिसाल पेश की है।

बिक्रमगंज से उमराह के लिए आठ लोग हुए रवाना

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : इस्लाम धर्म और अल्लाह की इबादत में यकीन रखने वाले लोग उमराह के लिए मक्का शहर जाते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं । विद्युत विभाग बिक्रमगंज में कार्यरत कार्यपालक सहायक मोहम्मद आदिल खान ने बताया कि हर धर्म में पूजा- पाठ करने का अपना एक तरीका होता है । जैसे कि हिंदू धर्म में ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए जिस तरह से चारधाम यात्रा की जाती है ठीक उसी तरह से इस्लाम को मानने वाले उमराह करते हैं और हज पर जाते हैं । जिस तरह पूजा-पाठ करने से मन को शांति मिलती है ठीक उसी तरह से उमराह करके इस्लाम के मामने वाले सुकून पाते हैं । उमराह करने के लिए लोग सऊदी अरब के सबसे पुराने और पवित्र शहर मक्का जाते हैं । नेता- अभिनेताओं से लेकर एक आम मुसलमान तक,हर वो इंसान जो आर्थिक रूप से समर्थ है और अल्लाह की इबादत में यकीन रखता है,वह उमराह के लिए जरूर जाता है ।

मोहम्मद आदिल ने बताया कि बिक्रमगंज से कुल आठ लोग उमराह करने के लिए मक्का गए हैं

,जिसमें उनके पिता मोहम्मद अनीस खान एवं हाजी मोहम्मद कलीमुद्दीन,डॉ महफूज आलम,हसनैन खान,नुसरत आलम, सईद आलम,मोहम्मद सदरुद्दीन खान, मौलाना गुलाम सरवर का नाम शामिल है ।

प्रभास ने अपनी फीस में किया इजाफा

पैन-इंडियन स्टार प्रभास की लोकप्रियता जैसे-जैसे बढ़ रही है, वह अपनी फीस भी बढ़ा रहे हैं। प्रभास अब सिर्फ दक्षिण भारत ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक स्टार के तौर पर पहचाने जाने लगे हैं। देशभर में उनके करोड़ों प्रशंसक हैं। शायद यही वजह है कि प्रभास अपनी फिल्मों की फीस में भी इजाफा कर रहे हैं।

'फौजी' में सैनिक की भूमिका अदा कर रहे प्रभास

अभिनेता लगातार बड़े बजट की फिल्में साइन कर रहे हैं और उन्होंने हाल ही में हनु राघवपुडी द्वारा निर्देशित फौजी की शूटिंग शुरू की है। यह फिल्म से पहले के युग पर आधारित है। इस फिल्म में प्रभास एक सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं। हनु अपने काव्यात्मक वर्णन के लिए जाने जाते हैं और प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता सेट के माध्यम से इतिहास रचने को तैयार हैं।

फिल्म का बजट पहुंचा चार सौ करोड़

फिल्म 'फौजी' 400 करोड़ रुपये के बड़े बजट पर बनी है। निर्माताओं को यह कॉन्सेप्ट पसंद आया और उन्होंने फिल्म पर बड़ा निवेश करने का फैसला किया। हालांकि, प्रभास की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह फिल्म भी 400 करोड़ रुपये कमा सकती है। प्रभास ने अपनी फीस भी बढ़ा दी है और कुल मिलाकर फिल्म की लागत 400 करोड़ रुपये है।

इमानवी होंगी लीड एक्ट्रेस

प्रभास के अलावा फिल्म में इमानवी लीड एक्ट्रेस हैं और इसका नवीनतम शेड्यूल हैदराबाद में शूट हो रहा है। फिल्म में विशाल चंद्रशेखर को संगीत और बैकग्राउंड स्कोर के लिए शामिल किया गया है। 'मैथ्री मूवी मेकर्स' इसके निर्माता हैं।

प्रभास का वर्क फ्रंट

प्रभास को आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था। उनके आगामी कार्यों की बात की जाए तो वह मारुति की 'राजा साब' की भी शूटिंग कर रहे हैं और फिल्म को 2025 की गर्मियों में रिलीज करने का लक्ष्य रखा गया है।

सिटाडेल में अपनी भूमिका को चुनौतीपूर्ण मानती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु अपनी आगामी सीरीज सिटाडेल- हनी बनी में बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन के साथ नजर आने वाली हैं। सामंथा ने दिल खोलकर इस फिल्म के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म उनके लिए कितनी महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने फिल्म की जटिलता को लेकर भी बात की है।

सामंथा रुथ प्रभु सोशल मीडिया पर दिए जवाब

सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आस्क मी एनीथिंग सेशन की मेजबानी की। इस दौरान प्रशंसकों ने भी उनके जीवन, काम से जुड़ी बातों के सवाल किए। एक प्रशंसक ने इस दौरान सामंथा से पूछा कि सिटाडेल- हनी बनी में अपनी भूमिका के लिए उन्हें कितनी मेहनत करनी पड़ी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके द्वारा निभाए गए किरदार से क्या उम्मीद की जा सकती है।

अपनी फिल्मों को लेकर बोलीं सामंथा

सामंथा ने बताया कि मैंने खुद से वादा किया था कि मैं जिस भूमिका को निभाऊंगी उसमें खुद को चुनौती दूंगी। हर चुनौती पिछली चुनौती से ज्यादा बड़ी होगी। मैंने अतीत में कुछ गलतियां की हैं। चीजें सच में काम नहीं आईं और मैं असफलता को स्वीकार करती हूं। साथ ही, मैं यह भी स्वीकार करती हूं कि पिछली कुछ फिल्मों में मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया होगा।

सिटाडेल को लेकर बोलीं सामंथा

सामंथा ने कहा कि वह अपनी आगामी ओटीटी सीरीज सिटाडेल हनी बनी को लेकर गर्व और आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सिटाडेल एक ऐसी सीरीज है, जिसके लिए वह बहुत ही गर्व महसूस करती हैं। इसकी रिलीज के पहले ही वह अपनी परफॉर्मेंस को लेकर बहुत खुश हैं। मैं इस फिल्म को पूरा कर पाई। इसके लिए भी मैं बहुत गर्व महसूस कर रही हैं।

चुनौती भरा है फिल्म का किरदार

सामंथा ने कहा कि यह उनके लिए चुनौती भरा किरदार रहा है। इसे मैंने निभाया है, लेकिन मैं आपको भी मौका देती हूं कि आप इसमें मेरी भूमिका का आकलन कर पाएं।

क्या अल्लू अर्जुन से डर गए हैं विक्की कौशल, पुष्पा 2 की वजह से छावा में बदलाव

अल्लू अर्जुन और विक्की कौशल की फिल्म दिसंबर में एक दिन के अंतरात में रिलीज हो रही हैं, ऐसे में जानकारी आई है कि विक्की की फिल्म छावा की तारीख बदली जा सकती है, क्योंकि अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 को लेकर दर्शकों की उत्सुकता ज्यादा नजर आ रही है। अल्लू अर्जुन की एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2, 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। वहीं विक्की कौशल की ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म छावा 6 दिसंबर को रिलीज होगी। ऐसे में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अल्लू की पुष्पा 2 से बॉक्स ऑफिस पर टकराव से बचने के लिए विक्की की छावा की नई रिलीज डेट की तलाश जारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ स्टाइलिश स्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2 के साथ टकराव से बचने के लिए बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की फिल्म छावा 6 दिसंबर 2024 को रिलीज नहीं होगी। विक्की कौशल की आगामी बहुचर्चित ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म छावा मराठा राजा संभाजी के जीवन पर आधारित है, जिनकी भूमिका में विक्की कौशल नजर आएंगे। लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजन द्वारा निर्मित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, रिलीज से एक महीने पहले, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2- द रूल के साथ टकराव से बचने के लिए छावा के निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख बदलने का फैसला किया है। एक नई रिलीज डेट की तलाश है, जो अपने पहले भाग की सफलता के बाद काफी प्रतीक्षित है। 17 दिसंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई पुष्पा की तरह ही पुष्पा 2 भी दिसंबर महीने की 5 तारीख को रिलीज के लिए तैयार है।

परिणीति चोपड़ा ने शुरू की नई फिल्म की तैयारी

त्योहारों का मौसम खत्म होने के बाद अब फिल्म सितारे काम पर लौटने लगे हैं। परिणीति चोपड़ा भी इन्हीं कलाकारों में से एक हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने परिवार के साथ दिवाली मनाने के बाद काम शुरू कर दिया। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी है। परिणीति ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा करते हुए जानकारी दी है कि वह अपनी आगामी प्रोजेक्ट की तैयारी कर रही हैं। साथ ही, उन्होंने अपने नए लुक से भी लोगों को रूबरू करवाया, जो उनकी अगली फिल्म में दर्शकों को देखने को मिलेगा। दरअसल, अभिनेत्री ने किरदार की वजह से अपने बालों को कलर करवाया है। तस्वीरों में उन्हें नए रंग के बालों के साथ काफी खुश देखा जा सकता है। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, नई फिल्म, नए बाल... तैयारी शुरू। इस पोस्ट के कुछ ही देर में प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में परिणीति को शुभकामनाएं देनी शुरू कर दीं। एक प्रशंसक ने लिखा, बहुत उत्साहित हूं, शुभकामनाएं, परी। एक अन्य ने लिखा, ऑल द बेस्ट परिणीति।

इस फिल्म में दिखी थीं परिणीति

परिणीति को आखिरी बार अमर सिंह चमकीला में देखा गया था। इस फिल्म में वह दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आई थीं। इम्तियाज अली ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। अमर सिंह चमकीला ने पंजाब के मूल रॉकस्टार की अनकही सच्ची कहानी पेश की थी, जो गरीबी की छाया से उभरकर 80 के दशक में अपने संगीत की शक्ति के कारण लोकप्रियता की ऊंचाइयों पर पहुंचे।

फैंस को पसंद आई थी अदाकारी

अमर सिंह चमकीला की लोकप्रियता से कई लोग नाराज भी हुए, जिसके कारण 27 साल की कम उम्र में उनकी हत्या कर दी गई। दिलजीत ने इस फिल्म में चमकीला का किरदार निभाया था। वहीं, परिणीति अमर सिंह चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर की भूमिका में थीं। फैंस को उनकी अदाकारी खूब पसंद आई थी।

जान्हवी कपूर-सारा अली खान-अनन्या पांडे जैसे नहीं दिखना चाहतीं नोरा फतेही

नोरा फतेही बॉलीवुड में अपने शानदार अभिनय और बेहतरीन डांस नंबर्स के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में, नोरा ने खुलासा किया कि उन्हें अपने स्टाइलिस्ट और निर्माताओं से यह कहना पड़ता है कि वह उन्हें जान्हवी कपूर, सारा अली खान और अनन्या पांडे की तरह कपड़े न पहनाएं। आखिर नोरा ने ऐसा क्यों कहा?

मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव के दौरान एक इंटरव्यू में नोरा ने बॉलीवुड में स्टाइलिंग के बारे में अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की। कनाडाई डांसर, जो हमेशा बॉलीवुड में अपने अनुभवों के बारे में बेबाकी से बोलती आ रही हैं। नोरा ने बताया कि जब इंडस्ट्री में स्टाइलिंग की बात आती है तो उन्हें अपने सुझाव सामने रखना पड़ते हैं। उन्होंने बताया कि भारत में लंबे समय तक काम करने के बाद, वह अपने स्टाइलिस्टों से बात कर सकती हैं और कह सकती हैं कि वे उन्हें अनन्या पांडे, जान्हवी कपूर और सारा अली खान की तरह कपड़े न पहनाएं, क्योंकि उनका बॉडी स्टाइल अलग है। उन्होंने कहा कि उनके लिए उनका तर्क समझना अक्सर मुश्किल हो जाता है, लेकिन आखिरकार वे मान जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने अनुभव को याद करते हुए नोरा ने कहा, मेरे सामने कई ऐसे संघर्ष आते हैं, जिनमें मुझे स्टाइलिस्टों और निर्देशकों पर दबाव डालना पड़ता है, क्योंकि वे कुछ खास कपड़े बनाते हैं और कहते हैं, अच्छा, दूसरे लोग तो ये पहन रहे हैं। नोरा का यह भी मानना है कि बाकी अभिनेत्रियों द्वारा पहने गए कपड़े पहनने से कोरियोग्राफी और डांस की सुंदरता से ध्यान हट जाएगा। नोरा ने 2013 में बॉलीवुड फिल्म रोर- टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। तब से, वह भारत, भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया, मडगांव एक्सप्रेस और क्रैक जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वह माणिके, एक तो कम जिंदगानी, कमरिया, दिलबर और अन्य जैसे लोकप्रिय गानों में अपनी बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं।

सिंघम 3 के बाद इन फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे अजय, एक्शन रोमांस-थ्रिलर सब कुछ होगा जबर्दस्त

अजय देवगन बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता हैं। उनकी फिल्मों की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस फिल्म में अजय देवगन का एक्शन अवतार एक बार नहीं बल्कि इसकी पिछली किस्तों में भी नजर आ चुका है। साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम, साल 2014 में रिलीज हुई सिंघम रिटर्न्स और साल 2024 में इसकी तीसरी किस्त सिंघम अगेन के नाम से रिलीज हुई है, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए आयाम हासिल कर रही है। वहीं अब अजय अपनी बाकी फिल्मों के सीक्वल में भी नजर आने वाले हैं।

इन फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे अजय

अजय देवगन ने सिंघम 3 में अपने धमाकेदार एक्शन से सभी को चौंका दिया है। यह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है। वहीं इस फिल्म के अलावा भी अजय कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे, जिनकी शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। इस लिस्ट में रेड 2, दे दे प्यार दे 2 और सन ऑफ सरदार 2 शामिल हैं।

रेड 2

रेड 2 राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित एक आगामी थ्रिलर फिल्म है। इसमें अजय देवगन के अलावा इलियाना डिक्रूज, रितेश देशमुख, वाणी कपूर, पूनम झावर और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 2018 में रिलीज हुई रेड की अगली कड़ी है रेड 2। फिल्म की घोषणा अप्रैल 2020 में की गई थी, जबकि प्री-प्रोडक्शन अगस्त 2022 में शुरू हुआ था। फिल्मांकन 2024 की पहली छमाही में मुंबई, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में हुआ। रेड 2, 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दे दे प्यार दे 2

दे दे प्यार दे 2 का निर्देशन अंशुल शर्मा कर रहे हैं। अजय देवगन, तब्बू, रकुल प्रीत सिंह, आर माधवन नजर आएंगे। यह 50 वर्षीय व्यक्ति के साथ आयशा के रोमांस के प्रति उसके परिवार की चिंताओं पर आधारित है। इस फिल्म के सीक्वल में अजय के साथ फिर से रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सन ऑफ सरदार 2

सन ऑफ सरदार 2 आगामी एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा करेंगे और इसका निर्माण अजय देवगन करेंगे। 2012 में इस फिल्म का सीक्वल रिलीज हुआ था, जिसमें अजय के साथ सोनाक्षी सिन्हा की जोड़ी नजर आई थी। वहीं इस बार सन ऑफ सरदार 2 में अजय के साथ मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी। इसके अलावा फिल्म में पिछली बार की तरह इसके सीक्वल में भी संजय दत्त नजर आएंगे। यह फिल्म अगले साल 2025 को रिलीज होगी।

घाटी का टीजर लॉन्च, खूनी खेल खेलती नजर आएंगी अनुष्का

बाहुबली की देवसेना यानी अनुष्का शेट्टी अपनी आगामी फिल्म घाटी में खूनी खेल खेलती नजर आने वाली हैं। फिल्म की पहली झलक उनके जन्मदिन पर सामने आई है। घाटी की पहली झलक में अनुष्का शेट्टी का लुक बाहुबली की उस देवसेना से मेल खाता है, जिसे बंदी बनाकर महल के बाहर रखा गया था। वहीं, हाथों में अजीब सी डिजाइन बनाए हुए अनुष्का शेट्टी के हाथ में हसिया दिख रहा है। ट्रेलर में अनुष्का बहुत गुस्से और नफरत के साथ अपने दुश्मन को हसिए से मारती नजर आ रही हैं।

अनुष्का शेट्टी के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म घाटी का पोस्टर साझा किया। इसके बाद शाम को ही फिल्म की पहली झलक भी मेकर्स ने साझा की है। मेकर्स ने पोस्ट में बताया कि फिल्म घाटी का वीडियो शाम 4 बजकर 5 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होने वाली है। साझा की गई पोस्ट में मेकर्स ने अनुष्का को रानी कहकर संबोधित किया है। अनुष्का शेट्टी की फिल्म कथानार साल 2025 में रिलीज होनी है। फिल्म की रिलीज को अभी समय है, लेकिन प्रशंसक अपनी पसंदीदा अभिनेत्री को देखने के लिए उत्साहित हैं। बात करें हिंदी फिल्मों की तो अनुष्का को अजय देवगन की फिल्म सिंघम में नजर आई थीं। इस फिल्म को भी प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था।

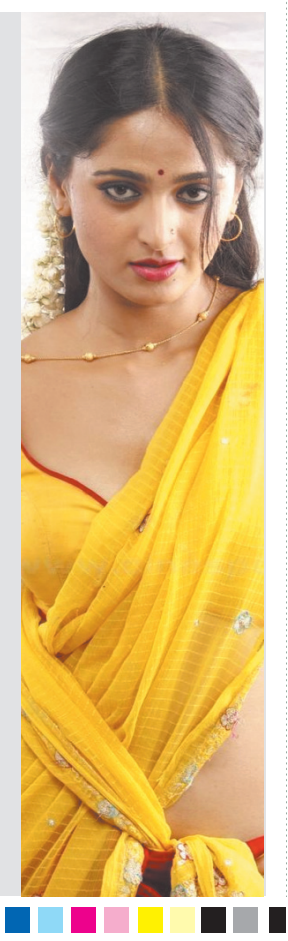

संक्षिप्त समाचार

शहरी इलाके की तुलना में दोगुनी बढ़ी ग्रामीण खपत

नईदिल्ली, एजेंसी। शहरी और ग्रामीण बाजारों में उपभोक्ता मांग में क्रमिक सुधार देखा गया और भारत के अधिकतर क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्र मात्रा वृद्धि के मामले में शहरी क्षेत्रों से आगे निकल रहे हैं। 'डेटा एनालिटिक्स फर्म' नीलसनआईक्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय स्र्स्स्त उद्योग में जुलाई-सितंबर तिमाही में 1.5 प्रतिशत कीमत वृद्धि पर 5.7 प्रतिशत मूल्य-आधारित वृद्धि और 4.1 प्रतिशत मात्रा वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 की तीसरी तिमाही में शहरी उपभोग वृद्धि 2.8 प्रतिशत रही, जबकि ग्रामीण वृद्धि पिछली तिमाही के 5.2 प्रतिशत से बढ़कर छह प्रतिशत हो गई जो शहरी वृद्धि की तुलना में दो गुना है। छोटी तथा मध्यम एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं बनाने वाली) कंपनियों ने कुछ तिमाहियों में गिरावट का सामना करने के बाद वापसी की है। मूल्य और मात्रा के मामले में बड़ी एफएमसीजी कंपनियों की तुलना में खाद्य क्षेत्र की मदद से उनकी वृद्धि तेज रही। रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य उपभोग वृद्धि दर 2024 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई, जबकि दूसरी तिमाही में यह 2.1 प्रतिशत थी। इसमें कहा गया कि एचपीसी (होम एंड पर्सनल केयर) श्रेणियों में खपत वृद्धि 2024 की तीसरी तिमाही में छह प्रतिशत पर स्थिर रही।

एचडीएफसी के ग्राहकों के लिए अहम खबर, बैंक ने दिया बड़ा झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक से लोन लेना अब महंगा हो गया है। बैंक ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट्स में बदलाव किया है। बता दें कि बैंक ने अपने चुनिंदा अवधि वाले कर्ज के लिए एमसीएलआर में इजाफा किया है। निजी बैंक ने इसे 5 आधार अंक यानी 0.05 फीसदी बढ़ा दिया है। एचडीएफसी बैंक की वेबसाइट पर जारी सूचना के अनुसार, एक साल की अवधि के लिए मानक एमसीएलआर दर को 9.45 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। इसी के आधार पर ज्यादातर कंज्यूमर कर्ज मसलन वाहन और पर्सनल लोन की दरें तय की जाती हैं। हालांकि, एक दिन के लिए स्र्स्स्र 9.10 प्रतिशत से बढ़कर 9.15 प्रतिशत हो गई है, जबकि एक महीने की दर 0.05 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब 9.20 प्रतिशत हो गई है। अन्य मेच्योरिटी अवधि वाले कर्ज के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, नई दरें 7 नवंबर, 2024 से प्रभावी हो गई हैं। आपको बता दें यह दर वृद्धि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से लगातार दसवीं बार अपनी पॉलिसी रेट रेपो को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने के निर्णय के बाद की गई है।

अमेरिका संग कारोबार को नई दिशा दे सकती है ट्रंप की जीत; एफटीए के भी पूरा होने की गुंजाइश

नईदिल्ली, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के साथ ही अब भारत और अमेरिका में कारोबार को नए सिरे से परिभाषित करने और बढ़ावा देने की तैयारी हो सकती है। अगर अमेरिका सकारात्मक कदम उठाता है तो भारत भी अमेरिकी कंपनियों के लिए आसान बाजार पहुंच की पेशकश कर सकता है। दोनों देशों में लंबे समय से उच्च टैरिफ को लेकर विवाद है। सूत्रों के मुताबिक, ट्रंप ने हाल ही में भारत को व्यापार संबंधों का बहुत बड़ा दुरुपयोगकर्ता बताया था। अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान अमेरिका की ओर से सभी आयातों पर टैरिफ बढ़ाने का उन्होंने वादा भी किया था। 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति के अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने टैरिफ को लेकर भारत को आंखे दिखाई?थी, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बेहतर संबंध बनाए रखा।

हालांकि, ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम समय में भारत और अमेरिका अपने मतभेदों को पाटने के प्रयास में एक सीमित समझौते पर बातचीत करने पर सहमत हुए। एक सूत्र ने बताया, अगर इसका अर्थ भारतीय वस्तुओं के लिए बेहतर व्यापार शर्तों का मतलब है तो भारत अमेरिकी कंपनियों के प्रवेश के लिए टैरिफ घटाने को तैयार है।

व्यापार मामलों में ट्रंप का नजरिया लेन-देन वाला है। इससे भारत को बातचीत में मदद मिलती है। मोदी दुनिया के उन पहले नेताओं में से एक थे, जिन्होंने ट्रंप की ऐतिहासिक जीत के बाद उनसे टेलीफोन पर बात की। 2023 में 120 अरब डॉलर के निर्यात के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का शीर्ष निर्यात गंतव्य है।

अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आयात शुल्क कम कर सकता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका में भारत के राजदूत रहे हर्ष वर्धन श्रृंगला ने कहा, उस दौरान हमारे बीच काफी अच्छा तालमेल था। मुझे लगता है कि उनका दूसरा कार्यकाल और भी बेहतर होगा, क्योंकि दोनों पक्षों ने एक आपसी समझ और सम्मान विकसित किया है, खासकर लीडर के स्तर पर। श्रृंगला ने कहा, ट्रंप के पहले कार्यकाल में भारत ने एक मिनी व्यापार सौदा लगभग पूरा कर लिया था। पर, कोरोना के कारण यह आगे नहीं बढ़ पाया। उनके दूसरे कार्यकाल के समय मुक्त व्यापार समझौता पूरा होने की गुंजाइश है। भारत ट्रंप के इस कार्यकाल में अमेरिका से अपने व्यापार संबंधों को लेकर चिंतित नहीं है, क्योंकि चीन उनके टैरिफ खतरों के लिए मुख्य केंद्र में है। व्हाइट हाउस पर भले ही किसी का भी कब्जा हो, पिछले दशक में दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध बढ़ते रहे हैं।

एंजल वन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप की जीत से अमेरिका और भारतीय शेयर बाजार को बढ़ावा मिलेगा। ट्रंप को बाजार समर्थक माना जाता है, इसलिए जीत सोने पर सुहागा है। इससे निवेशकों का विश्वास बढ़ सकता है। भारतीय शेयर बाजारों में विशेष रूप से चीन+1 रणनीति के कारण अल्पकालिक तेजी देखी जा सकती है, जहां वैश्विक कंपनियां चीन से परे अपने विनिर्माण आधार में विविधता लाने की कोशिश कर रही हैं। भारत एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरा है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को 50 अरब डॉलर का झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आज फिर गिरावट दिख रही है। बीएसई पर यह 1.5 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 1278.70 रुपये पर पहुंच गया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में कंपनी का शेयर उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन उसके बाद से इसके मार्केट कैप में करीब 50 अरब डॉलर यानी करीब 42,18,63,25,00,000 रुपये की गिरावट आई है। अभी इसका मार्केट कैप करीब 17,39,586.54 करोड़ रुपये रह गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर आय और इकनॉमिक स्लोडाउन के कारण रिलायंस संघर्ष कर रही है। एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बिजनस रिफाइनिंग से लेकर रिटेल तक फैला है। इस साल कंपनी के शेयरों में कम ही तेजी देखने को मिली है। यह बेंचमार्क एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स से लगभग एक दशक में सबसे बड़े अंतर से पीछे है। हाल के महीनों में विदेशी बिकवाली और इनकम ग्रोथ की चिंताओं के कारण शेयर मार्केट में भारी गिरावट आई है। इसके बावजूद देश के प्रमुख सूचकांक अब भी 2024 में एशिया के सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले प्रमुख बाजारों में से हैं।

भारत ने रूसी तेल खरीदकर पूरी दुनिया का भला किया, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने बताया

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले से वैश्विक तेल कीमतों में संभावित उछाल को रोकने में मदद मिली है। अबू धाबी में सीएनएन की बेकी एंडरसन के साथ एक साक्षात्कार में, केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि अगर भारत सरकार ने रूसी तेल नहीं खरीदा होता, तो वैश्विक तेल की कीमत सभी के लिए 200 डॉलर तक बढ़ जाती। उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में तेल दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। पुरी ने कहा, वर्ष 2026 तक, जब बाजार में अधिक ऊर्जा उपलब्ध होगी, स्थिति का अध्ययन करने वाले के रूप में, मुझे लगता है कि कीमतों के स्थिर रहने और नीचे आने की संभावना अधिक है।

यह पूछे जाने पर कि भारत ने अक्तूबर में रूस से तेल आयात में लगभग 10 प्रतिशत की कमी क्यों की, पुरी ने बताया कि ऐसा बाजार में प्रतिस्पर्धी तेल दरों के कारण हुआ। उन्होंने कहा, अन्य लोग भी उसी प्रतिस्पर्धी दर पर आपूर्ति करने को तैयार हैं, क्योंकि ओपेक की स्थिति यह है कि वे कीमत से नहीं निपटते। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा चल रही है। यदि आपको यह किसी एक से नहीं मिलता है, तो आपको यह किसी और से मिलता है। यह पूछे जाने पर कि क्या रूसी तेल आयात में कमी एक रणनीतिक निर्णय था, मंत्री ने कहा, ये तेल के बारे में बाजार में लिए गए निर्णय हैं। जब रूस यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ बाजार में 13 मिलियन बैरल रूसी तेल था, यदि अचानक वह तेल बाजार से चला जाता और भारत ने अपने 5 मिलियन बैरल की खरीद को खाड़ी के आपूर्तिकर्ताओं को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया होता, तो तेल की कीमत 200 प्रति बैरल हो जाती। इसलिए मुझे लगता है कि हमने सभी का उपकार किया है।

भारत आने वाले समय में दुनिया के लिए बनेगा महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र : केवी कामथ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में बैंकिंग प्रणाली को वैश्विक अस्थिरता के बीच मजबूती से खड़ा रखने के लिए स्थानीय ऋणदाताओं को अपनी रणनीतियों में सुधार करने की जरूरत है, खासकर अनसिक्योर रिटेल लोन (जैसे क्रेडिट कार्ड और माइक्रोफाइनेंस) के मामले में। आइसीआइसीआइ बैंक के पूर्व प्रमुख और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन के वी कामथ ने हाल ही में एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की है। कामथ ने इस साक्षात्कार में भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति, वैश्विक घटनाओं का प्रभाव, चीन की अर्थव्यवस्था और भारतीय कंपनियों द्वारा पूंजीगत खर्च के बारे में भी अपनी राय व्यक्त की।

के वी कामथ ने कहा कि वर्तमान में भारत के जैसी कोई और अर्थव्यवस्था नहीं है, जो वैश्विक संदर्भ में इतनी अच्छी स्थिति में हो। उनका मानना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए आने वाले 25 वर्षों का समय बहुत महत्वपूर्ण है और भारत आने वाले दशकों तक दुनिया के लिए एक अहम आर्थिक केंद्र बनेगा। कामथ ने अमेरिकी चुनावों के भारतीय निवेशकों पर प्रभाव के बारे में कहा कि यह देखना जरूरी है कि किसी भी वैश्विक घटनाक्रम से भारत पर किस प्रकार का अस्थिरता असर हो सकता है। भारतीय निवेशकों को इन घटनाओं के असर से बचने के लिए तैयार रहना चाहिए और जो हालात पिछले दो वर्षों में आए, उनसे सीखा जा चुका है कि किस प्रकार ऐसे शॉक को सहन किया जा सकता है। चीन की अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए दिए गए बड़े प्रोत्साहन पैकेज के बारे में कामथ ने कहा कि यह चीन के लिए जरूरी था ताकि वह अपनी वृद्धि दर पर लौट सके। .18 ट्रिलियन से अधिक का यह पैकेज चीन के लिए आवश्यक है, ताकि वह वैश्विक परिवर्तनों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सके।

उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक की प्रशंसा करते हुए कहा कि कोविड-19 के दौरान केंद्रीय बैंक और सरकार ने शानदार तरीके से अर्थव्यवस्था को संभाला। रिजर्व बैंक ने बिना किसी जल्दबाजी के बहुत ही सोच-समझकर कदम उठाए, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था संकट के बावजूद संभल पाई।

कामथ ने बताया कि भारतीय कंपनियों द्वारा पूंजीगत खर्च में अभी भी अस्थिरता बनी हुई है, हालांकि बड़ी औद्योगिक कंपनियां इस खर्च को बढ़ाने में सक्षम रही हैं। उनका मानना है कि कंपनियों को इस खर्च में वृद्धि के लिए क्षमता विस्तार और नए क्षेत्रों में निवेश की आवश्यकता है। कोविड के दौरान भारतीय कंपनियों ने उत्पादन में तेजी से वृद्धि की और यह बिना बड़े निवेश के केवल प्रक्रिया सुधार और ऑटोमेशन के जरिए संभव हुआ। भारत में चीन से अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए चल रही चीन प्लस एक रणनीति के बारे में चर्चा की। हालांकि, उन्होंने बताया कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इस साल नकारात्मक रहा है और यह ज्यादातर निजी इक्विटी कंपनियों के एक-दूसरे से खरीदारी के रूप में देखा जा रहा है। के वी कामथ ने भारतीय बैंकिंग उद्योग की स्थिरता पर चर्चा की और बताया कि बैंकिंग प्रणाली को अब अनसिक्योर पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे ऋणों के मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है

सोनालीका ने अक्टूबर24 में 20,056 कुल ट्रैक्टरों के साथ अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री का रिकॉर्ड सीज़न दर्ज किया

सोनालीका ट्रैक्टर्स का ऐतिहासिक सबसे बड़ा मासिक प्रदर्शन किसानों के लिए अनुकूलित ट्रैक्टर बनाने और कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने के कंपनी मिशन के अनुरूप है

नई दिल्ली एजेंसी। सबसे बड़े त्योहारी सीज़न के दौरान किसानों के लिए अधिकतम खुशी सुनिश्चित करते हुए, भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अक्टूबर24 में 20,056 कुल ट्रैक्टरों के अपने सर्वाधिक मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। सोनालीका ट्रैक्टर्स के इतिहास में सबसे बड़ा मासिक प्रदर्शन किसानों के लिए अनुकूलित ट्रैक्टर बनाने और कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने के कंपनी मिशन के अनुरूप है।

परिवर्तनकारी कृषि विकास के साथ-साथ हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों से कृषि क्षेत्र का उत्थान कर रहा सोनालीका ट्रैक्टर्स किसानों के बीच लगातार एक विश्वसनीय ब्रांड बना हुआ है। सबसे बड़े त्योहारी सीज़न के दौरान, कंपनी ने अपने वार्षिक हैवी ड्यूटी धमाका ऑफर द्वारा किसानों के लिए उचित मूल्य पर उन्नत तकनीक से लैस ट्रैक्टरों की पेशकश की जिससे किसानों को जीवन आगे बढ़ने के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन मिला। देश में अपने सबसे व्यापक डीलरशिप नेटवर्क द्वारा कंपनी ने क्षेत्रीय किसानों की आवश्यकताओं के अनुसार सही और अनुकूलित उत्पाद प्लेसमेंट सुनिश्चित किया और प्रत्येक ट्रैक्टर के साथ असाधारण प्रदर्शन के साथ गुणवत्ता प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया।

इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, हम 20,056 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ पिछले सभी मासिक बिक्री रिकॉर्ड को पार करके उत्साहित हैं, और ये हमारे कृषक समुदाय के साथ साझा किया गया एक गौरवपूर्ण क्षण है। हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक किसान सही ट्रैक्टर तक पहुंचे, जो विश्वसनीय, अनुकूलित और उनकी आवश्यकताओं के लिए तैयार किया गया हो और स्थाई समृद्धि की दिशा में उनकी यात्रा का समर्थन करता हो। हमारी नई उपलब्धि हमें हर कदम पर किसानों को सशक्त बनाने के लिए इंटेलीजेंट, हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करती है।

दो भाइयों का कमाल, घर में उगाया दुनिया का सबसे महंगा मसाला, अब लाखों की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के दो भाइयों नवीन और प्रवीण सिंधु ने कमाल कर दिया है। ये अपने घर में ही कश्मीरी केसर उगाते हैं। उन्?होंने घर के अंदर केसर उगाने का नया तरीका ईजाद किया है। इसके लिए भाइयों ने ईरान और इजरायल की उन्नत एयरोपोनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। इसमें मिट्टी के बिना ही पौधे हवा में उगाए जाते हैं। इस तकनीक से उन्होंने अपने घर की छत पर ही कश्मीरी केसर उगाकर लाखों रुपये कमाए हैं। केसर को दुनिया का सबसे महंगा मसाला कहते हैं। आइए, यहां नवीन और प्रवीण सिंधु की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। 2018 में दोनों भाइयों ने अपने घर की छत पर 15×15 फीट के कमरे को एक छोटी प्रयोगशाला में बदल दिया। यहां उन्होंने एरोपोनिक्स तकनीक का इस्?तेमाल करके केसर उगाना शुरू किया। एरोपोनिक्स एक ऐसी तकनीक है जिसमें पौधे बिना मिट्टी या पानी के, हवा में लटके हुए उगते हैं। उन्होंने इस सेटअप में लगभग 6 लाख रुपये का निवेश किया। इसमें ग्रो लाइट्स, ह्यूमिडिफायर, तापमान नियंत्रण के लिए चिलर और केसर के बल्ब रखने के लिए लकड़ी की ट्रे शामिल थीं।

ऐसे आया आइडिया

प्रवीण सिंधु को यह आइडिया तब आया जब वह एमटेक की पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने अखबार में घर के अंदर केसर उगाने के बारे में पढ़ा था। उन्होंने अपने भाई नवीन को इस बारे में बताया, जो उस समय ब्रिटेन में एक होटल में काम कर रहे थे। 2016 में प्रवीण की पढ़ाई पूरी होने के बाद दोनों भाइयों ने मिलकर यह अनोखा काम शुरू करने का फैसला किया। प्रवीण थाईलैंड गए और वहां उन्होंने कॉर्डिसेप्स मशरूम उगाने की ट्रेनिंग ली। यह मशरूम अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। इस दौरान, नवीन केसर की खेती सीखने के लिए जम्मू-कश्मीर के पंपोर चले गए। पंपोर केसर की खेती का केंद्र है। यहां भारत का लगभग 90 प्रतिशत केसर उगाया जाता है। उन्होंने वहां के किसानों से केसर उगाने की बारीकियां सीखीं। अपनी जानकारी बढ़ाने के लिए उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय का भी दौरा किया। शुरुआत में प्रवीण और नवीन को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्होंने सबसे पहले कश्मीर से 100 किलो केसर के बल्ब ऑनलाइन मंगवाए थे। लेकिन, वे खराब हालत में पहुंचे। इस असफलता से सीखते हुए अगले साल उन्होंने खुद पंपोर जाकर बल्ब खरीदे। 2019 में उन्होंने 100 किलो बल्ब खरीदे और उन्हें उगाने में सफलता मिली। भाइयों ने अपने परिवार और दोस्तों को यह केसर तोहफे में दी। इससे उत्साहित होकर उन्होंने अगले सीजन में बिचौलियों को दरकिनार करते हुए सीधे 700 किलो बल्ब खरीदे। इससेउन्हें सस्ती दर पर बल्ब मिल गए। उस फसल से उन्हें 500 ग्राम केसर मिला, जिसे उन्होंने 2.5 लाख रुपये में बेचा। 2023 में उनकी छोटी सी प्रयोगशाला में 2 किलो केसर की पैदावार हुई।

सार समाचार

पूर्व पाक क्रिकेटर सिकंदर बख्त का तीखा बयान

यह 2 प्लेयर तो बोझ है

लाहौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान के प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व पाक तेज गेंदबाज सिकंदर बख्त ने वरिष्ठ और युवा दोनों खिलाड़ियों के फॉर्म की आलोचना की है। हाल ही में एक साक्षात्कार में बख्त ने युवा बल्लेबाजों अब्दुल्ला शफीक और सैम अयूब को टीम पर 'बोझ' बताया, जिससे पाकिस्तान की टीम के चयन और रणनीति पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया में सफेद गेंद की सीरीज खेलने के लिए पहुंची हुई है। पहले ही वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों में मजेदार जंग हुई थी जिसमें आखिरकार ऑस्ट्रेलिया

जीतने में सफल रहा था। बख्त, जिन्होंने 1976 और 1989 के बीच पाकिस्तान के लिए 26 टेस्ट मैच और 27 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, ने कहा कि वरिष्ठ होने के बावजूद बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आगे नहीं बढ़े हैं, जिससे उनके नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। बख्त ने कहा कि बाबर और रिजवान टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, फिर भी वे कठिन समय में टीम का नेतृत्व नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना ??है कि वनडे में पाकिस्तान के एकमात्र सच्चे मैच विजेता फखर जमान को गलत तरीके से बाहर कर दिया गया। बख्त ने नसीम शाह की लचीलेपन की प्रशंसा की। युवा तेज गेंदबाज ने पहले वनडे में तब शानदार गेंदबाजी की थी जब पाकिस्तान की टीम पहले खेलते हुए 203 रन ही बना पाई थी। नसीम की किफायती गेंदबाजी के कारण एक समय ऑस्ट्रेलिया पर हार का खतरा मंडराने लगा था। लेकिन अंत में पैट कमिंस ने साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिला दी। मैच के दौरान पाक टीम के संघर्ष और रिजवान के कप्तानी कौशल को सराहा गया था। लेकिन जीत न मिलने के चलते रिजवान भी निंदा का शिकार हुए थे। मैच में मोहम्मद रिज़वान 71 गेंदों में 44 रन बनाकर पाकिस्तान के शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि नसीम ने 39 गेंदों में 40 रन जोड़कर पाकिस्तान को प्रतिस्पर्धी स्कोर के करीब ला खड़ा किया था।

भारत-आस्ट्रेलिया ए

स्पिनर को तोहफे में विकेट दे गए के एल राहुल, गाबा टेस्ट से पत्ता कटना तय

मेलबर्न (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में ओपनिंग के लिए दावेदारी पेश करने उतरी केएल राहुल की किस्मत उनका साथ देता दिखाई नहीं दे रही है। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दौरान राहुल जहां पहली पारी में 4 ही रन बना पाए थे तो वहीं, दूसरी पारी में भी उन्होंने अपने क्रिकेट फैंस को निराश कर दिया है। तेज और उछाल लेती पिच पर राहुल फिर से संघर्ष करते नजर आए और मात्र 10 रन बनाकर बोल्ड हो गए। भारत ए टीम अब मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को दूसरी पारी में 5 विकेट पर 73 रन बनाकर खेल रही है। राहुल का इस प्रदर्शन के साथ गाबा में होने वाले पहले टेस्ट से पत्ता कटना तय माना जा रहा है।

भारतीय टीम में सलामी बल्लेबाज के एक अन्य दावेदार अभिमन्यु ईश्वरन भी मूव करती गेंदों पर संघर्ष करते नजर आए जबकि अन्य बल्लेबाजों का भी यही हाल रहा। भारत ए की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी है जबकि उसे केवल 11 रन की बढ़त हासिल है। ऑस्ट्रेलिया ए ने भारतीय टीम को पहली पारी में 161 रन पर आउट करने के बाद अपनी पहली पारी में 223 रन बनाए और इस तरह से उसने 62 रन की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन दूसरी पारी में भी जारी रहा जिससे आस्ट्रेलिया की टीम दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के करीब पहुंच गई है। उसने पहला मैच सात विकेट से जीता था। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे मैच में राहुल अजीब तरीके से आउट हुए। उन्होंने हल्की उछाल लेती गेंद को खेलने का प्रयास ही नहीं किया जो उनके पैड से लगकर विकेटों में समा गई। राहुल 44 गेंद की अपनी पारी के दौरान रन बनाने के लिए जूझते रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के लिए बैकअप सलामी बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में चुने गए अभिमन्यु दूसरी पारी में भी नाकाम रहे। अभिमन्यु पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 31 गेंद पर 17 रन बनाए। शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाजों के भी नहीं चल पाने के कारण भारत ए का स्कोर पांच विकेट पर 56 रन हो गया। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल (नाबाद 19) और नितीश कुमार रेड्डी (नाबाद 09) ने इसके बाद टीम को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया। इससे पहले प्रसिद्ध कृष्णा के चार विकेट और मुकेश कुमार के तीन विकेट की मदद से भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया की टीम को 62.1 ओवर में 223 रन पर आउट कर दिया।

डब्ल्यूपीएल 2025

सभी टीमों की रिटेंशन लिस्ट आई बाहर, यह प्लेयर हुई बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मृति मंधाना, एलिस पैरी, शेफाली वर्मा, मेग लेनिंग और हरमनप्रीत कौर कुछ बड़े नाम है जिन्हें उनकी फ्रेंचाइजी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के अगले सत्र के लिए रिटेन (अपने साथ बरकरार रखना) किया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने बृहस्पतिवार को 14 खिलाड़ियों को रिटेन करने की घोषणा की जिसमें 6 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं। कप्तान स्मृति, स्टार बल्लेबाज पैरी और विकेटकीपर रिचा घोष को डब्ल्यूपीएल चैंपियन टीम ने अपने साथ बरकरार रखा है।

दिल्ली कैपिटल्स ने शेफाली के अलावा जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी जैसी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़े रखा है। विदेशी खिलाड़ियों में लेनिंग, दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप, जेस जोनासेन, एलिस कैप्सी और एनाबेल सदरलैंड को टीम ने अपने साथ बरकरार रखा है। डब्ल्यूपीएल 2025 से पहले मुंबई इंडियन्स ने 14 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है। मुंबई ने कप्तान हरमनप्रीत, नैट स्किवर ब्रंट, हेली मैथ्यूज, सजना सजीवन, सेइका इशाक जैसी खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

रिटेन खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स

भारतीय खिलाड़ी-जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, शिखा पांडे, तानिया भाटिया, मीनू मणि, स्नेहा दीप्ति, टिटास साधु रिटेन की गई

विदेशी खिलाड़ी - मेग लेनिंग, मारिजेन कैप, जेस जोनासेन, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू

भारतीय खिलाड़ी – स्मृति मंधाना, रिचा घोष, सब्बिनेनी मेघना, श्रेयंका पाटिल, आशा शोभना, रेणुका सिंह, एकता बिष्ट, कनिका आहूजा रिटेन की गई

विदेशी खिलाड़ी – केट क्रॉस, डेनियल वॉट हॉज, एलिस पेरी, जॉर्जिया वेयरहैम, सोफी डिवाइन, सोफी मोलिन्यु

मुंबई इंडियंस

भारतीय खिलाड़ी –हरमनप्रीत कौर, शबनिम इस्माइल, यस्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर, सजना सजीवन, सेइका इशाक, अमनजोत कौर, जिंतिमनी कलीता, कीर्तना बालाकृष्णन और अमनदीप कौर।

विदेशी खिलाड़ी – नेट स्काइवर–ब्रंट, हेली मैथ्यूज, अमेलिया केर, शब्निम इस्माइल, क्लो ट्रायोन।

गुजरात जायंट्स (जीजी)

रिटेन खिलाड़ी –एशले गार्डनर*, बेथ मूनी*, भारती फुलमाली, दयालन हेमलता, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, लौरा वोल्वार्ड्ट*, मन्नत कश्यप, मेघना सिंह, फोएबे लिचफील्ड*, प्रिया मिश्रा, सयाली सतघरे, शबनम शकील और तनुजा कंवर।

रिलीज खिलाड़ी – कैथरीन ब्राइस*, लॉरेन चीटल*, ली ताहुहू*, स्नेह राणा, तरन्नुम पठान, त्रिशा पूजिथा और वेदा कृष्णमूर्ति।

यूपी वारियर्स (यूपीडब्ल्यू)

रिटेन खिलाड़ी – एलिसा हीली*, अंजलि सरवानी, चमारी अथापथु*, दीप्ति शर्मा, गौहर सुल्ताना, ग्रेस हैरिस*, किरण नवगिरे, पूनम खेमनार, राजेश्वरी गायकवाड़, साइमा ठाकोर, श्वेता सहरावत, सोफी एक्लेस्टोन*, ताहलिया मैकग्राथ*, उमा छेत्री, और वृंदा दिनेश.

रिलीज खिलाड़ी – लक्ष्मी यादव, पार्श्वी चोपड़ा, एस. यशश्री, और लॉरेन बेल*। पिछले सीज़न में यूपी वारियर्स तीन जीत और पांच हार के साथ चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ़ से चूक गया था।

रुतुराज गायकवाड़ की वकालत में बैठ गए सूर्यकुमार यादव

- **बोले- उनका समय जल्द आएगा...**

डरबन (एजेंसी)। डरबन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 से पहले भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की क्षमताओं पर विश्वास व्यक्त किया, जो श्रृंखला टीम से गायब हैं, और कहा कि उनका समय जल्द ही आएगा। भारत की युवा टीम दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर टी20 सीरीज खेलने के लिए तैयार है। शुक्रवार को डरबन में 4 टी20 मैचों की सीरीज का पहला मैच होना है। यादव की यह टिप्पणी भारत की घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड से 0-3 से टेस्ट सीरीज हार, 12 साल में घरेलू सरजमीं पर किसी टेस्ट सीरीज में पहली हार और तीन मैचों या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज में पहली बार व्हाइटवॉश के बाद आई है।

रुतुराज वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की दो मैचों की श्रृंखला में खेल रहे हैं, जहां उन्होंने बल्लेबाज के रूप में कोई प्रभाव नहीं डाला है। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए मेरा मानना ??है कि उनका समय जल्द आएगा। रुतुराज एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह सभी प्रारूपों में शानदार और निरंतर रहे हैं... ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो उनसे

पहले भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए मुझे लगता है कि प्रबंधन के पास एक दिनचर्या या प्रक्रिया है। रुतुराज ने अब तक 23 मैचों की 20 पारियों में 39.56 की औसत और 143.53 की स्ट्राइक रेट के साथ 633 रन बनाए हैं। वह एक शतक और चार अर्द्धशतक बना चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123* है। उनकी बेहतरीन पारियों के बावजूद उन्हें बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया है।

बहरहाल, भारत चार टी20 मैचों की सीरीज खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचा है। दूसरा टी20 मैच 10 नवंबर को गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में होगा, इसके बाद तीसरा 13 नवंबर को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में होगा। सीरीज का समापन 15 नवंबर को वांडरर्स स्टेडियम में चौथे टी20 मैच के साथ होगा।

भारत की टी20 टीम

सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, अवेश खान, यश दयाल।

चैंपियंस ट्रॉफी

झुका पीसीबी, 'हाइब्रिड मॉडल' अपनाने को तैयार, यूएई में खेलेगा भारत

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने पिछले रुख से पीछे हटते हुए अपनी मेजबानी में होने वाली 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम में बदलाव करने को तैयार है और भारत के मुकाबले यूएई में हो सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसका मतलब यह है कि टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल% में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि मौजूदा सामाजिक-राजनीतिक माहौल और राष्ट्रीय टीम के लिए सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत सरकार के अपनी टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति देने की संभावना नहीं है। पाकिस्तान ने पिछली बार जब 2023 में एशिया कप की मेजबानी की थी तो इसका आयोजन भी 'हाइब्रिड मॉडल' में किया गया था जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा पार यात्रा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र का कहना है कि पीसीबी को लगता है कि भले ही भारत सरकार पाकिस्तान दौरे को मंजूरी ना दे लेकिन कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया जा सकता है क्योंकि पूरी संभावना है कि भारत अपने मैच दुबई या शारजाह में खेलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अपनी ओर से किसी भी बोर्ड को अपनी सरकारी नीति के खिलाफ जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस मामले में अंतिम फैसला कब लेता है। जब अंतिम फैसला होने की संभावना है तब आईसीसी की अध्यक्षता भारत के जय शाह करेंगे। इस बीच पीसीबी आईसीसी पर अगले सप्ताह तक टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करने के लिए दबाव डाल रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था के कुछ शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह फिर से लाहौर का दौरा करने वाले हैं।

सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी के साथ उस संभावित कार्यक्रम पर चर्चा की है जो उन्होंने कुछ महीने पहले भेजा था और वह चाहता है कि 11 नवंबर को उसी कार्यक्रम की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि उन्होंने आईसीसी से कहा है कि संशोधित बजट के साथ एक वैकल्पिक योजना पहले से ही मौजूद है इसलिए संभावित कार्यक्रम जारी करने में देरी करने का कोई मतलब नहीं है। सूत्र ने कहा कि पीसीबी ने आईसीसी से यह भी कहा है कि वह बीसीसीआई पर यह पुष्टि करने के लिए दबाव डाले कि क्या वे अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली प्रतियोगिता के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेंगे। सूत्र ने कहा कि पीसीबी चाहता है कि बीसीसीआई लिखित में दे कि उन्हें अपनी टीम पाकिस्तान भेजने के लिए अपनी सरकार से अनुमति मिली है या नहीं।

पीसीबी द्वारा प्रस्तावित अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार अगले साल एक मार्च को लाहौर में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का मुकाबला होना है। टूर्नामेंट 19 फरवरी 2025 को शुरू होगा जिसका पहला मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में होगा। फाइनल नौ मार्च को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होगा। अस्थायी कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षा और साजों-सामान से जुड़े कारणों से भारत के सभी मैच लाहौर में ही रखे गए हैं। सूत्रों के अनुसार पीसीबी कराची, लाहौर और रावलपिंडी में अपने स्टेडियमों के नवीनीकरण पर लगभग 13 अरब रुपये खर्च कर रहा है जहां चैंपियन्स ट्रॉफी के मैच होने हैं।

चेन्नई ग्रांडमास्टर्स शतरंज -राउंड 3

अर्जुन नें सराना को हराया, विश्व नंबर 2 रैंकिंग पर पहुंचे

चेन्नई (एजेंसी)। फीडे सर्किट 2024 का हिस्सा चेन्नई ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में आज का दिन तीन परिणाम लेकर आया और आज सिर्फ एक मुक़ाबला बेनतीजा रहा । भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी का शानदार खेल आज भी जारी रहा और उन्होने आज सर्बिया के नंबर एक खिलाड़ी अलेक्सी सराना को पराजित करते हुए ना सिर्फ अपने खेल जीवन की सर्वोच्च लाइव रेटिंग 2805.8 हासिल की बल्कि वह पहली बार दुनिया के नंबर 2 खिलाड़ी बन गए है । अब अर्जुन से आगे 2831 अंको के साथ सिर्फ पाँच बार के विश्व चैम्पियन और एक दशक से ज्यादा समय से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन है । अर्जुन नें काले मोहरो से खेलते हुए सराना के खिलाफ आज निमजों इंडियन ओपनिंग मे एक बेहतरीन आक्रामक खेल खेला साथ ही कई मौको पर उन्होने बहुत खतरा भी उठाया पर सराना मिले मौको का फायदा नहीं उठा सके और अर्जुन नें 37 चालों में जीत दर्ज कर दी । आज सिर्फ एक मुक़ाबला बेनतीजा रहा , भारत के विदित गुजराती नें लगातार दो हार के बाद आज हमवतन अरविंद चितांबरम से ड्रॉ खेला और अपना खाता खोला । वहीं ईरान के अमीन तबातबाई नें फ्रांस के मकसीम लागरेव को पराजित करते हुए अपनी दूसरी जीत दर्ज की तो यूएसए के लेवान अरोनियन नें ईरान के परहम मघसूदलू को मात देते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की ।

इंग्लैंड जिन टर्निंग पिचों पर हारी

आईसीसी ने दे दी रेंटिंग, पीसीबी हो गया बागोबाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की हाल ही में इंग्लैंड पर 2-1 टेस्ट श्रृंखला जीत के दौरान इस्तेमाल की गई मुल्तान और रावलपिंडी की पिचों पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रिव्यू किया है। पाकिस्तान इस सीरीज का पहला मैच बुरी तरह हार गया था। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान प्रबंधन ने आगामी दो मैचों के लिए ऐसी टर्निंग पिचें बनाई जिसके आगे इंग्लैंड की टीम नतमस्तक हो गई और आगामी दोनों टेस्ट गंवा दिए। क्या पिचों के साथ माणक से ज्यादा छेड़छाड़ की गई, इस पर आईसीसी की टीमों ने जांच की थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इस जांच में कोई आंच नहीं आई है क्योंकि आईसीसी ने पिचों को संतोषजनक की रेटिंग दी है। मुलतान में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने 827/7 (डी) रन बनाए थे। इसमें जो रूट (262) और हैरी ब्रूक (317) का बड़ा सहयोग रहा था। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की टीम इन्हीं पिचों पर रन बनाने के लिए संघर्ष करती दिखी थी।

मुलतान में पहला टेस्ट गंवाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया था। इसमें आकिब जावेद और अलीम डार शामिल थे। इसी टीम ने मुलतान के ही मैदान पर दूसरा टेस्ट खेलने का फैसला किया। देखा गया कि

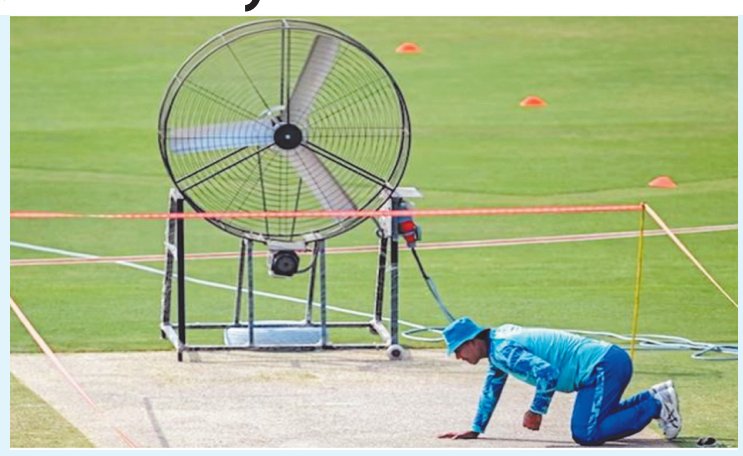

पिच को सुखाने के लिए बड़े पंखों का उपयोग किया गया, जिससे स्पिनरों को लाभ मिल सके। इसी तरह की नीति रावलपिंडी में लागू की गई थी, जहां पिच को सुखाने के लिए विशाल पंखे का उपयोग किया गया था, जो स्पष्ट रूप से गेंदबाजों को स्पिन की कमी के लिए जाना जाता था। दोनों स्ट्रिप्स ने टेस्ट की शुरुआत में तेज स्पिन और असमान उछाल के साथ स्पिनरों को भरपूर सहायता प्रदान की। दूसरे और तीसरे गेम में पाकिस्तान की फिरकी के कारण इंग्लैंड के सभी 40 विकेट गिर गए, जिसने टेस्ट कप्तान के रूप में शान मसूद को पहली सीरीज जीत भी दिलवाई।

संक्षिप्त समाचार

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने कैंसर जागरूकता दिवस मनाया

अहमदाबाद एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने बड़े गौरव के साथ 7 नवंबर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया, तथा इस अवसर को कैंसर की रोकथाम और शुरुआती चरण में पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उपचार के कारगर विकल्पों को सुलभ बनाने की जरूरत के लिए समर्पित किया। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस हम सभी को कैंसर के खिलाफ जारी बेहद महत्वपूर्ण संघर्ष की याद दिलाता है, और इस बार को भी सामने लाता है कि समुदायों पर इस बीमारी के प्रभाव को न्यूनतम करना हम सभी की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। साल 2024 का राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, कैंसर की शुरुआती चरण में पहचान एवं रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उपचार को सुलभ बनाने की थीम पर आधारित है। कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने लोगों एवं समुदायों को कैंसर से बचाव हेतु एहतियाती कदम उठाने के लिए जरूरी जानकारी तथा संसाधनों के साथ सक्षम बनाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही, अस्पताल ने समय पर जाँच और बेहतर गुणवत्ता वाले उपचार को सुलभ बनाने की अहमियत पर भी बल दिया, ताकि मरीजों के लिए परिणामों को बेहतर बनाया जा सके और कैंसर से जुड़ी मृत्यु-दर को कम किया जा सके।सामान्य तौर पर भारत में स्तन, सर्वाइकल, तथा मुँह एवं फेफड़े के कैंसर से पीड़ित मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है। मौजूदा स्थिति से यह बात जाहिर होती है कि, कैंसर से निपटने के लिए ठोस प्रयासों की तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए सभी पहलुओं को शामिल करते हुए रोकथाम के उपायों को अपनाने, लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने तथा बेहतर गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाने की जरूरत है।

काउंटडाउन शुरू हुआ... नेटफ्लिक्स की 'सिकंदर का मुकद्दर' हुए 29 नवंबर प्रसारित होगा

मुंबई, एजेंसी। नेटफ्लिक्स का क्राईम ड्रामा सिकंदर का मुकद्दर सभी का इंतजार खत्म करते हुए 29 नवंबर को प्रसारित होने वाला है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, और राजीव मेहता मुख्य भूमिकाएं निभा रहे हैं। इस फिल्म में पांडे ने अपने सिग्नेचर स्टाईल में नेटफ्लिक्स के दर्शकों के लिए कहानी को बहुत दिलचस्प बना दिया है।

एआई से बनाया टीचर का गंदा वीडियो, ब्लैकमेल से तंग आ करने जा रहा था सुसाइड

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में साइबर अपराधियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक टीचर का महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ठगी के लिए ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था। सेक्सटॉर्शन के जाल में फंसकर खुदकुशी करने जा रहे टीचर को पुलिस ने बचा लिया। उसे काउंसिलिंग के बाद परिजन को सौंपा गया है। साइबर अपराध थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विजय गौतम ने बताया कि सूरजपुर थाना क्षेत्र में तिलपता गोल चक्कर के पास दिल्ली निवासी एक शिक्षक अकेले रहते हैं।

साइकिल प्योर अगरबत्ती ने अयोध्या में 121 फीट ऊंची अगरबत्ती जलाकर इतिहास रचा

अयोध्या, एजेंसी। सायकल प्योर अगरबत्ती, भारत का प्रमुख घरेलू पूजा ब्रांड, रघुकुल फाउंडेशन के साथ मिलकर अयोध्या के भारतकुंड महोत्सव में एक अद्वितीय 121 फीट की अगरबत्ती के साथ भव्यता, दिव्यता और आकर्षक खुशबू का अनुभव प्रदान किया। सात दिवसीय इस आयोजन का उद्घाटन अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट श्री अशोक कुमार सैनी और कमांडो अधिकारी श्री आशुतोष तिवारी द्वारा अपनी तरह की सबसे बड़ी अगरबत्ती जलाकर किया गया। इस वर्ष की शुरुआत में, अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान, साइकिल प्योर ने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा मनाने के लिए मैसूर में 111 फुट की अगरबत्ती बनाई थी, जिसे प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की मां सुश्री सरस्वती ने प्रज्वलित किया था। प्रकाश समारोह में सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया गया, जिसका उद्देश्य महोत्सव को खुशी, एकता और पारिवारिक सद्भाव का संदेश देना था।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट श्री अशोक कुमार सैनी ने कहा, ÷भरतकुंड महोत्सव के इस विशेष अवसर का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, यह एक ऐसा उत्सव है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिकता का सार दर्शाता है।÷ सायकल प्योर अगरबत्ती और रघुकुल फाउंडेशन द्वारा निर्मित 121 फीट की अगरबत्ती श्रद्धा और एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। ऐसे महत्वपूर्ण अभियानों का समर्थन करना एक विशेषाधिकार है, और यह संतोषजनक है कि हम अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने में योगदान दे रहे हैं और भारतकुंड महोत्सव की भावना को ऊंचा कर रहे हैं।

121 फीट की अगरबत्ती के प्रज्वलन पर टिप्पणी करते हुए, श्री अर्जुन रंगा, प्रबंध निदेशक, सायकल प्योर अगरबत्ती ने कहा, ÷हमारी आत्मा में आध्यात्मिकता है और हम कलाकार समुदाय को समर्थन देने और लोगों के जीवन में आशा लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह 121 फीट की अगरबत्ती उसी वादे को साकार करती है, अपनी मनमोहक खुशबू के माध्यम से खुशियाँ फैलाती है और शिल्प कौशल का जश्न मनाती है - प्रेरणा और समर्थन की हमारी साझा यात्रा के लिए एक श्रद्धांजलि।

सायकल प्योर अगरबत्ती की 121 फीट लंबी कृति को 18 कुशल व्यक्तियों की एक समर्पित टीम ने 23 दिनों में तैयार किया, जिसमें शुभ दशांग (शहद, कोनगरी गड्डे, घी, चंदन पाउडर, गुग्गुल, अगरू, सम्ब्रानी, देवदारू, लोबान और सफेद सरसों) के साथ-साथ चारकोल, जिगट और गुड़ जैसे हाथ से चुने गए सामग्री का उपयोग किया गया। निर्माण प्रक्रिया में सायकल प्योर की विशेषज्ञ टीम द्वारा विकसित एक अनूठी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है ।

महायुति से अलग सुर छेड़ रहे अजित, योगी के बटेंगे तो कटेंगे से बनाई दूरी

मुंबई, एजेंसी। अजित पवार ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले बयान से दूरी बना ली है। उन्होंने कहाकि कुछ बाहरी लोग इस तरह का बयान देते हैं। महाराष्ट्र के लोग सांप्रदायिक भावना बनाए रखने पर जोर देते हैं। भाजपा नेता योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराष्ट्र में महायुति उम्मीदवार के पक्ष में रैली कर रहे थे। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने अपने उम्मीदवार नवाब मलिक के प्रति एक बार फिर से खुले समर्थन का इजहार किया। पीएम मोदी द्वारा महायुति उम्मीदवारों के समर्थन में रैली किए जाने के सवाल पर अजित पवार ने कहाकि बारामती में उन्हें किसी अन्य के रैली की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने बिना योगी आदित्यनाथ का नाम लिए कहाकि किसी को भी हमारे प्रदेश की तुलना किसी अन्य प्रदेश से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहाकि महाराष्ट्र के लोगों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव पर ध्यान दिया है। कुछ बाहरी लोग आते हैं और इस तरह के बयान देते हैं, लेकिन महाराष्ट्र ने कभी भी सांप्रदायिक भेदभाव को स्वीकार नहीं किया है। अजित पवार ने कहाकि हमारा प्रदेश छत्रपति शाहूजी महाराज, ज्योतिबा फुले और बाबा साहेब आंबेडकर की आइडियोलॉजी को फॉलो करता है।

इस दौरान अजित पवार ने अपने पार्टी उम्मीदवार नवाब मलिक के प्रति भी समर्थन जताया। उन्होंने कहाकि वह नवाब मलिक के लिए प्रचार करेंगे। मलिक को ईडी ने मनी लॉड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं और मानखुर्द-शिवाजीनगर सीट से उम्मीदवार हैं। इसी सीट से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के दल के नेता ने भी पर्चा भरा है। दोनों ही महायुति गठबंधन से उम्मीदवार हैं, लेकिन भाजपा शिंदे के उम्मीदवार का समर्थन करेगी। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह नवाब मलिक के पक्ष में प्रचार नहीं करेगी। अजित पवार ने कहाकि कि नवाब मलिक पर लगाए गए आरोप साबित नहीं हुए हैं। केवल आरोपों के आधार पर उन्हें दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार पर भी अजित पवार ने अपनी बात रखी। पीएम मोदी यहां पर महायुति गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में रैली करने वाले हैं। हालांकि अजित पवार का कहना है कि उन्हें बारामती में किसी के रैली की जरूरत नहीं है।

शरद पवार के खिलाफ अपशब्द बर्दाश्त नहीं, अजित पवार की एनसीपी को सता रहा डर

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी प्रमुख शरद पवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद रायत क्रांति संगठन के नेता सदाभाऊ खोट ने माफी मांगी है। पवार के खिलाफ टिप्पणी करने के बाद उनकी काफी आलोचना हो रही थी। उन्होंने कहा, अगर मेरे बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं अपना बयान वापस लेता हूं। खोट ने सांगली की एक रैली के दौरान कहा था कि क्या शरद पवार महाराष्ट्र की हालत अपने चेहरे की तरह करना चाहते हैं बता दें कि सदाभाऊ खोट की पार्टी राज्य में महायुती का हिस्सा है। अजित पवार की एनसीपी ने भी उनकी आलोचना की थी। अजित पवार ने कहा, शरद पवार को लेकर की गई सदाभाऊ खोट की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। इस तरह के घटिया बयानों का हम विरोध करते हैं और यह महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है। मैं एनसीपी की तरफ से और खुद के तौर पर भी इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। भविष्य में पवार साहेब के खिलाफ इस तरह के निजी हमले हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

एनसीपी नेता इस बात को लेकर भी चिंतित हैं कि शरद पवार के खिलाफ की गई ऐसी टिप्पणी से कहीं उनको संवेदना ना मिल जाए और उसका फायदा चुनाव मे भी मिले। लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी ने उन्हें भटकती आत्मा कह दिया था। इसके बाद भी एनसीपी नेता लांडे ने कहा था, किसी 84 साल के नेता के खिलाफ इस तरह के बयान उचित नहीं हैं। जुलाई में गृह मंत्री अमित शाह ने शरद पवार को भ्रष्टाचारा का रिंगमास्टर बता दिया था। इसके बाद भी पूर्व विधायक लांडे ने आपत्ति जताई थी। लांडे अजित पवार के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने राज्य में बीजेपी चीफ चंद्रशेखर बावनकुले को पत्र लिखा था और कहा था कि पार्टी को इस तरह की बयानबाजी से दूर रहने की जरूरत है। पार्टी के सूत्रों का यह भी कहना है कि शरद पवार के खिलाफ ज्यादा बयानबाजी एनसीपी उम्मीदवारों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने किए श्रीनाथजी के दर्शन

जयपुर, एजेंसी। बागेश्वर पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री और कथा वाचक इंद्रेश उपाध्याय के साथ अल सुबह भीलवाड़ा से सड़क मार्ग से यहां राजस्थान के नाथद्वारा पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीनाथजी की मंगला आरती के दर्शन किए। मंदिर परंपरा अनुसार बैठकजी में अधिकारी सुधाकर शास्त्री, सहायक अधिकारी अनिल सनाढय, सचिव लीलाधर पुरोहित ने उपरना रजाई ओढ़ाकर व श्रीनाथजी का प्रसाद भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि आज श्रीनाथजी के दर्शन कर ऐसा आंनद आया जैसे वृंदावन की कुंज गलियों में द्वापर युग मे हो और श्रीनाथजी से यही प्रार्थना की है कि जल्द से जल्द भारत हिन्दू राष्ट्र हो जाए। सभी धर्म विरोधी यहां से भाग जाएं। उन्होंने कहा कि धर्म से राजनीति चलती है, राजनीति से धर्म नही चालता है। धर्म का उपयोग वोट बैंक के लिए नही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म धारणाओं का विषय है प्रचीन परम्पराओं का विषय है, उत्साह, आनंद, मोक्ष का विषय है। धर्म के रास्ते मे संकीर्णता नही होने चाहिए, सनातन अखंड है और राजनीति से इसे नही जोड़ना चाहिए।

वसुंधरा राजे को लेकर भाजपा के नेता दे रहे हैं बार-बार सफाई

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा की 7 सीटों पर उपचुनाव को लेकर चुनाव प्रचार चरम पर है, लेकिन उपचुनाव को लेकर सीएम भजनलाल शर्मा की घबराहट दिखाई दे रही है। जिन 7 सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं उनमें मात्र एक सीट सलूंबर में बीजेपी का कब्जा था। अन्य सीटों पर कांग्रेस और क्षेत्रिय दलों का कब्जा है, लेकिन इसके बावजूद सीएम भजनलाल की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। सियासी जानकारों का कहना है कि 7 में से 5 सीटों पर चुनाव हारने की स्थिति में विरोधी खेमा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर सकता है जो अभी तक चुपी साधे हुए है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए सबसे बड़ी परेशानी वसुंधरा राजे को लेकर है। दरअसल, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे उपचुनाव के मंच दूरी बनाए हुए है।यहीं बीजेपी नेता बार-बार वसुंधरा राजे की दूरी पर सफाई दे रहे है। पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सफाई दी। इसके बाद प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने हर मंच से सफाई दे रहे हैं। दोनों ही नेताओं का कहा है कि वसुंधरा राजे नाराज नहीं है। पार्टी की वरिष्ठ नेता है। पार्टी में उनकी भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मदन राठौड़ और राधा मोहन अग्रवाल की बार-बार सफाई से जाहिर होता है कि बीजेपी में अंदरूनी हालत ठीक नहीं है। इसलिए वसुंधरा राजे को लेकर बीजेपी के नेता बार-बार सफाई दे रहे है। हालांकि, खुद वसुंधरा राजे और उनके समर्थकों ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। जानकारों का कहना है कि उपचुनाव के परिणाम से ही सीएम भजनलाल शर्मा का राजस्थान की राजनीति में सियासी कद तय होगा। जानकारों का कहना है कि सीएम विरोधी खेमा नहीं चाहता है कि वह मुख्यमंत्री बने रहे। लेकिन भजनलाल शर्मा पीएम मोदी की पहली पंसद है। ऐसे में विरोधी कैंप के नेता चुप्पी साधे हुए है। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होना है। प्रचार में दूरी बनाए हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ सक्रिय हो गए है। हालांकि, रणनीति के तहत राजेंद्र सिंह राठौड़ को कुछ सीटों के प्रचार से दूर रखा है। दूसरी तरफ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी प्रचार के लिए दौरे कर रहे हैं। पूनिया ने अलवर जिले की रामगढ़ सीट पर प्रचार कर बीजेपी प्रत्याशी के लिए वोट मांगे है। लेकिन पूर्व सीएम वसुंधरा राजे दूरी बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि राजेंद्र राठौड़ और सतीश पूनिया को राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का धुर विरोधी माना जाता है।

मगरमच्छों से भरी नदी में गिर गए थे इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी

लंदन , एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व महान क्रिकेट खिलाड़ी इयान बॉथम ने हाल ही में मौत के मुंह से निकलने की अपनी कहानी सुनाई है। दरअसल, बॉथम हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में थे और इस दौरान वह अपने पुराने दोस्त मर्व ह्यूजेस के साथ फिशिंग करने गए थे। लेकिन इस फिशिंग ट्रिप के दौरान बॉथम की जान जोखिम में पड़ गई, जिसका खुलासा अब उन्होंने खुद किया है।

इयान बॉथम और उनके दोस्त मर्व ह्यूजेस एक जहाज से मदरशिप पर जाने की कोशिश कर रहे थे, तभी उनका पैर फिसल गया और वह गंदी नदी में गिर गए। इस नदी का नाम मोयह है, जिसमें मगरमच्छ और ब्लू शार्क जैसी खतरनाक जीव-जंतु रहते हैं। बॉथम ने कहा कि गिरने के बाद उन्हें यह सोचने का समय नहीं मिला कि पानी में कौन-कौन से जानवर हो

सकते हैं। इससे पहले कि कोई जानवर उन पर हमला करता, उनके दोस्त मर्व ह्यूजेस ने उन्हें तत्काल पानी से बाहर खींच लिया। इस हादसे में बॉथम को कुछ चोटें भी आईं। ह्यूजेस और बचाव दल के बाकी सदस्योंने मेरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बेहतरीन काम किया। यह सब बहुत जल्दी हुआ और अब मैं ठीक हूं। 68 साल के इयान बॉथम इंग्लैंड के सबसे दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 102 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 33.54 की औसत से 5200 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक और 22 अर्धशतक भी लगाए। बॉथम का वनडे करियर भी शानदार रहा, उन्होंने 116 वनडे मैचों में 23.21 की औसत से 2113 रन बनाए, जिसमें 9 अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड के लिए उनका आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 24 अगस्त 1992 को था।

16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चला पाएंगे एफबी, इंस्टाग्राम, टिकटाक....सरकार का बड़ा एक्शन

कैपटाउन, एजेंसी। सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने इस संबंध में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। गुरुवार को, उन्होंने घोषणा की कि सोशल मीडिया तक पहुंचने की न्यूनतम आयु सीमा को 16 वर्ष तय करने के लिए कानून बनाया जाएगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने संसद में आयु सीमा से संबंधित कानून लाने का संकल्प लिया था, लेकिन कोई स्पष्ट कट-ऑफ उम्र का जिक्र नहीं किया था।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री अल्बनीज ने कहा कि सरकार बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर न्यूनतम आयु सीमा लागू करेगी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारे बच्चों को सोशल मीडिया नुकसान पहुंचा रहा है, और इस पर रोक लगाना आवश्यक है। यह एक गंभीर सामाजिक मुद्दा है, जिसके परिणाम हम जानते हैं। सरकार की योजना के अनुसार, यदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए एक्सेस को प्रतिबंधित करने में विफल रहते हैं, तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। हालांकि, 16 साल से कम आयु के बच्चों और उनके माता-पिता या अभिभावकों पर किसी प्रकार की कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई सरकार का प्रस्तावित यह कानून संसद में पारित होने के 12 महीने बाद लागू होगा और इसे सुरक्षा आयुक्त के कार्यालय द्वारा लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने इसे 'दुनिया का अग्रणी कानून' बताया। उन्होंने कहा कि कुछ अपवाद और छूट का प्रावधान रखा जाएगा।

एलन मस्क ने की कनाडा के पीएम पर भविष्यवाणी

वाशिंगटन , एजेंसी। टेस्ला के मालिक और दिग्गज अरबपति एलन मस्क ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को आड़े हाथों लिया। एलन मस्क ने भविष्यवाणी की है कि ट्रूडो आगामी चुनाव में हार जाएंगे। उनकी सरकार जाने वाली है। मस्क ने कटाक्ष किया कि 20 अक्टूबर 2025 या उससे पहले होने वाले आगामी कनाडाई संघीय चुनाव में ट्रूडो चले जाएंगे। उन्होंने यह प्रतिक्रिया जर्मनी की समाजवादी सरकार के गिरने की बात कहने वाले एक पोस्ट पर दी। मस्क ने एक्स पर लिखा, आगामी चुनाव में वे चले जाएंगे।

ट्रूडो झेल रहे अपनों का विरोध

2013 से लिबरल पार्टी का नेतृत्व कर रहे जस्टिन ट्रूडो के लिए आगामी संघीय चुनाव बेहद अहम हैं। इन दिनों ट्रूडो को अपनी ही पार्टी के अंदर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि ट्रूडो

की सरकार अल्पमत में चल रही है। वह किसी भी वक्त गिर सकती है। चुनाव में ट्रूडो की लिबरल पार्टी का सामना विपक्ष के नेता पियरे पोलिएवर की कंजर्वेटिव पार्टी और जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी से होगा। ब्लॉक क्यूबेकॉइस और ग्रीन पार्टी भी ट्रूडो का सियासी गणित बिगाड़ सकती हैं।

एलन मस्क ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज को मूर्ख बताया। उन्होंने जर्मन भाषा में पोस्ट किया कि ओलाफ इस्ट ईन नार। इसका मतलब यह होता है कि ओलाफ मूर्ख हैं। मस्क की पोस्ट पर एक उपयोगकर्ता ने कहा कि हमें कनाडा को ट्रूडो से छुटकारा दिलाने में आपकी मदद की जरूरत है। इसी पोस्ट पर एलन मस्क ने अपनी प्रतिक्रिया दी और ट्रूडो की विदाई की भविष्यवाणी कर दी।

तो इसलिए वित्त मंत्री को हटायात्र

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने बुधवार को अपने वित्त मंत्री को कैबिनेट से निकाल दिया है। अब आशंका है कि सरकार किसी भी वक्त गिर सकती है। स्कोल्ज ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को निकाल दिया है। देश को नुकसान से बचाने के लिए उन्हें निकालना आवश्यक था। जर्मनी में इन दिनों ट्रैफिक लाइट गठबंधन सत्ता में काबिज है। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी के ओलाफ स्कोल्ज, फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी के लिंडनर और ग्रीन पार्टी के रॉबर्ट हैबेक के बीच कई दिनों की वार्ता हुई। इसके बाद वित्तमंत्री को निकाला गया है।

स्विट्ज़रलैंड में 2025 से लागू होगा स्विस बुर्का प्रतिबंध, उल्लंघन करने वालों पर लगाया जाएगा भारी जुर्माना

स्विट्ज़रलैंड, एजेंसी। स्विट्ज़रलैंड 1 जनवरी 2025 से अपने विवादास्पद बुर्का बैन को लागू करने जा रहा है, जिसे 2021 में एक करीबी जनमत संग्रह में मंजूरी मिली थी। यह कानून, जो सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को ढकने पर प्रतिबंध लगाता है, ने विशेष रूप से मुस्लिम संगठनों की ओर से महत्वपूर्ण बहस और आलोचना को जन्म दिया है। वहीं इसको लेकर सरकार ने कहा, सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढंकने पर विवादास्पद स्विस प्रतिबंध, जिसे व्यापक रूप से बुर्का प्रतिबंध के रूप में जाना जाता है, 1 जनवरी से प्रभावी होगा।बता दें कि तटस्थ स्विट्ज़रलैंड में 2021 के जनमत संग्रह में संकीर्ण रूप से पारित और मुस्लिम संघों द्वारा निंदा किए गए इस उपाय को उसी समूह द्वारा शुरू किया गया था जिसने 2009 में नई मीनारों पर प्रतिबंध लगाया था। वहीं संघीय परिषद ने एक बयान में कहा कि उसने प्रतिबन्ध की शुरुआत तय कर दी है और जो कोई भी इसका अवैध उल्लंघन करेगा, उसे 1,000 स्विस फ्रैंक (1,144 डॉलर) तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। आगे बताते हुए सरकार ने कहा, यह प्रतिबंध विमानों या राजनयिक एवं वाणिज्य दूतावास परिसरों पर लागू नहीं होगा, तथा पूजा स्थलों और अन्य पवित्र स्थलों पर भी चेहरा ढका जा सकता है। इसमें कहा गया है, स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित कारणों, स्थानीय रीति-रिवाजों या मौसम की स्थिति के कारण चेहरे को ढंकने की अनुमति रहेगी। कलात्मक और मनोरंजन के आधार पर और विज्ञापन के लिए भी उन्हें अनुमति दी जाएगी। वहीं मुस्लिम संगठनों ने इस कानून की कड़ी आलोचना की है, उनका तर्क है कि यह मुस्लिम महिलाओं को असमान रूप से लक्षित करता है। आलोचक इस पहल को व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं। वहीं इसमें कहा गया है, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और एकत्र होने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा हेतु ऐसे आवरण की आवश्यकता है, उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129